पहले राष्ट्रीय सहकारी युनिवर्सिटी का महत्व 4

सामंथा ने फिल्म इंडस्ट्री में वेतन को लेकर उठाए सवाल 7

राज्यपाल ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर माल्यार्पण और श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया 8

तिथि-बैशाख, कृष्ण, तृतीया
सोना - 96,555
शेयर मार्केट- 75,157
चांदी- 99,900
निफ्टी- 22,828
अधिकतम -34 ºc
न्यूनतम -24 ºc

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

www.charchitrajnit.com वर्ष - 21 अंक-141 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 लखनऊ, मंगलवार 15 अप्रैल, 2025 पृष्ठ-8 मूल्य : दो रुपये

मुसलमानों से हमदर्दी तो मुस्लिम अध्यक्ष बनाये कांग्रेस : प्रधानमन्त्री

एयरपोर्ट का उद्घाटन व कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का किया शिलान्यास

चर्चित राजनीति। एजेंसी

हिसार/यमुनानगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (14 अप्रैल) हरियाणा दौरे पर रहे। सुबह करीब 10 बजे उन्होंने हिसार में हरियाणा के पहले एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। यहां से हिसार अयोध्या फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद पीएम यमुनानगर पहुंचे। यहां उन्होंने 800 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट की यूनिट, कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का शिलान्यास और रेवाड़ी बाइपास का उद्घाटन किया।

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, देश आजाद होने के बाद 2013 तक वक्फका कानून चलता था। 2013 में कांग्रेस ने कानून में संशोधन कर दिया, ताकि चुनाव में वोट पा सकें। कानून को ऐसा बना दिया कि बाबा साहेब के संविधान की ऐसी-तैसी कर दी। इसका सही उपयोग होता तो मुसलमानों को साइकिल के पंचर बनाने की जरूरत नहीं होती। पीएम ने आगे कहा, कांग्रेस कहती है कि ऐसा मुसलमानों के हित में किया। मैं पूछना चाहता हूं कि अगर सच्चे मन से मुसलमानों के लिए थोड़ी भी हमदर्दी है तो कांग्रेस पार्टी अपनी पार्टी का अध्यक्ष किसी मुसलमान को बनाए, लेकिन इनके नेता ऐसा कुछ नहीं करेंगे। ये सिर्फदेश के नागरिकों के अधिकारों को छीनना चाहते हैं। पीएम मोदी ने कहा, अब श्रीकृष्ण जी की पावन भूमि हरियाणा, श्रीराम जी की भूमि अयोध्या से सीधी जुड़ गई है। बहुत

- वक्फ कानून का सही इस्तेमाल होता तो मुसलमानों को पंचर बनाने की जरूरत नहीं पड़ती : पीएम मोदी

जल्द हिसार से दूसरे शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू होंगी। मेरा वादा रहा है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में उड़ेगा। 10 सालों में करोड़ों भारतीयों ने जीवन में पहली बार हवाई सफर किया है। हमने वहां भी नए एयरपोर्ट बनाए, जहां कभी अच्छे रेलवे स्टेशन तक नहीं थे। 2014 से पहले देश में 74 एयरपोर्ट थे, 70 साल में 74। आज देश में एयरपोर्ट की संख्या 150 के पार हो गई है। प्रधानमंत्री बोले, हमें यह कभी नहीं भूलना है कि कांग्रेस ने बाबा साहेब के साथ क्या किया। कांग्रेस ने उन्हें 2 बार चुनाव हराकर अपमानित किया। कांग्रेस संविधान की भक्षक बन गई है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने पेंशन में भी एससी, एसटी, ओबीसी के अधिकार छीनकर धर्म के आधार पर आरक्षण दे दिया।

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने हमारे पवित्र संविधान को सत्ता हासिल करने का एक हथियार बना दिया है। जब-जब कांग्रेस को सत्ता का संकट दिखा, उन्होंने संविधान को कुचल दिया। कांग्रेस ने संविधान की स्पिरिट को कुचला। संविधान की भावना है कि सबके लिए एक जैसी नागरिक संहिता हो, जिसे मैं कहता हूं यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लेकिन कांग्रेस ने इसे लागू नहीं किया। उत्तराखंड में बीजेपी सरकार आने के बाद यूसीसी डंके की चोट पर लागू हुआ। संविधान को जेब में लेकर बैठे कांग्रेस के लोग उसका विरोध कर रहे हैं। मोदी ने कहा, हरियाणा की गाड़ी अब विकास के पथ पर दौड़ रही है। कांग्रेस शासित राज्यों में जनता के साथ विश्वासघात हो रहा है। पड़ोस में देखिए, हिमाचल में सारे काम ठप पड़े हैं। कर्नाटक में देखिए, हर चीज महंगी हो रही है। कर्नाटक में जो कांग्रेस सरकार ने टैक्स लगाए हैं, उनकी सोशल मीडिया पर लोगों ने खूब आलोचना की है। खुद वहां के मुख्यमंत्री के करीबी कहते हैं कि कांग्रेस ने कर्नाटक को करप्शन में नंबर वन बना दिया। तेलंगाना में भी कांग्रेस की सरकार जंगलों पर बुलडोजर चला रही है। पीएम मोदी बोले, कल देश ने बैसाखी का पर्व मनाया। कल ही जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ था। शंकरन नायर नाम सुना नहीं होगा, लेकिन इस नाम की चर्चा खूब हो रही है। उस जमाने में वे अंग्रेजी सरकार में बहुत बड़े पद पर विराजमान थे। उन्होंने विदेशी शासन के खिलाफ जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में आवाज उठाई। उन्होंने पद छोड़ दिया। वे केरल के थे, लेकिन घटना पंजाब में घटी। नायर ने हत्याकांड के लिए अंग्रेजों को कोर्ट में खड़ा करा दिया। कैसे केरल का एक व्यक्ति पंजाब में हुए हत्याकांड के लिए अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ खड़ा हो गया। उन्होंने आगे कहा, 2014 से पहले जब कांग्रेस सरकार थी, तब पूरे देश में ब्लैकआउट होते थे। कांग्रेस सरकार यदि रहती तो देश को आज भी ऐसे ही ब्लैकआउट से गुजरना पड़ता। न कारखाने चल पाते, न रेल चल पाती, न खेतों में पानी पहुंचता। यानी कांग्रेस की सरकार रहती तो ऐसे ही संकट बना रहता। आज हालात बदल रहे हैं, बीते 10 सालों में भारत ने बिजली उत्पादन की क्षमता को करीब दो गुना किया है। आज भारत अपनी जरूरत को पूरा करने के साथ-साथ पड़ोसी देशों को बिजली निर्यात भी करता है। वहीं कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पीएम के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि वो एक समुदाय विशेष को पंक्चर बनाने वाला बुला रहे हैं।

8 साल में बदली उत्तर प्रदेश की तस्वीर : योगी

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

- फिक्की की बैठक में बोले सीएम योगी-उत्तर प्रदेश अब बीमारू नहीं बन चुका है ग्रोथ इंजन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य और उपभोक्ता व श्रम बाजार उद्यमियों का स्वागत करता है। फिक्की को उत्तर प्रदेश के विकास में एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए सीएम योगी ने कहा कि इस संगठन ने निवेशकों के लिए सकारात्मक माहौल और ईको सिस्टम बनाने में सरकार का साथ दिया है। विशेष रूप से, इन्वेस्टर समिट 2018 और 2023 को सफल बनाने में फिक्की का योगदान सराहनीय रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भारत की जनसंख्या के हिसाब से सबसे बड़ा राज्य है, फिर भी यह लंबे समय तक बीमारू राज्य के रूप में जाना जाता था। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के समय उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी, लेकिन धीरे-धीरे यह घटकर एक तिहाई रह गई। हालांकि, पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसे देश और दुनिया ने देखा है। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में फिक्की जैसे संगठनों का सहयोग इस बदलाव का एक प्रमुख कारण रहा है। उत्तर प्रदेश अब बीमारू नहीं, बल्कि देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह भारत का ग्रोथ इंजन बन चुका है और देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। राज्य ने अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि 2017 में सरकार बनने के बाद किसानों की कर्ज माफी जैसे प्रस्तावों के लिए धन की कमी थी। उस समय बैंकों का सहयोग नहीं मिलता था और कर्मचारियों के वेतन के लिए भी संसाधन नहीं थे, लेकिन सरकार ने बजट में 36 हजार करोड़ रुपये की रिसाव (लिकेज) को चिह्नित कर उसे समाप्त किया, जिससे आज उत्तर प्रदेश राजस्व अधिशेष (रेवेन्यू सरप्लस) वाला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले (शेष पृष्ठ 7 पर)

संक्षिप्त समाचार

देवरिया : सड़क हादसे में 35 लोग घायल

देवरिया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के देवरिया में गौरीबाजार थाना क्षेत्र के बैतालपुर डिपो के पास रोडवेज बस और टैंकर के बीच सोमवार को भिड़ंत हो गई। इस हादसे में करीब 30 से 35 लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस से तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कई लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार, गोरखपुर से देवरिया आ रही रोडवेज बस से टैंकर की टक्कर हो गई। टैंकर डिपो से बाहर निकल रहा था, इसी बीच बस की टक्कर हो गई। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। चार लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे से हाईवे पर जाम की स्थिति भी बन गई थी। बता दें कि 13 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के संभल में रोडवेज और निजी बस की आमने-सामने की टक्कर हो गई थी। इस हादसे में 12 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। हादसा इतना भयानक था कि दोनों बसों का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। हादसा नखासा थाना इलाके के संभल हसनपुर रोड स्थित सिंहपुर के पास हुआ था। एक तरफसे यात्रियों से भरी रोडवेज बस आ रही थी, जबकि सामने से तेज रफ्तार में एक निजी बस भी आ रही थी।

पश्चिम बंगाल के भांगर में बड़ा बवाल घरों-दुकानों में लूटपाट

कोलकाता, एजेंसी। वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल के कई शहरों में हिंसक घटनाएं सामने आई हैं। पहले मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा 3 लोगों की मौत हो गई थी। फिर शमशेरगंज के जाफराबाद में बवाल हुआ। इसके बाद दक्षिण 24 परगना में हिंसा भड़क उठी। पुलिस वैन में आग लगा दी गई है। कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई है। वहां पुलिस दंगाइयों से निपटने की कोशिश कर रही है। अब भांगड़ के घटकपुकुर में भी फिर से विरोध शुरू हुआ है, जहां टीएमसी के विधायक शौकत मोल्ला भी (शेष पृष्ठ 7 पर)

हमने स्वदेशी तकनीकों को विकसित किया और अपनाया : अमित शाह

चर्चित राजनीति। एजेंसी

- गृहमन्त्री ने अखिल भारतीय फोरेंसिक विज्ञान शिखर सम्मेलन का किया उद्घाटन
- फोरेंसिक विज्ञान को आपराधिक न्याय प्रणाली का अहम हिस्सा बनाने की कोशिश : शाह

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम कर रही है कि लोगों को समय पर और उनकी संतुष्टि के अनुसार न्याय मिले। शाह ने साथ ही इस बात पर प्रकाश डाला कि मोदी सरकार ने फोरेंसिक विज्ञान को आपराधिक न्याय प्रणाली का हिस्सा बना दिया है।

उन्होंने अखिल भारतीय फोरेंसिक विज्ञान शिखर सम्मेलन 2025 में कहा कि अपराधियों द्वारा अक्सर राज्यों और देशों की सीमाओं को लांघने के कारण फोरेंसिक विज्ञान का महत्व कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार आपराधिक न्याय प्रणाली को जन-केंद्रित और वैज्ञानिक बनाने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि न्याय मांगने वाले व्यक्ति को समय पर न्याय मिले और उसे न्याय मिलने की संतुष्टि भी मिले। गृहमंत्री शाह ने कहा कि देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत करने के लिए फोरेंसिक विज्ञान बहुत उपयोगी है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि ने इस देश की आपराधिक न्याय प्रणाली के परिदृश्य को बदलने का काम किया है। हमने फोरेंसिक विज्ञान को आपराधिक न्याय प्रणाली का हिस्सा बनाया है ताकि न्याय मिले और दोषियों को सजा मिले, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी निर्दोष पीड़ित न हो। शाह ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने, नीतियों पर चर्चा करने, भविष्य की रणनीति बनाने और उसे आकार देने तथा सर्वसम्मति से स्वीकार्य समाधान खोजने में बहुत उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा, आज के समय में अगर हमें समय पर न्याय प्रदान करना है और दोषसिद्धि की दर बढ़ानी है, तो यह फोरेंसिक विज्ञान के बिना संभव नहीं है। शाह ने कहा कि एक समय था जब अपराध जिलों, राज्यों और देशों की सीमाओं तक सीमित हुआ करता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे में फोरेंसिक विज्ञान का महत्व कई गुना बढ़ जाता (शेष पृष्ठ 7 पर)

भगोड़ा मेहुल चोकसी बेल्जियम में गिरफ्तार

नयी दिल्ली, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के आग्रह पर शनिवार को यह गिरफ्तारी की गई। चोकसी के वकील विजय अग्रवाल का कहना है कि उनके मुवक्किल प्रत्यर्पण आसान नहीं होगा। अग्रवाल ने कहा, उनके लिए अपील दायर की जाएगी। अगर कोई व्यक्ति वहां के इलाज से खुश है, तो उसे वहीं इलाज करवाना चाहिए। पत्नी, वकील और डॉक्टर को अपनी पसंद का विकल्प होना चाहिए। लोग अपने बच्चों को शिक्षा के लिए विदेश भेजते हैं, तो आप पूछेंगे की वह भारत में शिक्षा क्यों नहीं लेते? यह व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद है। इसके अलावा, भारत में उनके लिए सुरक्षा जोखिम हैं और उनका मानना है कि जैसे ही वे आएंगे, उन्हें मानवाधिकारों के अनुसार उचित व्यवहार नहीं मिलेगा। चोकसी के वकील ने कहा, अगर वे (चोकसी) यहां आते हैं, तो राजनीतिक और मीडिया के दबाव के कारण, उनका मानना है कि निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि हम अपने मुवक्किल का चट्टान की तरह बचाव करेंगे। हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी चिकित्सा उपचार के लिए बेल्जियम गया था जिसके बाद से (शेष पृष्ठ 7 पर)

योगी और केन्द्रीय मन्त्री डॉ जितेंद्र सिंह ने न्यायालय परिसर का किया उद्घाटन

लखनऊ, चर्चित ब्यूरो। लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में 25 करोड़ की लागत से बने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) के लखनऊ पीठ के नए न्यायालय सह कार्यालय भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया। नई सुविधाओं से लैस यह भवन प्रशासनिक न्याय की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि 1985 से 2015 तक कैट में करीब 9 लाख मामले लंबित थे। इनमें से पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने 3 लाख मामलों का निस्तारण किया है। यह कुल लंबित मामलों का लगभग 35: है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार बनने के बाद जबलपुर, मुंबई, गुवाहाटी और अब लखनऊ पीठ को अपने नए भवन मिले हैं। इसके अलावा जम्मू, श्रीनगर, पुडुचेरी, लेह और करगिल में भी सर्किट बेंच की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि कैट का उद्देश्य है कि सरकारी कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं का समाधान समयबद्ध और निचले स्तर पर ही हो जाए। लखनऊ पीठ का यह नया परिसर पूरी तरह से आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। इसमें ई-कोर्ट, दिव्यांगों के लिए रैम्प, लिफ्ट, सुलभ शौचालय, ऊर्जा कुशल लाइटें, रूफटॉप सोलर पावर, अग्निशमन व्यवस्था और सीसीटीवी जैसी सुविधाएं दी गई हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह भवन उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से बन पाया, जिसके लिए उन्होंने राज्य सरकार का आभार भी जताया। (शेष पृष्ठ 7 पर)

लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में भीषण आग

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लोकबंधु अस्पताल के दूसरी मंजिल में रात 10 बजे अचानक आग लग गई। देखते-देखते ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस मंजिल पर बच्चों की एनआईसीयू और महिला वार्ड है। आग के कारण पूरे अस्पताल में धुंआ भर गया था। अंदर सौ से अधिक मरीज फंसे थे। जिनको अस्पताल के डॉक्टर, कर्मचारी, तीमारदारों व दमकलकर्मियों ने सुरक्षित बाहर निकाला। दूसरी मंजिल पर ही 40 से अधिक मरीज भर्ती थे। हादसे के समय अस्पताल में कुल 200 मरीज भर्ती थे। सूचना मिलते ही दमकल की दर्जन भर गाड़ियां (शेष पृष्ठ 7 पर)

डॉ बाबा साहब और डॉ हेडगेवार दोनों ने ही खपाया राष्ट्र के लिये जीवन : भागवत

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ/कानपुर। आरएसएस के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने नगर क्षेत्र में नवनिर्मित संघ कार्यालय श्केशव भवन का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज में एकता समानता बनाने के लिये डॉ बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर और डॉ केशवराव बलिराम हेडगेवार ने अपना पूरा जीवन खपा दिया। यही हमारा उद्देश्य है। भारत को एक मजबूत, आत्मनिर्भर और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र बनाने का। संघ का कार्य राष्ट्र निर्माण से जुड़ा है और इस नये कार्यालय से समाज में और भी प्रभावी ढंग से कार्य किया जाएगा। संघ प्रमुख ने कहा कि संघ का काम केवल संघ का काम नहीं है। पूरे समाज को वह काम करना चाहिये। अपने स्वयं के लिये। देश के लिये परिवार के प्रत्येक व्यक्ति के लिये। आज बड़ा उत्सव का वातावरण है बहुत बार स्थान पर आया हूं लेकिन स्थान के सामने ऐसी भीड़ कभी नहीं देखी आज संगत कार्यालय का लोकार्पण हो रहा है संघ का काम केवल संघ का काम नहीं है वह वास्तव में (शेष पृष्ठ 7 पर)

प्रयागराज में दलित युवक को जिंदा जलाने के बाद बवाल

प्रयागराज, एजेंसी। प्रयागराज में 12 अप्रैल को एक 35 साल के युवक की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने उसे जिंदा जला दिया। बताया जा रहा है कि युवक का कसूर सिर्फइतना था कि उसने गेहूं काटने से मना किया था। 13 अप्रैल की सुबह उसकी अधजली लाश मिलने के बाद घर वाले आक्रोशित हो गए थे। उन्होंने न सिर्फ हत्यारोपियों के घर पर तोड़-फोड़ की थी, बल्कि पोस्टमॉर्टम के लिए पुलिस को 2 घंटे तक लाश भी नहीं उठाने दी थी। घर वालों में इतना गुस्सा है कि अभी तक युवक का अंतिम संस्कार नहीं किया है। वे लोग बॉडी को रोड पर रख कर हंगामा कर रहे हैं। उनकी मांग है कि आरोपियों के घर बुलडोजर चले। वहीं, सोमवार को पीड़ित परिवार से मिलने सपा सांसद उज्जवल रमण सिंह और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहुंचे। गुस्साए गांव वालों ने उनकी गाड़ियों को भी रोक लिया। हनुमान पर मोरी रोड पर जाम लगा दिया। पुलिस और सांसद गांव के लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। इसौटा गांव में रहने वाले दलित अशोक कुमार का 35 साल का बेटा देवी शंकर मजदूरी करता था। उसके 3 बच्चे हैं। एक बेटी काजल और दो बेटे सूरज, आकाश हैं। पत्नी की मौत हो चुकी है। वह मां-बाप का अकेला बेटा था। 12 अप्रैल को देवी शंकर को कुछ (शेष पृष्ठ 7 पर)

- सपा सांसद और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की गाड़ियां घेरीं, हत्यारोपियों के घर तोड़-फोड़

अम्बेडकर जयंती पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शिवगढ़, रायबरेली। भारतीय संविधान के शिल्पकार भारतरत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के पावन अवसर पर शिवगढ़ नगर पंचायत के वार्ड नम्बर 1 दामोदर खेड़ा स्थित बौद्ध उपासक महासभा कार्यालय परिसर से युवा समाजसेवी आलोक बौद्ध के नेतृत्व एवं दीपक बौद्ध के संयोजन में 'हम भारत के लोगो' द्वारा भव्य अम्बेडकर शोभायात्रा निकाली गई।

जो भवानीगढ़ चौराहा, गूढ़ा , रानीखेड़ा, तिलेण्डा, बछरावां होते हुए कन्नावा स्थित अम्बेडकर मैदान में जाकर समाप्त हुई। करीब 2 किलोमीटर लम्बी इस शोभायात्रा में अनुमानित 5000 से अधिक लोग शामिल रहे।

● शोभायात्रा में शामिल रहे हजारों अम्बेडकर अनुयाई

शोभायात्रा के दौरान जय भीम के नारों से शिवगढ़ और बछरावां गूंज उठा। करीब 25 किलोमीटर लम्बी अम्बेडकर शोभायात्रा में शामिल लोगों के चेहरे पर गजब का उत्साह दिखाई दे रहा था। हाथों में झण्डा लेकर जय भीम के नारे लगाते हुए पैदल चल रहे लोगों के चेहरे पर थकान की सिकन की बजाय उत्साह था, उमंग थी ,जोश था, बाबा साहब के प्रति सम्मान की झलक थी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शिवगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक विन्ध्य विनय के साथ ही शिवगढ़ और बछरावां पुलिस शोभायात्रा में मौजूद रही। वहीं महराजगंज क्षेत्राधिकारी यादुवेन्दु पाल शोभायात्रा का लगातार निरीक्षण कर रहे थे।शोभायात्रा को शान्तिपूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराने एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने को लेकर भीम हेड कमाण्डर संदीप विद्यार्थी के मार्गदर्शन में बाकायदा 350 भीम कमाण्डर लगाए गए थे, जो यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से बनाए रखने को लेकर शोभायात्रा में चल रहे लोगों को गाइड कर रहे थे। इस मौके आयोजक कमेटी के मुख्य सलाहकार अमरीश बौद्ध, आरवी टेडर्ड के मालिक मनोज रावत, देवतादीन पासवान, ओम प्रकाश रावत, पूर्व जिला पंचायत सदस्य केतार पासी,अम्बरीष दीवाना, बसंत लाल, मोहित विक्रम,रोहित गौतम, पूर्व प्रधान शैलेश रावत, राम बहादुर, जमुना प्रसाद,सोनू हाण्डा, अवधेश रावत सहित हजारों अम्बेडकर अनुयायी मौजूद रहे।

न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी ने लांच किया भारत का पहला कोडिंग यूजी ऐंट्रेंस ऐक्जाम

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी ने कोडिंग और फंडामेंटल प्रोग्रामिंग स्किल्स कौशल पर केंद्रित भारत की पहली यूजी प्रवेश परीक्षा-कोडिंग ऐनसैट की घोषणा की है।

पारंपरिक परीक्षाओं के विपरीत - जिनमें भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में गहन ज्ञान की आवश्यकता होती है-कोडिंग ऐनसैट व्यावहारिक कोडिंग क्षमताओं का मूल्यांकन करता है, जो न्यूटन स्कूल ऑफटेक्नोलॉजी में प्रवेश के लिए एक अनूठा वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। रियल-वर्ल्ड प्रॉबलम को हल करने और प्रोग्रामिंग दक्षता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह कोडिंग ऐंट्रेंस पारंपरिक शैक्षणिक अंकों के बजाय कौशल और क्षमता के आधार पर मूल्यांकन करेगा जिससे विद्यार्थियों को अपने कौशल को और बढ़ाने का अवसर हासिल होगा। इस घोषणा पर बोलते हुए न्यूटन स्कूल के सह-संस्थापक सिद्धार्थ माहेश्वरी ने कहा, ''एनएसटी में, हम कोडिंग के प्रति

● कोडिंग ऐनसैट नतीजों से चलने वाली शिक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब

उत्साही लोगों की पहचान करते हैं, उन्हें इंडस्ट्री के मुताबिक कोडिंग पाठ्यक्रम के साथ पेशेवर शिक्षा और करियर के लिए एक तय रास्ता प्रदान करते हैं जो रियल-वर्ल्ड ऐप्लीकेशंस के अनुसार होता है। कोडिंग ऐनसैट नतीजों से चलने वाली शिक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। इसमें टैक इंडस्ट्री के लिए महत्वपूर्ण कौशल की परख की जाती है जैसे एल्गोरिद्म बनाना और कोड को डीबग करना। न्यूटन स्कूल का मानना है- शिक्षा को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को प्रतिबिंबित करना चाहिए, न कि पुराने अकादमिक फार्मुलों को और कोडिंग ऐनसैट न्यूटन स्कूल के इसी कॉन्सेप्ट का प्रमाण है।''इच्छुक टेक्नोलॉजिस्ट और विद्यार्थी सोनीपत, पुणे व बैंगलोर के कैम्पस में न्यूटन स्कूल ऑफटेक्नोलॉजी में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। यूजी प्रवेश के लिए अपनी तरह की यह पहली प्रवेश परीक्षा व्यावहारिक प्रोग्रामिंग के उत्साही विद्यार्थियों के लिए एक इनोवेटिव राह प्रदान करती है, जो कॉन्सेप्ट्स को रटने की बजाय व्यावहारिक कौशल पर जोर देती है। इसे उन लोगों के लिए डिजाइन किया गया है जिन्होंने पारंपरिक विषयों की तुलना में कोडिंग के लिए ज्यादा वक्त दिया है, यह पारंपरिक जेईई का एक विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और ज्यादा समावेशी तथा स्किल-ओरिऐंटेड तरीके से अपनी आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के काबिल बनाता है। परीक्षा के पाठ्यक्रम में अंकगणित, इनपुट और आउटपुट, लैंग्वेज बेसिक्स, कोडिंग सिंटैक्स, बेसिक फंक्शन, इफऐल्स स्टेटमेंट्स, लूप्स, अरे और स्ट्रिंग जैसे विषय शामिल होंगे। कुल 26 प्रश्नों को 2 खंडों में विभाजित किया गया है, यानी कोडिंग और एमसीक्यू, सवालों की टोटल वेटेज 150 अंक होंगे, जिसमें सीखने की क्षमता, स्यूडोकोडिंग और कोडिंग सेक्शन शामिल हैं। एमसीक्यू प्रश्न कुल 80 अंक के होंगे, जिसमें निगेटिव मार्किंग भी शामिल है।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली के हाथी पार्क चौराहे का नाम 'बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक' करने तथा स्थल के समग्र विकास के लिये की पहल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

रायबरेली/लखनऊ। भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली नगर स्थित हार्थी पार्क चौराहे का नाम परिवर्तन कर 'बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर चौक' किए जाने की पहल की है।

उन्होंने इस आशय का अनुरोध पत्र नगर विकास मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार को प्रेषित किया है। पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि यह चौराहा रायबरेली नगर के हृदयस्थल पर स्थित है, जहां बाबासाहेब की विशाल प्रतिमा स्थापित है। यह स्थल वर्षो से जनमानस की आस्था

● विधायक क्षेत्र विकास निधि की 21 लाख की धनराशि से होगा प्रतिमा स्थल का सौंदर्यकरण

और प्रेरणा का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने अनुरोध किया है कि उक्त चौराहे को बाबा साहेब के नाम से विधिक रूप से नामित किए जाने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए यह स्थल उनके योगदान की स्थायी स्मृति बना रहे। मंत्री श्री सिंह ने पत्र के माध्यम से पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार से अनुरोध किया है कि हाथी पार्क चौराहे पर स्थित बोधिसत्व बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की प्रतिमा एवं उसके निकटवर्ती परिसर को एक प्रेरणास्थल और सांस्कृतिक स्मृति-स्थल के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने लिखा है कि यह प्रतिमा बाबासाहेब के विचारों और संघर्षो का प्रतीक है, जिसे रायबरेली समेत समस्त आंबेडकरवादी समाज प्रेरणा के केंद्र के रूप में देखता है। इस स्थल के समग्र विकास हेतु संस्कृति मंत्रालय से वैधानिक स्वीकृति प्रदान कर आवश्यक धनराशि निर्गत करने की उन्होंने मांग की है, जिससे बाबासाहेब के व्यक्तित्व के अनुरूप यह क्षेत्र विकसित हो सके।

श्री सिंह ने पत्र में मुख्य विकास अधिकारी, रायबरेली को निर्देश दिया है कि उनकी विधायक क्षेत्र विकास निधि से 21 लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध कराते हुए हाथी पार्क चौराहे पर स्थापित बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल का सौंदर्यीकरण एवं अधोसंरचनात्मक विकास कराया जाए। उन्होंने अपेक्षा की है कि यह कार्य किसी दक्ष, मान्यता

राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन में किया प्रतिभाग

रायबरेली, चसं। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शुक्लागंज नगर द्वारा आयोजित भव्य पत संचलन में प्रतिभा कियाद्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शुक्लागंज नगर, जनपद रायबरेली द्वारा आयोजित भव्य पथ संचलन कार्यक्रम में सहभागिता करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह संगठित एकत्रीकरण जीआईसी ग्राउंड रायबरेली में सम्पन्न हुआ, जहां राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और संघ के सिद्धांतों की सजीव झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों की अनुशासित वेशभूषा, सधे हुए कदम और राष्ट्र के प्रति समर्पण का दृश्य अत्यंत प्रेरणादायी रहा। इस आयोजन का हिस्सा बनकर राष्ट्रसेवा के इस सतत संकल्प को सशक्त करने की प्रेरणा मिली।

प्राप्त कार्यदायी संस्था को नामित करते हुए गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराया जाए। राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने आज जनपद रायबरेली में हाथी पार्क स्थित भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके पश्चात डॉ. भीमराव आंबेडकर जन्मोत्सव संयुक्त समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने चौराहे का नाम बदले जाने एवं स्थल के समग्र विकास की बात कही।

मेयर के कैंप कार्यालय में पार्षदों का हंगामा

लखनऊ, चसं। नगर निगम में सदन बैठक से एक दिन पहले भाजपा पार्षद दल की हुई। महापौर के कैंप कार्यालय में हुई बैठक दो पक्षों में विवाद तक पहुंच गई। हालांकि,भाजपा नगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी की नाराजगी के बाद दोनों पक्षों में मान मनव्वल का प्रयास किया गया। मौके पर भाजपा महानगर अध्यक्ष ने दोनों पक्ष को संयम बरतने की नसीहत दी। भाजपा के नाराज पार्षदों ने महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और मेयर सुषमा खर्कवाल के सामने पार्षद निधि के मदों को निर्धारित करने का मुद्दा उठाया। अधिकतर पार्षद करीब 63 लाख रुपए बढ़ाई गई पार्षद निधि में विभिन्न विकास कार्य और जरूरी खर्च के लिए निर्धारित किए गए मद के विरोध में है। महापौर के करीबी पार्षदों और बजट में पार्षद निधि में मद निर्धारित करने के फैसले का विरोध कर रहे पार्षदों में बहस हो गई। मामला इतना बढ़ा कि एक दूसरे को देख लेने तक की बात आ गई। इसके बाद भाजपा नगर अध्यक्ष ने सख्त रुख अपनाया। जिसके बाद दोनों पक्ष शांत हुए। हालांकि, घटना के बाद दोनों पक्ष के पार्षदों का कहना है कि बात मुद्दों को लेकर है। व्यक्तिगत स्तर पर किसी से कोई विवाद नहीं है। बैठक के बाद महापौर सुषमा खर्कवाल ने दैनिक भास्कर से बातचीत करते हुए कि नगर निगम में सभी तरह के विकास कार्य और जनसुविधा के काम जरूरी हैं। इसलिए कई मदों में खर्च रखा गया है। उनका कहना है कि अब पार्षद खुद निर्धारित करेंगे कि उनके वार्ड में कहां पर कितना खर्च किया जाएगा। भाजपा पार्षद दल की बैठक में बैठे कई पार्षदों का कहना है- नौबत मारपीट तक आ गई थी। बस ये समझ लीजिए कि मारपीट नहीं हुई। बाकी सब हो गया। व्यक्तिगत टिप्पणी के बीच विवाद बढ़ गया था। नाराज भाजपा पार्षदों का कहना है- मेयर और नगर आयुक्त ने खुद की निधि कार्यकारिणी बैठक में कम करने की घोषणा की थी, लेकिन कार्यकारिणी की बैठक में इससे जुड़ा कोई फैसला नहीं लिया गया था।

मसौदा तैयार करने वाली कंपनी पर कार्यवाही होना तय, उपभोक्ता परिषद पीछे हटने वाला नहीं

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 42 जनपदों के निजीकरण के मसौदे को तैयार करने वाले कंसलटेंट ग्रांट थ्रोनटन को पावर कारपोरेशन ने जहां झूठा शपथ पत्र देने के लिए नोटिस दिया वही ग्रांट थ्रोनटन ने अपने टेंडर में दाखिल शपथ पत्र में या कहा था की उसके खिलापफपिछले 3 सालों मैं कोई भी पेनल्टी नहीं लगी है। उसका जवाब न देकर यह जवाब दिया कि वर्तमान में उसके ऊपर कोई पेनल्टी नहीं है। दूसरी तरफपावर कॉरपोरेशन द्वारा 3 सितंबर 2022 को यह नियम बनाया गया है की कोई भी फर्म यदि कोई भी झूठा अभिलेख टेंडर में दाखिल करेगी तो उस पर सीधे ब्लैक लिस्टिंग की कार्यवाही की जाएगी। जिसकी न्यूनतम अवधि 2 साल और अधिकतम 5 साल के बीच होगी।

ब्लैक लिस्टिंग करने के लिए पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष अंतिम निर्णय हेतु अधिकृत होंगे। ऐसे में अब पावर कारपोरेशन के पास इस कंसलटेंट कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने के अलावा कोई दूसरा चारा नहीं बचता। इसी को डाइवर्ट करने के लिए मामले को छिपाने के लिए उस दिन 5 सितारा होटल में मुख्य सचिव द्वारा डरेंगे नहीं हटेंगे नहीं का बयान जारी किया गया था। उपभोक्ता परिषद के अनुसार इसे कहते हैं मामले पर पर्दा डालना और चोरी पर सीना जोड़ी, जो पूरी तरह असंवैधानिक है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा वर्तमान में उत्तर प्रदेश में निजीकरण का मसौदा पूरी तरीके से उलझ गया है। भले एक तरफ मुख्य सचिव उद्योगपतियों को यह कह रहे हैं कि वह बिना डरे टेंडर में भाग ले। यह बाते वह केवल बौखलाहट में कहीं जा रही बातें हैं। उसका मुख्य कारण यह है कि निजीकरण का मसौदा तैयार करने वाली ग्रांट थ्रोनटन कंपनी पूरी तरह फस गई है। अब उसे देर सबेर पावर कारपोरेशन को ब्लैक लिस्ट करना पड़ेगा। ब्लैक लिस्ट की कार्रवाई करने के बाद पावर कारपोरेशन के पास कोई कंसलटेंट निजीकरण का मसौदा तैयार करने अब नहीं आने वाला यह भी लगभग तय है।उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आज इस मामले पर फिर एक बार पावर कारपोरेशन के टेंडर मूल्यांकन कमेटी से बात की उनके द्वारा या आश्वासन दिया गया कि जवाब प्राप्त हो गया है इसका परीक्षण करने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

पावर सेक्टर को सार्वजनिक क्षेत्र बनाए रखना ही अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने कहा है कि डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि बिजली उद्योग को सार्वजनिक क्षेत्र में बनाए रखा जाए। संघर्ष समिति ने कहा कि विकसित भारत के लिए सार्वजनिक क्षेत्र बेहद जरूरी है, अतः निजीकरण का निर्णय निरस्त किया जाए।

आज डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती पर संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि जब भारत का संविधान नहीं बना था तब दूरदर्शी डॉक्टर अंबेडकर ने इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई एक्ट 1948 बना दिया था। इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई एक्ट 1948 के तहत ही विभिन्न प्रांतो में राज्य बिजली बोर्ड का गठन किया गया और देशभर में चल रही तमाम निजी कंपनियों को सार्वजनिक क्षेत्र में राज्य बिजली बोर्डों

ने टेक ओवर किया। संघर्ष समिति ने कहा कि राज्य बिजली बोर्ड के बनने के बाद ही गरीबों तक और ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों तक बिजली पहुंचाना संभव हो सका। यह सरकारी क्षेत्र के पावर कॉरपोरेशन ही है जो किसानों को मुफ्त या सस्ती बिजली दे रहे हैं और आम घरेलू उपभोक्ताओं को खासकर गरीबों को बहुत कम दाम पर बिजली की आपूर्ति कर रहे हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि घाटा उठाकर किसानों और आम गरीब उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति करने का काम निजी घराने कभी नहीं करेंगे। निजीकरण न रोका गया तो आम गरीब बिजली उपभोक्ता और किसान लालटेन के युग में चले जाएंगे।

संघर्ष समिति ने कहा कि उत्तर प्रदेश के जिन 42 जनपदों का निजीकरण हो रहा है उन जनपदों में अधिकांश आबादी किसानों की और गरीबों की है। संघर्ष समिति ने कहा कि गरीबों और किसानों को सस्ती बिजली दिए बिना विकसित भारत की कल्पना तक नहीं की जा सकती। संघर्ष समिति ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्य की बात है कि संविधान दिवस के एक दिन पहले 25 नवंबर को पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने अचानक उत्तर प्रदेश के 42 जनपदों के विद्युत वितरण के निजीकरण का ऐलान किया। यह और दुर्भाग्य की बात है कि डॉक्टर अंबेडकर की जन्म जयंती के 2 दिन पहले लखनऊ के पांच सितारा होटल में निजी घरानों की मीटिंग बुलाकर मुख्य सचिव द्वारा यह कहा गया कि डरने की कोई जरूरत नहीं है, न ही दबाव में आने की जरूरत है। बहुत तीव्र गति से बिजली का निजीकरण किया जाए।संघर्ष समिति ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के सपनों के अनुरूप उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मी निजीकरण के विरोध में अपना संघर्ष जारी रखेंगे और यह संघर्ष तब तक चलेगा जब तक निजीकरण का निर्णय वापस नहीं लिया जाता।

स्मारक भीम गीत से गूँजा, दस कुंतल भोजन, फल, मिष्ठान वितरण : आरक्षण बचाओ संघर्ष में उत्तर प्रदेश के तत्व ज्ञान में 13 अप्रैल से शुरू होकर आज 14 अप्रैल बाबा साहब की 135वीं जयंती पूरे प्रदेश में 8 लाख आरक्षण समर्थक कार्मिकों ने धूमधाम से मनाया। सभी विभागों के संयोजक मंडल द्वारा प्रातः 9 बजे बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्मारक गेट नंबर 1 के सामने एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति संयोजक मंडल ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद बाबा साहब द्वारा बनाई गई संवैधानिक व्यवस्था के प्रति दृढ़ संकल्पित होकर उनके बताए हुए रास्ते पर चलने पर जोर दिया। आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति की और से सुबह 10 बजे से ही 10 कुंतल फलदान भोजन दान व मिष्ठान का वितरण लगातार किया जाता रहा। गर्मी को देखते हुए पानी की बोतल भी बांटी जाती रही जिससे किसी को कोई दिक्कत ना हो। सभी आरक्षण समर्थक कार्मिकों ने पूरे प्रदेश में आरक्षण को बचाने का संकल्प लिया और कहा किसी भी हालत में निजीकरण नहीं होने देंगे क्योंकि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने हमेशा से ही कहा था बिजली विभाग हमेशा सरकारी क्षेत्र में रहना चाहिए।

ऐसे में बिजली विभाग के निजीकरण पर भी आरक्षण समर्थकों का पूरे प्रदेश में फूटा गुस्सा कहा आरक्षण को समाप्त करने के लिए निजीकरण किया जा रहा है जिससे बाबा साहब की संवैधानिक व्यवस्था खत्म हो या वर्तमान सरकार द्वारा बाबा साहब के विचारों पर करारा हमला है। आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के संयोजक अवधेश कुमार वर्मा, डॉ रामसबद जैसवारा, के बी राम, आर पी केन, अनिल कुमार, श्यामलाल, एसपी सिंह, मनोज सोनकर, अजय कुमार, पीएम प्रभाकर, लेख राम, बिंदा प्रसाद, सुशील कुमार वर्मा, वेद प्रकाश, हरिचंद वर्मा, बनी सिंह, एक प्रभाकर, दिनेश कुमार, देवेंद्र पचोरिया ने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर साहब की जयंती के अवसर पर पूरे प्रदेश की आरक्षण समर्थक कार्मिकों में भारी उत्साह है सब एक दूसरे को बधाई दे रहे हैं और मिष्ठान वितरण करके एकजुट होकर बाबा साहब के करवा को आगे बढ़ने का संकल्प ले रहे हैं। जिससे बाबा साहब की बनाई गई संवैधानिक व्यवस्था हमेशा सुरक्षित रहे और देश अखंड होकर बाबा साहब की संवैधानिक व्यवस्था पर मजबूत बना रहे। 2 दिन से लगातार चल रहे कार्यक्रम में प्रसिद्ध भीम गीत गायक विशाल गाजीपूरी व सपना बौद्ध ने देर रात तक पूरे अंबेडकर स्मारक को भीम में कर दिया लोग उत्साह से झूमते नाचते रहे और बाबा साहब के जन्मदिन पर एक दूसरे को बधाइयां देते रहे।

संक्षिप्त समाचार

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर एसआई ने किया माल्यार्पण, संविधान के मार्ग पर चलने का आह्वान

रायबरेली, चसं। हरचंदपुर स्थित प्यारेपुर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सब इंस्पेक्टर राहुल पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में पहुँचे विकास खंड अधीन ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब ने देश को संविधान का मार्ग दिखाया। यह मार्ग देश की प्रगति का मजबूत माध्यम बना। उन्होंने लोगों से बाबा साहेब के बताए रास्ते पर चलने का आग्रह किया। साथ ही संविधान में दिए गए अधिकारों और कर्तव्यों का सम्मान करने की अपील की। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। दलित समाज के प्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में भागीदारी की। मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बाबा साहेब के जीवन पर आधारित वक्तव्यों ने कार्यक्रम को प्रेरणादायक बना दिया।

बाबा साहब महिलाओं अछूतों एवं संपूर्ण कमेरा समाज के भगवान : लक्ष्मीकांत रावत

बछरांवा रायबरेली, चसं। अपना दल एस विधानसभा बछरावां ने संविधान निर्माता महामना बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के 134 वे जयंती समारोह में विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसके आयोजक अपना दल एस जनपद रायबरेली के जिला महासचिव एडवोकेट विजय चौधरी और जिला उपाध्यक्ष आकाश पटेल एवं विधानसभा अध्यक्ष पारथ द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव अनुसूचित मंच एवं बछरावां विधानसभा के पूर्व अपना दल एस के प्रत्याशी लक्ष्मीकांत रावत ने कहा कि बाबा साहब हम अछूतों के भगवान हैं उन्होंने हम लोगों को शिक्षा का एवं समानता का अधिकार देकर हमें उस स्थान पर पहुंचा दिया है जहां पर हम लोग सोच भी नहीं सकते थे। बाबा साहेब के बनाये हुए संविधान से ही आज मानव में मानवता का विकास संपूर्ण समाज में एक जैसा हो गया है यह महामानव हम लोगों के लिए हमारे भगवान हैं । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला महासचिव एडवोकेट विजय चौधरी जी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी का जीवन सदैव संघर्षों में बीता उन्होंने दलित एवं पिछड़े वर्ग के लिए अनेकों कष्ट सहकर भी संविधान में उनके लिए ऐसी व्यवस्था छोड़ गए कि आज हम लोग एक साथ खड़े होकर के खान-पान कर सकते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपना दल एस के विधानसभा अध्यक्ष बछरावां पारथ द्विवेदी जी ने संविधान निर्माता बाबा साहब को नमन करते हुए कहा कि संविधान की किताब, वह किताब है जिसमें हर मानव बराबर है हम लोग संविधान का पूरी तरह से सम्मान करते हैं । कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष आकाश पटेल जी, विधि मंच के अध्यक्ष अमित चौधरी , विधानसभा अध्यक्ष पंचायत मंच नीरज कुमार गौतम , विधानसभा अध्यक्ष श्रमिक मंच बी रावत ,विधानसभा उपाध्यक्ष युवा मंच मनीष श्रीवास्तव , विधानसभा उपाध्यक्ष ऋतिक पटेल ,संगीत पटेल , अनुपम द्विवेदी , लकी चौधरी , शिवम , विनायक पटेल , अभिनव रावत , प्रदुम रावत , राजेश , हरगोविंद शर्मा ,राजेश पटेल आदि पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके पूर्व कन्नावा गांव सभा के वरिष्ठ एवं सम्मानित जनप्रतिनिधियों को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया।

सपा विधायक ने क्षेत्र भ्रमण कर दी अम्बेडकर जयंती की शुभकामनाएं, युवक नीरज कुमार के निधन पर जताया शोक

शिवगढ़,रायबरेली, चसं। भारतीय संविधान के जनक बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती पर क्षेत्रीय सपा विधायक श्याम सुन्दर भारती ने क्षेत्र के बेड़ारु, भवानीगढ़, निहाल खेड़ा, लालगंज, देहली सहित गांवो में पहुंचकर अम्बेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अम्बेडकर जयंती पर उन्होंने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्षो से भरा रहा किन्तु उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी। जिन्होंने भारतीय संविधान का निर्माण करके समाज के शोषित, वंचित, दबे, कुचलों सभी को जीने का अधिकार दिलाया। आज हर किसी को वोट देने का समानता का अधिकार है यह बाबा साहब की देन है। महिलाओं को शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार है यह बाबा साहब की देन है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने कहा था शिक्षित बनो, संगठित रहो और आगे बढ़ो आज उनकी जयन्ती पर उनके आदर्शों, सिद्धांतों पर चलने एवं उनके विचारों को आत्म आत्मसात करने का संकल्प लेने की जरूरत है। गूढ़ा में आरवी ट्रेडर्स के मालिक मनोज रावत, मोहित विक्रम, श्रवण कुमार आदि लोगों से मिलकर उन्हें अम्बेडकर जयंती की शुभकामनाएं दी। तथा कोइली खेड़ा मजरे गूढ़ा के रहने वाले नीरज कुमार के निधन पर शोक जताया। ज्ञात होगी 29 वर्षीय नीरज कुमार की लखनऊ में शनिवार की देर रात में विद्युत करंट से मौत हो गई थी।

शिवली में हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई अम्बेडकर जयन्ती

शिवगढ़,रायबरेली, चसं। भारतीय संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई गौरतलब हो कि सोमवार को सुबह 11 बजे नगर पंचायत शिवगढ़ के शिवली में स्थित शीतला माता मंदिर प्रांगण में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती गाडगे समाज के लोगों हर्षोल्लास पूर्वक मनाई। इस अवसर पर सभासद उमेश गौतम,गाडगे समाज के (रामसुख,रामसेवक,राम मिलन कनौजिया,दिलीप चौधरी राजेश कनौजिया,विजय कनौजिया (एडवोकेट),तुलसी राम,संतोष कनौजिया,राहुल चौधरी) पिंटू भदौरिया,रंजीत सिंह,रामसजीवन उर्फ पप्पू लोधी एवं छोटे छोटे बच्चों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। सभासद उमेश गौतम ने बाबा साहेब के विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा समाज के विकास और उन्नति का सबसे महत्वपूर्ण साधन है।शिक्षा से ही व्यक्ति को अपना सही रास्ता मिल सकता है और वह समाज में अपना उचित स्थान पा सकता है। उन्होंने शिक्षा को %शेरनी का दूध% कहा था, जिसका अर्थ है कि जो इसे पीता है,वह दहाड़ता है, यानी मजबूत और जागरूक बनता है।इस अवसर पर चंदन पाण्डेय(एडवोकेट),रामदुलारे,बउवा,मनोज कनौजिया,विकास चौधरी,सुमित कनौजिया,सचिन कनौजिया, अनंत, ऋषभ, आदित्य, समर, सूर्यांश, नैतिक,अभय सहित गाडगे समाज के लोग मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल वृद्ध की मौत, मचा कोहराम

शिवगढ़,रायबरेली, चसं। सड़क हादसे में घायल वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई, सोमवार की शाम थाना क्षेत्र के शिवग? कस्बे में जिसका शव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जिसका नगर पंचायत में अंतिम संस्कार किया गया। गौरतलब हो कि थाना क्षेत्र के शिवग? कस्बे में बीते रविवार की निधान खेड़ा मोड़ के पास एक बाइक सवार ने पैदल जा रहे 70 वर्षीय वृद्ध गोपाल दास पुत्र लल्लाराम निवासी सी 64 गणेश नगर, पांडव नगर काम्प्लेक्स पांडव नगर शकरपुर पूर्वी दिल्ली को जोरदार टक्कर मार दी। मृतक शिवग? का रहने वाला था जो दिल्ली में रहकर एक कम्पनी में नौकरी करता था। मृतक छुट्टी लेकर घर आया था। जो ऑनलाइन टिकट रिजर्वेशन कराने के लिए शिवगढ़ कस्बा स्थित एक दुकान पर गया था जहां से वापस घर लौट रहा था तभी बाइक सवार ने बाइक से उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वृद्ध गम्भीर रूप से घायल हो गया था। जिसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ ले जाया गया था। जहाँ चिकित्सक ने प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण के पश्चात रेफर कर दिया था। रविवार इतनी देर रात लगभग 11:30 बजे वृद्ध की इलाज के दौरान लखनऊ में मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम के बाद सोमवार की शाम मृतक का शव शिवगढ़ पहुंचते ही परिजनों में कोहराम गया। वृद्ध की मौत से उसके बेटे संजय साहू, बहु अंशू साहू कर रो-रोकर बुरा हाल है। जिसका शिवगढ़ में अंतिम संस्कार किया गया। मृतक की बहू अंशू पत्नी संजय साहू की तहरीर पर पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। थाना प्रभारी विन्ध्य विनय ने बताया मृतक की बहू की तहरीर पर बाइक चालक महेंद्र शर्मा के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है, मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

महिला यात्री का पर्स चोरी करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ, चसं। थाना जीआरपी पीलीभीत द्वारा ट्रेन से महिला यात्री का हैण्ड पर्स को चोरी करने वाला एक अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से एक मोबाइल, चार्जर व अन्य सामान बरामद। निवासी ग्राम जमनहिया थाना मितौली जिला लखीमपुर की तहरीर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 04/25 धारा 303(2) बीएनएस बनाम अज्ञात का मुखविर की सूचना पर सफल अनावरण करते हुए रेलवे स्टेशन पीलीभीत के प्लेटफार्म नं0 1 पर झाडियों के पास से अभियुक्त रोशन उर्फ गुजराती पुत्र श्यामलाल नि0 48, मो0 सराय, निकट रेलवे जं0 बरेली, पंजाबी मार्केट थाना सुभाषनगर जनपद बरेली उम्र करीब 21 वर्ष से अभियोग से सम्बन्धित हैण्ड पर्स व उसमे रखा मोबाइल फोन कम्पनी टच स्क्रीन मॉडल-17 जिसमे सिम जियो कम्पनी, मोबाइल चार्जर व रखा हुआ मैकअप का सामान आदि की शतप्रतिशत बरामदगी करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

संविधान से चलना चाहिए देश : अखिलेश

लखनऊ, चसं। अबेडकर जयंती पर सपा चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर लगी प्रतिमा का माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि संविधान ही हमारा रक्षक है।समाज के निचले और कमजोर तबके की रक्षा संविधान ही करेगा। उन्होंने कहा, बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने बचपन से ही भेदभाव झेला है। उन्होंने समाज में दलितों को लेकर जो भाव रहा है उसका सामना किया है। बड़ी प्रतिकूल स्थितियों में अपने जीवन को आकार दिया। संविधान हमारी जीवन की संजीवनी है। आज भी समाज के एक हिस्से में उनको लेकर नफरत है। प्रदेश में कई जगहों पर आंबेडकर की प्रतिमाएं तोड़ी जाती हैं। यह संकेत है कि कुछ राजनीतिक दलों को वह स्वीकार्य नहीं हैं। सोचे और समझे तरीके से संविधान को कमजोर करने की कोशिश है।

आज होगा 'पद्मजा कला संस्थान' का वार्षिकोत्सव

लखनऊ, चसं। अंतरराष्ट्रीय कथक नृत्यांगना डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव की सांस्कृतिक संस्था पद्मजा कला संस्थान का वार्षिकोत्सव, मंगलवार 15 अप्रैल को गोमती नगर स्थित उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह में आयोजित किया जा रहा है। शाम 6.30 बजे होने वाले इस भव्य समारोह में कथक गुरु डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव के 70 से अधिक शिष्यों की कथक प्रस्तुतियां होंगी। वार्षिकोत्सव में चार वर्ष की आयु से लेकर 50 वर्ष तक के शिष्य कथक नृत्य के विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करेगें। इसके साथ ही विकास मिश्रा के मार्गदर्शन में तबले की शिक्षा ले रहे शिष्यों की भी प्रस्तुतियां होंगी। समारोह के प्रथम चरण में विभिन्न विधाओं के प्रसिद्ध कलाकारों को सम्मानित भी किया जाएगा। इसमें कथक के क्षेत्र में पंडित अनुज मिश्रा, भरतनाट्यम के क्षेत्र में सय्यद शमसुर रहमान, गायन के क्षेत्र में बृजेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, तबला के क्षेत्र में अरुण भट्ट, रंगमंच के क्षेत्र में पुनीत अस्थाना और लेखन एवं समाज सेवा के क्षेत्र में सरोज अग्रवाल का सम्मान किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में संत कबीर के भजन पर आधारित कथक प्रस्तुति से लेकर कृष्ण लीला तक देखने को मिलेगी। पारंपरिक कथक के साथ-साथ सृजन में नवीन प्रयोगों को भी पेश किया जाएगा। दूसरी ओर बाल कलाकार मास्टर अर्थव, शास्त्रीय गायन भी सुनाएंगे वहीं बेंगलुरु से आई श्रीमती रुचि दोषी, कृष्ण की छवि को मधुराष्ट्रकम के माध्यम से पेश करेंगी। पद्मजा कला संस्थान के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव के अनुसार इस अवसर पर समारोह की मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. विद्या बिंदु सिंह होंगी वहीं विशिष्ट अतिथियों में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की पूर्व अध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय और बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष डॉ. कुमकुम धर को आमंत्रित किया गया है।

84 कोसी परिक्रमा मार्ग के लिए भूमि अधिग्रहण तेज

लखनऊ, चसं। बाराबंकी जनपद के रामसनेहीघाट तहसील क्षेत्र से निकल रहे 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के लिए भूमि अधिग्रहण हो रहा है। किसानों को मुआवजा भेजने के लिए उनके खाते को भी फीड करने का काम तेजी से हो रहा है। करीब 500 गाटा संख्या के हजारों किसानों को मुआवजा की राशि खाते में भेजी जा चुकी है।किसानों की भूमि के साथ ही उसमें बने मकान, दुकान व पेड़ आदि का अभी सर्वे नहीं हुआ। सर्वे होने पर किसानों को फिर से धनराशि भेजी जाएगी। अभी 18 गांवों के 2087 गाटा के हजारों किसानों को उनकी जमीन के लिए 77 करोड़ मुआवजा मिलना है। धनराशि भेजने के लिए किसानों के बैंक खातों की फीडिंग की जा रही है। तहसील के 18 गांव का 19.240 किमी लंबा क्षेत्र विकसित करने के साथ घाघरा नदी पर दो बड़े व तीन छोटे पुल बनेंगे। कमियार के पास मूर्तिहन घाट पर सरयू नदी पर 4.4 किमी लंबा पुल बनेगा। अब तक 15 गांव की 82 एकड़ हेक्टेयर भूमिअधिग्रहीत हुई है। प्रदेश के खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री और क्षेत्रीय विधायक सतीश शर्मा ने बताया कि 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण से युवा किसान नौजवान मजदूर व्यापारी सभी को लाभ होगा। बचे हुए किसानों के खातों को फीड कर जल्द सभी को धनराशि देने के निर्देश दिए गए हैं। वही एसडीएम रामसनेही घाट अनुराग सिंह के मुताबिक विभाग के कर्मचारी किसानों के खाते को फीड कर रहे है। धनराशि भेजने का काम जारी है। जिंदल ग्रुप के सुपरवाइजर श्रीकांत तिवारी बताते हैं कि जिले में 77 करोड़ रुपये आवंटन के लिए मिले थे। करीब 57 करोड़ धनराशि अब तक किसानों के खाते में भुगतान किया गया है। करीब 500 गाटा के किसानों का खाता फीड कर बाकी 20 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जाएगा।परिक्रमा मार्ग में जुड़ने वाले गांव बरहुवा, गुलचप्पा कला, पूरे कामगार, अलियाबाद, बेलहरी, सेमरी, रानीमऊ, सिकरी जीवल, सरई सैफ पूरेडलई, फत्तापुर कला, चांदामऊ, बादशाह नगर, बेलखरा महफूज, बेलखरा सैलाव, उमराहरा, कमियार व बसंतपुर का सर्वे कराया जा रहा है। 231.15 किलोमीटर प्रस्तावित 84 कोसी परिक्रमा मार्ग को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग 227 बी घोषित किया है।

अंबेडकर प्रतिमा का अनावरण व नगर पालिका परिषद कार्यालय का लोकार्पण

गिरछा चौराहा अब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम से जाना जायेगा : केशव

चर्चित राजनीति। विशेष संवाददाता

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को डा.भीमराव अंबेडकर की जयन्ती के अवसर पर कौशाम्बी के रसूलपुर, गिरछा चौराहा, में भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया।

उपमुख्यमंत्री के द्वारा वार्ड 14, सोहाद नगर नवीपुर रोही बाईपास, भरवारी में नवनिर्मित नगर पालिका परिषद भरवारी कार्यालय का लोकार्पण फीता काटकर किया। इस अवसर पर उपस्थित जन समुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि मै भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयन्ती पर उनको शत-शत नमन करता हूँ, इसी के साथ मै यह घोषणा करता हूँ कि गिरछा चौराहा और यह नवनिर्मित नगर पालिका परिषद भरवारी कार्यालय अब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम से जाना जायेंगा। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का सपना था कि गरीबों,वन्चितों को बराबर का समाज में जीने का हक मिलें। आज हमारी सरकार उनके सपने को सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र के साथ पूरा कर रही है। बाबा साहब को असली सम्मान इस सरकार में मिला है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री समर्पित होकर गरीबों का कल्याण कर रहे हैं। बाबा साहब का सपना था कि समुदाय शिक्षित हो, यह सरकार शिक्षा पर विशेष जोर दे रही है। आज डबल इंजन की सरकार में सभी गरीबों को पक्का घर देने का काम किया जा रहा है। बाबा साहब का जीवन बहुत संघर्षों में बीता है, वे पूरा जीवन गरीबों एवं वन्चितों को मुख्य धारा से जोडने का कार्य करते रहे। इनके सपनों के साकार करने के लिए प्रधानमंत्री ने कई योजनाएं चलाकर उससे गरीबों व वन्चितों को लाभान्वित कर कई करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने का काम किया है। बाबा साहब चाहते थे कि कोई भी गरीब भूखा न रहे ,उनके सपने को अगर किसी ने सच में साकार किया है तो वे है हमारे प्रधानमंत्री, जिन्होंने निःशुल्क राशन, पक्का मकान, शौचालय, गैस एवं निःशुल्क इलाज देकर गरीबी को खत्म करने एवं गरीबों को मुख्य धारा से जोडने का काम किया।

आज हर घर नल से जल का पहुँचाने का काम किया, साथ ही हर घर के अधेरे को खत्म कर विद्युत देने का काम किया है। हमारी सरकार आज पारदर्शिता से कार्य करते हुए सीधे उनके खाते में पैसा दे रही है। आज पूरी इमानदारी के साथ भर्तिया की जा रही है। उन्होंने कहा कि आपको वोट देने का अधिकार बाबा साहब के लिखे हुए संविधान से ही मिला है। आज हम सभी वादा करें कि बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेकर देश को आगे बढायेगें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव आम्बेडकर के जीवनदर्शन, आदर्श एवं व्यक्तित्व से बहुत कुछ सीखने को मिलता है, हम सभी लोगों को उनके जीवन आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। डॉ भीमराव आम्बेडकर ने बहुत ही विषम परिस्थितियां में शिक्षा ग्रहण की, उनके द्वारा लिखित पुस्तको के अध्ययन से पता चलता है कि उनके सोंचने का नजरिया अद्वितीय था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद कार्यालय का निर्माण 793.22 लाख की लागत से किया गया है। कौशाम्बी में आज लगातार विकास कार्य किये जा रहे है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों से कहा कि जो भी जनपद में विकास से सम्बन्धित प्रस्ताव हो, हमें दे, उस पर भी जल्द से जल्द कार्य किया जायेंगा ,पैसे की कमी नहीं है।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर, धर्मराज मौर्य, कविता पासी, राज्य महिला आयोग की सदस्या प्रतिभा कुशवाहा, चायल विधायक पूजा पाल, पूर्व सांसद विनोद कुमार सोनकर, पूर्व विधायक लाल बहादुर, पूर्व विधायक संजय कुमार गुप्ता, पूर्व विधायक शीतला प्रसाद उर्फपप्पू पटेल उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री ने नवनिर्मित नगर पालिका परिषद भरवारी में की समीक्षा बैठक : उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नवनिर्मित नगर पालिका परिषद भरवारी के कार्यालय में जनपद के विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

उपमुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति परेशानी लेकर हमारे पास न आए, इसके लिए सभी अधिकारियों के द्वारा ब्लॉक, तहसील स्तर एवं थाने स्तर से ही शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित होना चाहिए, जिससे उन्हें इधर-उधर न भटकना पड़े, इस पर किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सभी जनप्रतिनिधियों का सम्मान करने तथा उनकी बातों को गम्भीरता से सुनते हुए, उनके मामलों पर नियमानुसार शीघ्रता के साथ कार्यवाही करने के लिए कहा है। उपमुख्यमंत्री ने राम वन गमन मार्ग के कार्यों की प्रगति के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि इस कार्य की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कार्य को निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण कराये जाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए है। जनपद में बनाए जा रहे सभी आरओबी 2025 तक बनकर तैयार हो जाये तथा जनता के लिए खुल जाये। उन्होंने जिलाधिकारी को जल जीवन मिशन के तहत बनायी गयी टंकियों की गुणवत्ता की जांच कराने के निर्देश दिए। कहा कि अगर टंकियों की गुणवत्ता में गड़बड़ी पाई जाए तो एफआई आर दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाय।

उपमुख्यमंत्री नेजिलाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि अगर कोई भी अधिकारी कर्मचारी भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाए, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए नियमानुसार सेवामुक्त करने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत गांव में गलियों एवं नालियों का निर्माण इस तरीके से किया जाए, जिससे जल निकासी की व्यवस्था बनी रहें। चक मार्गों के निर्धारण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। गलत विद्युत बिलिंग की शिकायत पर अधिशासी अभियन्ता विद्युत को ऐसे प्रकरणों पर लापरवाह विद्युत कर्मियों पर कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है।

जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अगर कोई प्रस्ताव आए तो उन्हें तुरंत शासन को प्रेषित किया जाए, राम वन गमन मार्ग पर हो रहे सड़क निर्माण कार्यों से धूल उड़ने की शिकायत पर कहा कि ऐसी जगहों पर लगातार पानी का छिड़काव किया जाए। जनपद में आवास योजनाओं में गड़बड़ियों की शिकायत प्राप्त हो रही है, इस पर जिलाधिकारी को जॉच कर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के लिए कहा है।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधि जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी, पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा, बसपा, कांग्रेस ये सभी बाबा साहब की दुश्मन पार्टियां हैं : डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य आज अपने गृह जनपद कौशाम्बी पहुंचे। नगरपालिका परिषद भरवारी स्थित गेरसा चौराहा पर भारत रत्न से सम्मानित बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जयंती के मौके पर बाबा साहब की नव निर्मित मूर्ति का अनावरण करते हुए बाबा साहब अमर रहें के नारे लगाए गए। वहीं मीडिया से बात करते हुए सपा और कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा की ये सभी पार्टियां बाबा साहब की दुश्मन पार्टीयां हैं। जिनके लिए जो करना वह कुछ भी नहीं किया। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा की बाबा साहब ने जो कहा है सबके लिए कहा है कि शिक्षित बनो, संगठित बनो अपने हक और अधिकार की बात करो।

अम्बेडकर का पूरा जीवन ही एक सन्देश है : केशव

लखनऊ, चसं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भारत रत्न बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर बाबा साहब अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा डा आंबेडकर का पूरा जीवन ही एक संदेश है। समाज के कमजोर वर्गों के शैक्षिक व सामाजिक उत्थान में बाबा साहब आंबेडकर का बहुत बड़ा योगदान रहा । उनके आदर्श व उनका जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है। हम सबको उनके जीवन दर्शन से न केवल प्रेरणा लेनी चाहिए बल्कि आत्मसात भी करना चाहिए ।श्री मौर्य ने कहा कि भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास-सबका प्रयास और सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ बाबा साहब के सपनों को साकार करने की दिशा में कार्य कर रही है।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भाजपा द्वारा बूथ स्तर पर भंडारे व मिष्ठान वितरण कार्यक्रम का आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर द्वारा भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर बूथ स्तर पर पुष्पांजलि, भंडारे एवं मिष्ठान वितरण कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने विधायक ओपी श्रीवास्तव के साथ महानगर स्थित शुभम गेस्ट हाउस में विवेकानंद पुरी वार्ड में बूथ संख्या 292 पर आयोजित कार्यक्रम में बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उसके उपरांत बूथ समिति कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।मंडल अध्यक्ष रीना चौरसिया, बूथ अध्यक्ष अजय पांडे व शक्ति केंद्र संयोजक संदीप श्रीवास्तव बैठक में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके रास्ते पर चलने का आवाहन किया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि हमारी पार्टी का निरंतर प्रयास है कि समाज में सबको बराबर का दर्जा मिले अंतिम पंक्ति तक बैठे अंतिम व्यक्ति को उसका हक मिले। भारतीय जनता पार्टी खाने में नहीं करके दिखाने में विश्वास रखती है और हमने करके दिखाया भी है। बूथ स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों और अभियानों के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता समाज के लोगों को बाबा साहब की विचारधारा के अनुसार कार्य करने की प्रेरणा देता है। साथ ही भ्रम फैलाने वाले विपक्षी दलों के लोगों से सचेत रहने के लिए भी जागरूक कर रहे हैं। प्रातः भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह और लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने लखनऊ मध्य विधानसभा यहियागंज, मंडल 3 बूथ संख्या 76 में भीमनगर पार्क में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मध्य उपविजेता रजनीश गुप्ता के साथ और एमएलसी मुकेश शर्मा ने गोमती नगर विस्तार में आयोजित कार्यक्रमों में पुष्पांजलि अर्पित की और भंडारे में क्षेत्रवासियों को प्रसाद और मिष्ठान वितरित किया। भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने कहा कि 14 अप्रैल को हम उस महान विभूति की जयंती मनाते हैं, जिन्होंने 251 पन्नों और 1.5 लाख शब्दों का भारत का संविधान लिखा। भारत की सामाजिक, राजनीतिक और विधिक नींव को न केवल मज़बूती दी, बल्कि उसे मानवाधिकार और समता की भावना से सिंचित भी किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर जिन्हें स्नेह और श्रद्धा से बाबा साहेब कहा जाता है।

सिर्फ भारत के संविधान निर्माता नहीं थे, बल्कि एक युगप्रवर्तक चिंतक, समाज सुधारक, शिक्षाविद और दलितों के मसीहा भी थे। उनके योगदान से अभिभूत होकर सरकार ने बाबा साहेब को भारत रत्न से नवाजा। लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी जयंती पर 110 वार्ड, मंडलों पर जनप्रतिनिधि द्वारा प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर मिष्ठान वितरित किया गया । उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने संविधान में समता, स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता, न्याय और बंधुत्व जैसे मूलभूत सिद्धांतों को शामिल कर भारत को एक समावेशी राष्ट्र का स्वरूप दिया। उन्होंने संविधान सभा में कहा था–हमारा संविधान केवल शासन की विधि नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का दस्तावेज है। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि इस कार्यक्रमों में रमेश तूफानी, त्रिलोक सिंह अधिकारी,धनश्याम दास अग्रवाल, सौरभ वाल्मीकि,विजय भुर्जी, अभिषेक खरे, मधुबाला त्रिपाठी,नरेंद्र शर्मा, राजीव बाजपेई, अजय सोनकर, प्रशांत जायसवाल, मनोज गुप्ता, अनुराग साहू आदि उपस्थित रहे।

भू-माफियाओं को संरक्षण देने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- मंडलायुक्त द्वारा ग्राम सभा सेवई में सरकारी भूमि पर किये गए अवैध कब्जा व अवैध प्लॉटिंग का निरीक्षण किया

लखनऊ। सरकारी जमीनों पर से अवैध कब्जों को मुक्त कराने व अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ कार्यवाही का जायजा लेने मंण्डलायुक्त डॉ रोशन जैकब पहुंची तहसील सरोजनी नगर के ग्राम सभा- सेवई व ग्राम सभा-नूरनगर भादरसा उन्होंने कब्जा किए गए संपूर्ण एरिया का स्थलीय निरीक्षण किया। मंडलायुक्त द्वारा ग्राम सभा सेवई में सरकारी भूमि पर किये गए अवैध कब्जा व अवैध प्लॉटिंग का निरीक्षण किया।

उन्होंने प्रॉपर्टी डीलर नागेंद्र यादव व जय प्रकाश यादव द्वारा ग्राम सेवाई में सरकारी भूमि के गाटा संख्या 525 ,528 पर अवैध रूप से कब्जा करके उक्त भूमि पर प्लाटिंग करने की जानकारी मिलने पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराते हुए उक्त सरकारी भूमि से कब्जा मुक्त कराये जाने के निर्देश दिए। सरकारी भूमि से अवैध कब्जा मुक्त कराने में उपजिलाधिकारी सरोजनी नगर व नगर निगम तहसीलदार अरविंद पांडेय द्वारा लापरवाही व शिथिलता बरतने पर उनके खिलाफ आरोप पत्र जारी करने के निर्देश। मंडलायुक्त द्वारा ग्राम सभा नूरनगर के निरीक्षण के दौरान बलराम यादव द्वारा अवैध कब्जा करके प्लाटिंग व अवैध निर्माण कर लिया गया है। जिसको लेकर एफआईआर दर्ज कराने व उक्त भूमि को कब्जा मुक्त कराने के निर्देश संबंधित को दिए। मंण्डलायुक्त ने कहा कि सार्वजनिक भूमि पर किये गये अवैध कब्जों के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के लिए राजस्व व नगर निगम की संयुक्त टीम गठित की गयी है। जो कि जनपद के समस्त क्षेत्र की सरकारी भूमियों की पैमाइश, जीएस मैपिंग व जीरो टेगिंग कराया जा रहा है। उन्होंने उप जिलाधिकारी को भू-माफियाओं के द्वारा अवैध रूप से कब्जा की गयी जमीन के विरूद्ध की गयी शिकायतों को भी प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। उसके बाद मंडलायुक्त ने कहा कि सरकारी भूमि पर जिन दबंग भूमाफिया द्वारा अवैध रूप से प्लाटिंग व बाउंड्री कर लिए गया है। उनका तत्काल ध्वस्तीकरण कराया जाना सुनिश्चित किया जाये।

एकेटीयू में बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की मनाई गई जयंती

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में सोमवार को प्रो. जे पी पाण्डेय के निर्देशन में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक और कर्मचारियों ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर उन्हें याद करते हुए देश के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। बाबा साहब को श्रद्धांजलि देते हुए प्रति कुलपति प्रो. राजीव कुमार ने कहा कि बाबा साहब का पूरा जीवन सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने जिस तरह विपरीत परिस्थितियों में आगे बढ़ते हुए अपना योगदान दिया वह युवाओं के लिए किसी दर्शन से कम नहीं है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओ पी सिंह ने कहा की बाबा साहब द्वारा निर्मित भारत का संविधान इतना जनकल्याणकारी है कि उसका अनुपालन कर समाज के सभी वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा की जा सकती है और राष्ट्र को निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रखा जा सकता है। संविधान में सभी के हितों का समुचित ध्यान रखा गया है। संविधान ही भारत को पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक एक सूत्र में जोड़ता है। कार्यक्रम में छात्र हर्ष पांडे, नमन कुमार, अखिलेश कुमार, सोनल पांडे ने भी बाबा साहब के जीवन और दर्शन पर विचार व्यक्त किया. कार्यक्रम का संयोजन सहायक कुलसचिव सौरभ सिंह ने किया।

उत्कृष्ट शिक्षा की वजह से शीर्ष पर है नवोदय विद्यालय

लखनऊ, चसं। 'वसुधैव कुटुंबकम्' एवं शिक्षार्थ आइए, सेवार्थ जाइए की भावना से प्रेरित नवोदय विद्यालय नित नए आयाम रच रहे हैं।'नवोदय विद्यालय स्थापना दिवस' समारोह का आयोजन पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय अहमदाबाद में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश से केंद्रीय सिविल सेवाओं में चयनित प्रथम नवोदयन एवं संप्रति उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पीएमजी कृष्ण कुमार यादव ने प्राचार्य आरके दीक्षित संग कार्यक्रम का शुभारंभ किया।पीएमजी यादव ने विद्यार्थियों को वार्षिक खेल पुरस्कार से सम्मानित किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि पीएमजी कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि 13 अप्रैल 1986 को दो नवोदय विद्यालयों से आरंभ हुआ नवोदयी सफर आज 661 तक पहुँच चुका है। नवोदय विद्यालय एक सरकारी संस्थान होने के बावजूद उत्कृष्ट शिक्षा व बेहतर परीक्षा परिणामों की वजह से आज शीर्ष पर है। श्वसुधैव कुटुंबकम् एवं शिशक्षार्थ आइए, सेवार्थ जाइएश् की भावना से प्रेरित नवोदय में जाति, संप्रदाय, क्षेत्र से परे सिर्फराष्ट्रवाद की भावना है।

इंजीनियर परिवार की एक साथ 5 अर्थियां उठीं

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- बच्ची का शव देख सभी की आंखें हुई नम
- बीते रविवार को लखनऊ के इंजीनियर समेत परिवार के 5 लोगों की जयपुर में सड़क हादसे में हो गयी थी मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को इंजीनियर परिवार के 5 लोगों अर्थियां एक साथ उठीं। यह देख वहां चीख-पुकार मच गई। देवरानी ने शव से लिपटकर चीखते हुए कहा भाभी उठो, श्री आपकी गोद में है। अभी तो छुट्टियों का प्लान बना रही थीं...कहां चली गईं? इसके बाद रोते-रोते गश खाकर गिर पड़ी। रविवार को पूरा परिवार खाटूश्याम दर्शन करने गया था। जयपुर में उनकी कार ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में इंजीनियर अभिषेक, बैंक मैनेजर पत्नी प्रियांशी, 7 माह की बेटी श्री, पिता सत्यप्रकाश और मां रमादेवी की मौत हो गई थी। अभिषेक के बड़े भाई हिमांशु, चाचा चंद्रप्रकाश और अन्य परिजनों ने कांपते हाथों से अर्थी को कंधा दिया। कफन में लिपटी मासूम के शव को देखकर लोग कांप उठे। शवों को रखने के लिए दो गाड़ियां मंगाई गई थीं। एक में पति-पत्नी और दूसरी गाड़ी में मां-बाप के शवों को रखा गया। हिमांशु ने चारों शवों को मुखाग्नि दी। मां की चिता के पास ही श्री के शव को लेकर उसके मामा खड़े थे। मां की चिता से कुछ दूरी पर मासूम श्री के शव को मामा और उसके ताऊ ने दफनाया। रविवार को लखनऊ के इंजीनियर समेत परिवार के 5 लोगों की जयपुर में सड़क हादसे में मौत हो गई। परिवार खाटूश्यामजी जा रहा था। हाईवे पर मनोहरपुरा मोड़ के पास तेज रफ्तार कार सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रेलर सड़क से नीचे जाकर पलट गया। टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए। कार से शवों को बाहर निकालने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे में मरने वालों की पहचान लखनऊ के बालागंज इलाके के रहने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर अभिषेक सिंह (35), उनकी पत्नी प्रियांशी (30), पिता सत्य प्रकाश (60), मां रामा देवी (55) और 6 महीने की बेटी के रूप में हुई थी। प्रियांशी बैंक ऑफ बड़ौदा की गोमतीनगर ब्रांच में मैनेजर थीं। सत्य प्रकाश मल्टीनेशनल कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। बच्ची का नामकरण नहीं हुआ था, घर के लोग उसे श्री कहकर बुलाते थे। हाल में ही बच्ची का मंथली बर्थडे मनाया गया था। पांच शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल था। अभिषेक की भाभी ज्योति, प्रियांशी की तस्वीर को सीने से लगाकर कहती रहीं-भाभी, अभी तो छुट्टियों का प्लान बना रही थीं...कहां चली गई? महिलाएं एक-दूसरे से लिपटकर सिसकती रहीं।

कोई श्री के झूले को पकड़कर रो रहा था, तो कोई रामादेवी की साड़ी को निहारते हुए बुदबुदा रहा था- दीदी, खाटू श्याम के दर्शन की खुशी मनाने जा रही थीं, क्या पता था ये अंतिम यात्रा होगी। हर शख्स एक-दूसरे को ढांढस बंधा रहा था, लेकिन खुद अंदर से टूटा हुआ था।

जेल से भी मजबूत होगी राम मंदिर की दीवार

लखनऊ, चसं। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में मंदिर की सुरक्षा पर विशेष ध्यान है। मंदिर के लिए मजबूत दीवार बनाई जाएगी। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक श्रीराम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा को अभेद्य बनाया जा रहा है। मंदिर की सुरक्षा के लिए 4 किलोमीटर लंबी,अत्याधुनिक तकनीक से युक्त सुरक्षा दीवार का निर्माण शुरू होने जा रहा है। दीवार जेल की दीवारों से भी अधिक मजबूत, ऊंची और हाईटेक होगी। सुरक्षा दीवार में उन्नत तकनीकी सेंसर लगाए जाएंगे जो अवांछित गतिविधि की पहचान कर तत्काल कंट्रोल रूम को अलर्ट भेजेंगे। इस प्रोजेक्ट को इंजीनियर इंडिया लिमिटेड द्वारा पूरा किया जाएगा। 6 माह में कई कार्य समापन की ओर बढ़ेंगे। 18 महीनों में सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। सॉयल टेस्टिंग के साथ इसका निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। तीन आवश्यक परियोजनाओं पर कार्य होगा जिसमें परिसर की बाउंड्री वॉल निर्माण, सुविधा केंद्र की क्षमता दुगनी की जाएगी और पंचवटी ध्यान केंद्र का निर्माण होगा, जो 10 एकड़ भूमि पर साधना स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। सुविधा केंद्र में मिसलेनियस गुड्स के रैक भी बढ़ाए जाएंगे।

हर नागरिक की यह मुख्य जिम्मेदारी है कि वह महसूस करे कि उसका देश स्वतंत्र है और अपने स्वतंत्रता देश की रक्षा करना उसका कर्तव्य है, आपकी भलाई आपके रास्ते में बाधा है, इसलिए अपनी आंखों को गुस्से से लाल होने दें, और अन्याय के साथ मजबूती से लड़ने की कोशिश करें : सरदार वल्लभ भाई पटेल

संपादकीय

बेहाल बुजुर्ग

केरल की गिनती देश के सबसे शिक्षित राज्यों में होती है। लेकिन आज 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फबुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फताले लटके नजर आते हैं। दरअसल, समुद्र तट से लगे इस राज्य में खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ लगी रही है। शिक्षा ने जहां प्रगतिशील सोच दी है, वहीं अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है। यह होड़ हाल के वर्षों में पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा। एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा की वह छांव कहां, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। केरल के कई गांवों में लोग एक दिन हर बुजुर्ग का हाल पूछते हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं। वे चर्च व पंचायतों में बैठकें करते हैं ताकि एक-दूसरे के हाल-चाल जान सकें। निश्चय ही ऐसे वैकल्पिक प्रयासों से सामाजिक सुरक्षा को संबल मिलेगा। बताते हैं कि मार्च माह के अंत में बुजुर्गों के इस एकाकीपन के संकट को महसूस करते हुए केरल सरकार ने एक वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। यह वक्त बताएगा कि लाल-फीताशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कब तक कारगर भूमिका निभाना शुरू करेगा। लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो सहायक ही हो सकता है। देखना होगा कि सरकारी अधिकारी कितनी संवेदनशीलता से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करते हैं। सरकार का दावा है कि यह आयोग एकाकीपन का त्रास झेल रहे बुजुर्गों के अधिकार, कल्याण और पुनर्वास के लिये काम करेगा। निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। लेकिन देखना यह होगा कि भ्रष्टाचार के घुन से खोखली होती व्यवस्था में वरिष्ठ नागरिक आयोग ऐसे संकट का कारगर समाधान उपलब्ध कराने में किस हद तक सफल हो पाता है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता इसमें सहायक बनेगी। नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में युवा भारत बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं। वहीं दूसरी ओर आंध्र प्रदेश में बुजुर्गों की बढ़ती आबादी को देखते हुए चंद्रबाबू नायडू की सरकार एक नया कानून लाने जा रही है। इस कानून के बाद, आंध्र में स्थानीय निकायों का चुनाव वही लोग लड़ पाएंगे, जिनके दो या उससे ज्यादा बच्चे होंगे। इसके साथ ही उन्होंने ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील भी की है। मुख्यमंत्री नायडू ने दक्षिण भारत, खासकर आंध्र प्रदेश में बढ़ती बुजुर्ग आबादी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि चीन, जापान और कई यूरोपीय देशों में भी बुजुर्ग आबादी तेजी से बढ़ रही है।

पहले राष्ट्रीय सहकारी युनिवर्सिटी का महत्व

नई दिल्ली में आयोजित आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत से सहकारी समितियों को एकजुट करने, साझा मंच बनाने, आम चुनौतियों से निपटने और सामूहिक रूप से आगे का रास्ता तय करने में वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी ऐसा ही एक मंच प्रदान करता है - जो संवाद को बढ़ावा देने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और सहकारी समितियों के बीच दक्षिण-दक्षिण सहयोग को मजबूत करने में सक्षम है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ समावेशी, लोकतांत्रिक और सतत विकास सुनिश्चित करते आर्थिक मॉडल की मांग बढ़ रही है, भारत का सहकारी आंदोलन और अब इसका पहला सहकारी यूनिवर्सिटी न केवल प्रेरणा बल्कि दिशा भी प्रदान करता है।

बालासुब्रमण्यम अय्यर

भारत के पहले राष्ट्रीय सहकारी युनिवर्सिटी, त्रिभुवन सहकारी युनिवर्सिटी के लिए विधेयक का संसद में पारित होना भारतीय सहकारी आंदोलन की यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इसका 2025 के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान संपन्न होना इसके महत्व को और बढ़ाता है। जैसा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा, यह युनिवर्सिटी सहकार से समृद्धि के दृष्टिकोण को साकार करने में एक शक्तिशाली माध्यम बनने के लिए तैयार है। भारत दुनिया के सबसे बड़े सहकारी आंदोलन का घर है, जिसमें 800,000 से ज्यादा सहकारी समितियाँ और 287 मिलियन सदस्य शामिल हैं।

रोटी, कपड़ा से लेकर मकान तक की जरूरतों के लिए लोगों के दैनिक जीवन में गहराई से समाहित सहकारी समितियाँ सिर्फ आर्थिक संस्थाएं नहीं हैं, वे समुदाय-संचालित विकास, आर्थिक समानता और सामाजिक न्याय की अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं। 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना ने इस क्षेत्र के लिए एक नई राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का संकेत दिया, जिसका उद्देश्य इसकी पहुँच का विस्तार करना, इसकी दक्षता में सुधार करना और इसे समावेशी विकास की आधारशिला के रूप में एकीकृत करना है। सहकारिता मंत्रालय ने सराहनीय कदम उठाए हैं। 67,390 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को कम्प्यूटरीकृत करने के लिए 2,516 करोड़ आवंटित करने, 25 से अधिक व्यावसायिक गतिविधियों को करने में पीएसीएस को सक्षम करने के लिए 32 राज्यों में मॉडल उपनियमों को लागू करना, 2 लाख नई बहुउद्देशीय सहकारी समितियाँ बनाने का लक्ष्य रखना, 1,100 किसान उत्पादक संगठनों को समर्थन देना और 44,000 पीएसीएस को सामान्य सेवा केंद्रों में बदलना। कर प्रोत्साहन, आसान ऋण और विकेंद्रीकृत भंडारण सुविधा सहकारी समितियों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। बीज, निर्यात और जैविक उत्पादों के लिए तीन नए राष्ट्रीय महासंघों की स्थापना इस बात का संकेत है कि सहकारी समितियों को भारत के विकास के प्रमुख एजेंट के रूप में स्थापित किया जा रहा है। परन्तु, अपने विस्तार और पहुंच के बावजूद, सहकारी क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण की अवरचना आंशिक, अविकसित और असमान रूप से वितरित है। प्रबंधकीय और प्रशासनिक से लेकर तकनीकी और परिचालन तक योग्य पेशेवरों की मांग आपूर्ति से कहीं अधिक है। मौजूदा कर्मचारियों और बोर्ड के सदस्यों की क्षमता निर्माण में निवेश करने की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है। इन कर्मचारियों में से कई के पास नियमित प्रशिक्षण या शिक्षा के अवसरों तक पहुंच नहीं है। मानकीकृत पाठ्यक्रम, गुणवत्ता आश्वासन और संस्थागत सामंजस्य के बिना, यह क्षेत्र अपनी क्षमता का पूरी तरह से

लाभ नहीं ले सकता है या अपने विकास को बनाए नहीं रख सकता है। सहकारी आंदोलन में नई और युवा पीढ़ियों को आकर्षित करने की भी सख्त जरूरत है - ऐसे व्यक्ति जो न केवल पेशेवर हों बल्कि सहकारी मूल्यों से प्रेरित हों और क्षेत्र में नवाचार करने के लिए आतुर हों। यहां, त्रिभुवन सहकारी युनिवर्सिटी एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकता है-शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए एक केंद्र के रूप में सेवा करके जो नई पीढ़ी के सहकारी नेताओं को बढ़ावा देते हुए सभी स्तरों पर उनकी क्षमता का निर्माण कर सकेगा। अमूल मॉडल के वास्तुकार, दूरदर्शी त्रिभुवनदास पटेल के नाम पर, और भारत की डेयरी सहकारी क्रांति के उद्गम स्थल आनंद में स्थित यह युनिवर्सिटी एक प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि है, साथ ही यह एक रणनीतिक हस्तक्षेप भी है। ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद का चयन एक ऐसा संस्थान जिसने दशकों से सहकारी प्रबंधन शिक्षा में अग्रणी भूमिका निभाई है - इस युनिवर्सिटी की नींव के रूप में व्यावहारिक और प्रेरणादायक दोनों है। आनंद में द्वत्रक्रूको सेंटर ऑफ एक्सेलेंस के रूप में नामित किए जाने के साथ, यह युनिवर्सिटी सहकारी उद्यमों की चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए सुसज्जित पेशेवरों को तैयार करने की एक मजबूत विरासत का निर्माण करेगा। युनिवर्सिटी का विजन सिर्फ औपचारिक प्रबंधन डिग्री तक सीमित न होकर काफी विस्तृत है । यह प्राथमिक और माध्यमिक सहकारी समितियों के बोर्ड सदस्यों, सहकारी क्षेत्र में कार्य कर रहे कर्मचारियों, और नैतिक, सस्टेनेबल और समावेशी व्यवसाय मॉडल में रुचि रखने वाले युवाओं की नई पीढ़ी तक अपनी पहुँच बढ़ाएगा। इसके लिए, युनिवर्सिटी लचीले शिक्षण मॉड्यूल, प्रमाणन कार्यक्रम, डिग्री कार्यक्रम, डिजिटल पहुँच प्रदान करेगा और क्षेत्र आधारित ऐसे शोध का जरिया बनेगा, जिनसे स्व-सहायता, लोकतांत्रिक नियंत्रण और पारस्परिक जिम्मेदारी के सहकारी मूल्यों का लाभ सभी को मिल सकेगा। त्रिभुवन सहकारी युनिवर्सिटी एक राष्ट्रीय ज्ञान मंच के रूप में भी काम कर सकता है, हितधारकों के बीच संवाद को सुविधाजनक बना सकता है, साक्ष्य-आधारित नीतिगत अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है और ग्रामीण वास्तविकताओं के अनुरूप नवाचारों का समर्थन कर सकता है। डेयरी, ऋण, आवास, मत्स्य पालन, कपड़ा आदि जैसे भारत के विविध सहकारी परिदृश्य में, विश्वविद्यालय एक ऐसे केन्द्र के रूप में विकसित होगा जहां, शिक्षा, नीति निर्माता और सहकारिता से जुड़े विशेषज्ञ उन्नयन के नये पथ ईजाद कर सकेंगे । वैश्विक स्तर पर, सहकारी शिक्षा सहकारी आंदोलनों की सफलता का आधार रही है। 1844 में रोशडेल पायनियर्स के समय से ही, आचरण के मूल नियमों में मुनाफे का एक हिस्सा शिक्षा के लिए आवंटित करना शामिल था। पाँचवाँ सहकारी सिद्धांत - शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचना - आंदोलन का एक मुख्य स्तंभ बना हुआ है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सदस्य, नेता और समुदाय सहकारी मॉडल को समझें और उसका पालन करें। यह गहरी जड़ें जमाए बैठी शैक्षिक परंपरा ही है जो सहकारी शासन को बनाए रखती है, नवाचार को बढ़ावा देती है और जवाबदेही को मजबूत करती है। इस संदर्भ में, त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी केवल एक शैक्षणिक संस्थान से कहीं अधिक होगा - यह सहकारी विकास के लिए एक राष्ट्रीय और वैश्विक ज्ञान केंद्र बन सकता है, एक ऐसा स्थान, जहाँ प्रयोग और नीति का संगम हो और जहां नेतृत्व सीख से प्रेरित हो।

(लेखक क्षेत्रीय निदेशक, इंटरनेशनल कोऑपरेटिव एलायंस एशिया एंड पैसिफिक हैं।)

सामाजिक स्वतंत्रता के पक्षधर थे डॉ भीमराव अम्बेडकर

दलित सामाजिक संघर्षों के प्रणेता,भारतीय संविधान के निर्माता और लोकतंत्र के प्रबल समर्थक डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने स्वतंत्रता की वकालत तो की, लेकिन उनका मतलब केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं थी, बल्कि सामाजिक स्वतंत्रता एक प्रमुख लक्ष्य था। स्वतंत्रता के प्रति उनका दृष्टिकोण व्यापक था। उनका मानना था कि राष्ट्रीय स्वतंत्रता और व्यक्तिगत सामाजिक स्वतंत्रता के बीच बहुत बड़ा अंतर है। इसे समझे बिना हम सही और पूरी स्वतंत्रता प्राप्त नहीं कर सकते थे। भारत को अगर एक विदेशी देश की गुलामी से मुक्त किया जाए तो उसे राजनीतिक स्वतंत्रता मिलती है, लेकिन फिर भी स्वतंत्र भारत के लोग स्वतंत्र नहीं होते हैं। क्योंकि विदेशी शासकों के जाने पर राजनीतिक दासता समाप्त तो हो जाती है,परंतु उनके जाने के बाद भी उस देश के लोगों की दासता जारी रहती है, उन्हें सामाजिक स्वतंत्रता नहीं मिलती है। तो इसे हम पूरी आजादी या स्वतंत्रता कैसे कह सकते हैं।

समान अवसरों और अधिकारों से अनेकों वर्षों से वंचित रहे बहिष्कृत अछूत समाज को जब तक गुलामी के जंजीरों से मुक्त नहीं किया जाता, उनकी दासता को मिटाने में जब तक स्थापित शासन को सफलता नहीं मिलती तब तक राजनीतिक स्वतंत्रता केवल मुठ्ठी भर लोगों के हितों की रक्षा करेगी, और ऐसी स्वतंत्रता का कोई मतलब नहीं है। बाबा साहेब ने महसूस किया कि सदियों से समान अवसरों और अधिकारों से वंचित रखे गए बड़े वर्ग के लिए केवल राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने से लाभ नहीं होगा, वे राष्ट्रीय स्थापित मानकों विचारधाराओं के साथ सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे। डॉ. बाबा साहब अंबेडकर का सामाजिक दर्शन तीन शब्दों - स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित है। बाबा साहेब समानता के सबसे बड़े समर्थक माने जाते हैं। उन्होंने जीवन भर समानता के लिए कड़ा संघर्ष किया। सन् 1943 में इंडियन फेडरेशन के कार्यकर्ताओं के एक शिविर में भाषण देते हुए अंबेडकर ने कहा-हर देश में संसदीय लोकतंत्र के प्रति बहुत असंतोष है। भारत में इस प्रश्न पर विचार करना अत्यंत आवश्यक है। भारत संसदीय लोकतंत्र प्राप्त करने के लिए बातचीत कर रहा है। लेकिन हमें बहुत सावधान रहने की जरूरत है। यह उतना बढ़िया उत्पाद नहीं है जितना दिखाई देता है। इसी भाषण में आगे कहा कि-संसदीय लोकतंत्र कभी जनता की सरकार नहीं रही,न जनता के द्वारा चलाई जाने वाली सरकार रही। कभी ऐसी भी सरकार नहीं रही जो जनता के लिए हो। भीमराब अंबेडकर ने 1942 के रेडियो भाषण में स्वाधीनता, समानता और भाईचारा, इन तीन सूत्रों का उद्भव फ्रांसीसी क्रांति में देखा। उन्होंने कहा मजदूर के लिए स्वाधीनता का अर्थ है जनता के द्वारा शासन। संसदीय लोकतंत्र का अर्थ जनता के द्वारा शासन नहीं है। अंबेडकर ने संसदीय लोकतंत्र की व्याख्या करते हुए लिखा-संसदीय लोकतंत्र शासन का ऐसा रूप है जिसमें जनता का

बाबा साहब अंबेडकर का मानना था कि वंश, धर्म, जाति तथा सामाजिक स्थान ऐसे आधार पर भेदभाव करना समाजवादी व्यवस्था के साथ धोखा होगा। डॉ भीमराव अंबेडकर को हमें आधुनिक मिथभंजक के रूप में देखना चाहिए। भारत और लोकतंत्र के बारे में परंपरावादियों, सनातनियों, डेमोक्रेट, ब्रिटिश बुद्धिजीवियों और शासकों आदि ने अनेक मिथों का प्रचार किया है। ये मिथ आज भी आम जनता में अपनी जड़ें जमाए हुए हैं। बाबा साहेब ने भारतीय समाज का अध्ययन करते हुए उसके बारे में एक नयी सोच पैदा की है।

काम अपने मालिकों के लिए वोट देना और उन्हें हुकूमत करने के लिए छोड़ देना होता है। अंबेडकर ने लोकतंत्र को मजदूरवर्ग के नजरिए से देखा और उस पर अमल करने पर भी जोर दिया।नेतागण जिस लोकतंत्र की बात कर रहे हैं वो मालिकों का जनतंत्र है। वे जिस तथाकथित लोकशाही की बार-बार दुहाई दे रहे हैं वो मालिकों की लोकशाही है। इसके विपरीत भीमराव अंबेडकर का मानना था जब तक पूंजीवाद कायम है तब तक सही मायनों में न स्वतंत्रता संभव है और न समानता। वास्तव अर्थ में समानता हासिल करने के लिए पूंजीवादी व्यवस्था को बदलना होगा उसके बाद ही वास्तविक अर्थ में समानता प्राप्त की जा सकती है। इसके विपरीत नेतागण पूंजीवाद को बनाए रखकर ही नियमों में सुधार की बात कर रहे हैं। अंबेडकर की नजर में वास्तविक स्वतंत्रता का अर्थ है सभी किस्म के विशेषाधिकारों का खात्मा। नागरिक सेवाओं से लेकर फौज तक,व्यापार से लेकर उद्योग धंधों तक सभी किस्म के विशेषाधिकारों को खत्म किया जाए। वे सारी चीजें खत्म की जाएं जिनसे असमानता पैदा होती है। अंबेडकर की धारणा थी कि -लोकप्रिय हुकूमत के तामझाम के बावजूद संसदीय लोकतंत्र वास्तव में आनुवंशिक शासकवर्ग द्वारा आनुवंशिक प्रजा वर्ग पर हुकूमत है। यह स्थिति वर्णव्यवस्था से बहुत कुछ मिलती जुलती है। ऊपर से लगता है कोई भी आदमी चुना जा सकता है, मंत्री हो सकता है, शासन कर सकता है।

वास्तव में शासक वर्ग एक तरह वर्ण बन जाता है। उसी में से,थोड़े से उलटफेर के साथ,शासक चुने जाते हैं। जो प्रजा वर्ग है, वह सदा शासित बना रहता है। (संदर्भ- जगदीश्वर चतुर्वेदी, कोलकाता विश्वविद्यालय के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर व जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष हैं।) डॉ. अंबेडकर सामाजिक समानता केलिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने गणितीय समानता या कृत्रिम समानता को स्वीकार नहीं किया। प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकताओं और क्षमताओं में एक स्वाभाविक भिन्नता होती है। बाबा साहब अंबेडकर का मानना था कि वंश, धर्म, जाति तथा सामाजिक स्थान ऐसे आधार पर भेदभाव करना समाजवादी व्यवस्था के साथ धोखा होगा। डॉ भीमराव अंबेडकर को हमें आधुनिक मिथभंजक के रूप में देखना चाहिए। भारत और लोकतंत्र के बारे में परंपरावादियों, सनातनियों, डेमोक्रेट, ब्रिटिश बुद्धिजीवियों और शासकों आदि ने अनेक मिथों का प्रचार किया है। ये मिथ आज भी आम जनता में अपनी जड़ें जमाए हुए हैं। बाबा साहेब ने भारतीय समाज का अध्ययन करते हुए उसके बारे में एक नयी सोच पैदा की है। भारतीय समाज के अनेक विवादास्पद पहलुओं का आलोचनात्मक और मौलिक विवेचन किया है। भारत में भक्त होना आसान है समझदार होना मुश्किल है। बाबा साहेब ऐसे विचारक हैं जो शूद्रों के सामाजिक ताने-बाने को पूरी जटिलता के साथ उद्घाटित करते हैं। बाबा साहेब के भी भक्तों में एक बड़ा तबका है जो दलित चेतना और दलित विचारधारा से लैस हैं। उन्हें भक्तों के आभा मंडल से बाहर निकलकर निश्चिंतता, चेतना सम्पन्न और डॉ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचारधारा से लैस होकर सामाजिक स्वतंत्रता, समानता, उत्थान, राजनैतिक और संविधानिक अधिकारों की रक्षा के संघर्षों को आगे बढ़ाना ही डॉ बाबा साहब के सपनों को साकार करना होगा। :: एजेंसी

परम्परा से समकालीनता की ओर आगे बढ़ी कलाएं

कलाओं की दृष्टि से हमारे पास समृद्ध-संपन्न परम्परा है। यह बात समझने की है कि समकालीन कलाओं का मूल हमारी वह सांस्कृतिक दृष्टि है, जिसमें पारंपरिक ज्ञान, सामाजिक, धार्मिक-प्रथाएं आने वाले समय की दृष्टि बनती। इसीलिए कहें, संस्कृति में निवेश भविष्य का कला संचय, उसकी आधुनिकि है। कोई कला-रूप तभी प्रासंगिक रह सकता है, जब समय से उसका निरंतर संवाद हो। आज भी

जिस मुगल कला की दुहाई विश्वभर में दी जाती है उसका बहुत सारा भाग राजस्थान की चित्रकृतियां ही हैं। बीकानेर में वहां के राजाओं ने 1591 में ही लाहौर से अली रजा और रूकुनुद्दीन, इन दो कलाकारों को बुलाया था और इन्होंने बहुत सुंदर कलाकृतियां सिरजी। राजस्थान में सातवीं शती से ही घाणेराव में अपभ्रंश के मेल से मारवाड़ शैली की सिरजी कलाकृतियां का इतिहास मिलता है।

कथक की आज जो विरासत है, इतिहास में प्रमाण है कि उसके बीज बीकानेर, चूरू क्षेत्र में पड़े थे। कथक के जयपुर घराने की बात होती है परन्तु यह घराना समृद्ध-संपन्न चूरू के उन कथकियों से हुआ है जिन्होंने पहले पहल इस नृत्य में विरल प्रयोग करते इसको एक रूप प्रदान किया। कश्मीर से कन्याकुमारी तक के हमारे देश में अलग-अलग प्रांतों की अपनी पृथक-पृथक लोक कलाएं वहां के जीवन, रीति रिवाजों और परम्पराओं से निरंतर विकसित होती हुई आधुनिक कलाओं की दृष्टि बनी है। ए. रामचंद्र ने जनजातीय जीवन को आधुनिक ढंग से अपनी कला में जीवंत किया है। उदयपुर में उन्होंने कभी यहां के प्रसिद्ध कलाकार ललित शर्मा के साथ घूम घूम कर आदिवासी जन जीवन के चित्र उसके। उनकी कमल सरोवर', 'ययाति', 'काली पूजा', 'उर्वशी' आदि कलाकृतियां परंपरागत ज्ञान की आधुनिकी ही तो है। तैयब मेहता की महिषासुरमर्दिनी विश्व बाजार में करोड़ों में बिकी। इसका मूल हमारी पुराण कथा है। हुसैन ने कभी कला रसिक उद्योगपति बद्री विशाल पित्ती के आग्रह पर पुराण कथाओं और रामायण के चित्रों की पूरी शृंखला सृजित की जो बाद में आधुनिक कला बाजार की धरोहर बनी। रजा आधुनिक कला के चहते कलाकार रहे हैं, उन्होंने कालिदास, भास, कबीर के लिखे को अपनी कलाकृतियों में लिख बिंदु में रेखाओं का निर्गुण रचा। पारंपरिक भारतीय तन्त्र कला इनकी कला की आधुनिकी का आधार रहा। समकालीन कलाएं असल में लोक-मानस और जीवन से जुड़े आलोक से ही सदा प्रेरित होती रही है। राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, तमिलनाडू, केरल, आन्ध्रपदेश आदि प्रांतों की अपनी लोक कलाओं ने हमारी आधुनिक कलाओं को निरंतर समृद्ध और संपन्न किया है। इतिहास जहां पहुंच नही पाता, वहां जीवन में गूंथे बिंब प्रतीक आधुनिक होते हमारी कलाओं को सदा जीवंत बनाए रखते हैं। समकालीन कला का सच यही है। जिस कलाकार ने भी परंपरा में ध्यान का ज्ञान संजोया, वही आधुनिक कला बाजार में लोकप्रिय हुआ है। यह सच है कलाएं, अनुभव, विचार और भविष्य की दृष्टि में ही सदा बढ़त करती हैं। भारत की सांस्कृतिक और रचनात्मक धरोहर बहुत समृद्ध है। अपनी विशिष्ट और विविध सभ्?यताओं के कारण भारत में कला की विशाल विविधता है, जो पी?ी-दर-पी?ी आगे बढ़ रही है। कला के कुछ रूप आधुनिकीकरण के फलस्वरूप पहले जैसे ही बने हुए हैं, तो कुछ ने विकसित होकर नए रूप और महत्वपूर्ण विकल्पों को अपना लिया है। कला का हर प्रकार भिन्न है और अपने रूप में काफी सम्मानित है।

ऑपरेशन मेघदूत के गुमनाम जांबाजों को नमन

चार दशक पूर्व 13 अप्रैल 1984 को भारतीय सेना ने 'आपरेशन मेघदूत' को अंजाम देकर 22 हजार फीट की बुलंदी पर मौजूद सियाचिन ग्लेशियर के बिलाफोंड लॉ व सियाला जैसे दुर्गम क्षेत्रों पर तिरंगा फहरा कर अदम्य साहस का ऐतिहासिक मजमून लिख डाला था। दरअसल सन् 1947-48 में भारत-पाक सेनाओं के दरम्यान कश्मीर युद्ध की जंगबंदी के बाद 'अक्राम-ए-मुत्तहिदा' की मध्यस्थता से जुलाई 1949 को हुए 'कराची समझौते' के तहत मुकर्रर की गई 'युद्धविराम रेखा' का अंतिम बिंदू 'एनजे 9842' सुनिश्चित किया गया था। लेकिन एनजे 9842 के आगे हिमालय की काराकोरम रेंज में मौजूद बर्फ का रेगिस्तान कहा जाने वाला सियाचिन ग्लेशियर अधूरा रह गया था। पाक सेना ने 'बुर्जिल फोर्स' तैयार करके 'आपरेशन अबाबील' मंसूबे के तहत 17 अप्रैल 1984 को सियाचिन पर पेशकदमी की योजना बनाई थी। मगर भारतीय सेना ने 13 अप्रैल 1984 को विश्व के सबसे ऊंचे रणक्षेत्र सियाचिन के उपखंडों पर तिरंगा फहरा कर अपनी मौजूदगी सुनिश्चित कर दी थी। सन् 1984 के आपरेशन 'मेघदूत' में सियाचिन पर कब्जा करने में सेना की 'चार कुमाऊं' व '19 कुमाऊं' बटालियन तथा 'लद्दाख स्काउट' के जवानों ने अनुकरणीय बहादुरी का परिचय दिया था। जब पाक हुक्मरानों को सियाचिन में भारतीय सेना की मौजूदगी का एहसास हुआ तो पाक सेना ने भी सियाचिन पर कब्जा करने के लिए सैन्य

1972 के 'शिमला समझौते' में भारत व पाक के हुक्मरानों ने भी सियाचिन ग्लेशियर को बेजान व बंजर करार देकर इनसानों के रहने के काबिल नहीं बताया था। कराची समझौते में 'संयुक्त राष्ट्र' के अधिकारियों का भी यही तर्क था कि सियाचिन जैसे बर्फीले व निर्जन क्षेत्र के लिए भारत व पाक के बीच कोई विवाद नहीं होगा।

अभियान शुरू कर दिए। शुरुआती दौर में भारतीय सेना को सियाचिन में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मौके की नजाकत का लाभ उठाकर पाक सेना ने नवंबर 1986 में बिलाफोंड ला के नजदीक 'कायद पोस्ट' नामक सैन्य चौकी कायम कर ली। भारतीय सेना की 'आठ जैकलाई' बटालियन के बहादुर जवानों ने बेहद जोखिम भरे ऑपरेशन को अंजाम देकर 26 जून 1987 को कायद चौकी पर मौजूद पाक 'स्पेशल सर्विस ग्रुप' के सैनिकों को हलाक करके तिरंगा फहरा दिया था। उस सैन्य अभियान में सूबेदार 'बाना सिंह' को 'परमवीर चक्र' तथा मेजर 'वरिंदर सिंह मिन्हास' को 'वीर चक्र' से नवाजा गया था। उस खतरनाक मिशन में 29 मई 1987 को बलिदान हुए लेफ्टिनेंट 'राजीव पांडे' को 'वीर चक्र' 'मरणोपरांत' से अलंकृत किया गया था। कायद पोस्ट अब 'बाना पोस्ट' के नाम से जानी जाती है। सन् 1989 में सियाचिन में 'आपरेशन आईबेक्स' के दौरान पाक सेना पर जोरदार हमले में 'डोगरा रेजिमेंट' के हिमाचली शूरवीर 'सरदार सिंह' को अदम्य साहस के लिए 'वीर चक्र' से सरफराज किया गया था। सन् 1992 में सियाचिन के 'चुलुंग' में पाक सेना ने भारतीय चौकियों पर हमला किया। लेकिन भारतीय सेना ने शिद्दत भरा पलटवार करके पाक हमलावर दस्ते को हलाक करके पाक 'फोर्स कमांडर नार्दर्न एरिया' ब्रिगेडियर 'मसूद नबीद अनवारी' को उनके हैलीकॉप्टर सहित मार गिराया था। सियाचिन पर कब्जा करने का सफर सेना के लिए आसान नहीं रहा है। 29 मई 1984 को सियाचिन में गश्त के दौरान 19 कुमाऊं के लेफ्टिनेंट 'प्रदीप सिंह पुंडीर' सहित 20 जवान बर्फीले तूफान की चपेट में आकर ग्लेशियर की आगोश में समा गए थे, जिनमें 14 सैनिकों के शव कुछ दिनों बाद बरामद हुए थे। एक सैनिक 'चंद्रशेखर' का पार्थिव शव 38 वर्षों बाद सन् 2022 में मिला था। बाकी पांच सैनिकों के शव आज तक लापता हैं। चंद्रशेखर जैसे सैकड़ों सैनिक ग्लेशियरों की बर्फ तले दबे हैं। उन गुमनाम सैनिकों के परिजन आज भी अपने सपूतों के इंतजार में हैं। अप्रैल 1989 में 'गाड्र्स रेजिमेंट' के नौ जवान तथा सन् 2016 में 'मद्रास रेजिमेंट' के दस सैनिक सियाचिन में एवलांच की चपेट में आकर बलिदान हो गए थे। सियाचिन में सैन्य बलिदान का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जुलाई 2023 को सेना के डॉक्टर कैप्टन 'अंशुमान सिंह' 'कीर्ति चक्र' 'मरणोपरांत' सियाचिन में एक हादसे का शिकार हुए। हालांकि सन् 2012 में सियाचिन के पश्चिम 'ग्यारी सेक्टर' में पाक सेना के 140 सैनिक बर्फीले तूफान की जद में आकर शहीद हो गए थे। बेशक पाकिस्तान के गिलगित व बाल्टिस्तान पर नजर रखने में सक्षम 2583 वर्ग कि.मी. में फैला सियाचिन भारत को चीन तक सीधी पहुंच प्रदान करता है। लेकिन 22 हजार फीट की बुलंदी पर मौजूद सियाचिन का तापमान शून्य से सत्तर डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। :: चर्चित डेस्क

आज का राशिफल

मेष:- नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

वृषभ :- पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन-सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा-पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

मिथुन :- भावनाओं पर नियंत्रण रख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :- महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक-सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :- किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

कन्या:- किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

तुला:- कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन-सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिक:- पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

धनु:- रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकर:- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुम्भ:- भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं।

मीन:- भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं।अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कार्यों को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

डॉ. अम्बेडकर भारत के संविधान के शिल्पी : योगी

मुख्यमन्त्री ने विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों और एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज भारत माता के महान सपूत भारत रत्न बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जी की पावन जयन्ती है। आज ही बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस भी है। यह एक अद्भुत संयोग है। बाबा साहब का कहना था कि वह आदि से अंत तक एक भारतीय हैं, यही उनकी पहचान है। यह विचार बाबा साहब की महानता के बारे में जानने और समझने के लिए पर्याप्त है।

मुख्यमंत्री सोमवार को भारत रत्न, बोधिसत्व बाबा साहब भीमराव रामजी आंबेडकर की जयन्ती और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर यहां बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों तथा एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब का बचपन अभावों में बीता। उन्हें सामाजिक भेदभावों से गुजरना पड़ा। उन्हें विदेशी गुलामी के चंगुल में फंसे देश में सामाजिक दासता में बंधते हुए अपमान सहने को मजबूर होना पड़ा। बाबा साहब देश के उन विरले लोगों में से थे, जिन्होंने दुनिया की उच्चतम डिग्री हासिल की। वह जहां भी गए, उन्होंने अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ी और अपनी एक पहचान बनायी। बड़ौदा के महाराज द्वारा उन्हें विशेष छात्रवृत्ति दी गयी, जिससे बाबा साहब बाहर गए और उच्च शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद वह वापस अपने देश लौटे और आजादी के आन्दोलन से जुड़े। देश गुलामी की बेड़ियों से मुक्त हो, इसके साथ ही समाज को भी दासता से मुक्त कराने के संकल्प को चरितार्थ करने की दिशा में बाबा साहब ने कार्य किया। आज इसके परिणाम हमारे सामने हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के अनेक देशों ने वंचितों तथा महिलाओं को बहुत बाद में मताधिकार दिया, लेकिन भारत में वर्ष 1952 में हुए पहले आम चुनाव में देश के हर नागरिक को एक समान मताधिकार का उपयोग करने की स्वतंत्रता मिली। यह हमारे लोकतंत्र की ताकत बनी। इंग्लैण्ड में भी महिलाओं को बहुत बाद में मताधिकार मिला। हमारे देश में यह कार्य डॉ. भीमराव आंबेडकर जी के कारण हुआ। डॉ. आंबेडकर भारत के संविधान के शिल्पी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष अत्यन्त महत्वपूर्ण है। 26 जनवरी, 2025 को हमने देश के संविधान के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों को भव्यता के साथ सम्पन्न किया है। संविधान हमें अधिकार देता है। अधिकारों की रक्षा तभी होती है, जब हमें अपने कर्तव्यों का एहसास भी हो। इन कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा बाबा साहब के संविधान ने हमें प्रदान की है। हमारे उपनिषद कहते हैं कि 'आ नो भद्राः कृतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात विचारों को और ज्ञान को सभी ओर से आने के लिए अपने द्वार खुले रखो। बाबा साहब ने यही किया। उन्होंने अच्छी शिक्षा ली और अच्छा ज्ञान ग्रहण किया। उन्होंने डीएससी की डिग्री ली। कानून की उच्चतम डिग्री ली। सम्भवतः बाबा साहब देश के पहले पीएचडी धारक अर्थशास्त्री बने। वह अपने देश की सेवा के लिए वापस आए। बाबा साहब ने शिक्षा के महत्व को समझा था। उन्हें पता था कि शिक्षा सर्वांगीण विकास की पहली आधारशिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी द्वारा बनाए गए संविधान के लागू होने का अमृत वर्ष है। आज ही बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस भी है। देश संविधान लागू करने की 75 वर्षों की शानदार यात्रा को अनेक उतार-चढ़ाव के बावजूद 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना के रूप में आगे बढ़ा रहा है। इस अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। भारत को हम दुनिया की एक बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरते हुए देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब के सपनों को साकार करने के लिए विगत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में चलाए गए अभियानों के परिणामस्वरूप देश ने सभी क्षेत्रों में प्रगति की है। प्रधानमंत्री जी ने इस प्रगति के लिए विरासत को विकास के साथ जोड़ा है। बाबा साहब की स्मृतियों को भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी बनाने की दृष्टि से प्रधानमंत्री ने बाबा साहब से जुड़े पंचतीर्थों का विकास कराया है। इनमें बाबा साहब की जन्म भूमि महू मध्य प्रदेश, इंग्लैण्ड का वह भवन, जिसमें रहकर उन्होंने उच्च शिक्षा अर्जित की, बाबा साहब की दीक्षा भूमि नागपुर, दिल्ली में उनकी महापरिनिर्वाण स्थली तथा उनकी चैत्य-भूमि मुम्बई शामिल है। आज यह पंचतीर्थ नयी प्रेरणा के केन्द्र बने हैं। यह बाबा साहब के समग्र विकास तथा शून्य से शिखर के दर्शन को प्रस्तुत करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब का मानना था कि आगे बढ़ने के लिए विकास आवश्यक है, लेकिन इसका माध्यम शिक्षा होनी चाहिए। शिक्षा वही है, जो जीवन को सार्थक बना सके तथा हमें समग्रता का दर्शन करा सके। जो हमें सही-गलत की पहचान करने की ताकत दे सके। भारत बाबा साहब के इन विचारों से जुड़ते हुए आज दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। जिस ब्रिटेन ने हम पर शासन किया, आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में उसी ब्रिटेन को पछाड़कर भारत दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। भारतीय मूल का एक व्यक्ति आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में ही ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बना था, यह एक दुर्लभ संयोग था। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा बनाया गया संविधान हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। यह स्वतंत्र भारत के लिए एक मार्गदर्शिका है। यह संविधान भारत की सभी व्यवस्थाओं का आधार स्तम्भ है। इस पवित्र संविधान के माध्यम से ही हम अपनी आगे की यात्रा को सुगमतापूर्वक बढ़ा पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में प्रदेश में हमारी सरकार बनी। उस समय हमारे सामने वर्ष 2019 के प्रयागराज कुम्भ के आयोजन के लिए मात्र डेढ़ वर्षों का समय बचा था। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमने कुम्भ को दुनिया में एक यूनीक इवेण्ट के रूप में प्रस्तुत करने के लिए कार्य प्रारम्भ किए। इसके पहले कुम्भ गंदगी, भगदड़, अव्यवस्था तथा सामाजिक भेदभाव का प्रतीक था। हमने प्रयागराज कुम्भ-2019 को सफलतापूर्वक आयोजित कराकर एक नई पहचान बनायी। इसके लिए अच्छे कार्मिकों को नियुक्त कर उनका प्रशिक्षण कराया गया। प्रयागराज के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान दिया गया। कुम्भ को गंदगी से मुक्त बनाए जाने की व्यवस्था की गयी। पुलिस के व्यवहार पर ध्यान दिया गया। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुम्भ के आयोजन में बहुत पोटेंशियल है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य, जहां पहले पहचान का संकट था, उसके लिए अपनी ब्राण्डिंग करने और पहचान बनाने का कुम्भ एक अच्छा अवसर हो सकता है। इस दृष्टि से हमने वर्ष 2025 के महाकुम्भ में वर्ष 2019 के अनुभवों का लाभ लेते हुए इसे वैश्विक इवेण्ट के रूप में आगे बढ़ाया। भारत के सभी प्रान्तों, वृहत्तर भारत के सभी देशों सहित दुनिया के 100 से अधिक देशों की उपस्थिति महाकुम्भ प्रयागराज-2025 में हुई। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का महाकुम्भ में आगमन हुआ। महाकुम्भ में हर जाति, हर मत, हर सम्प्रदाय के अनुयायी एक ही घाट पर एक साथ स्नान कर रहे थे। वहां कोई भेदभाव नहीं था। महिला, पुरुष का भी कोई भेद नहीं था। यह महाकुम्भ का सामाजिक पक्ष है।

- **मुख्यमंत्री ने भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहब भीमराव रामजी अम्बेडकर की जयन्ती और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित किया**
- **बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय को एमएसएमई क्षेत्र में कौशल का अच्छा सेण्टर बनाया जाना चाहिए : योगी**

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ प्रयागराज-2025 का सांस्कृतिक पक्ष यह था कि यहां भारत के हर क्षेत्र से आए साधु-संतों तथा आध्यात्मिक गुरुओं के द्वारा आयोजन किए जा रहे थे। महाकुम्भ का एक मानवीय पक्ष भी था। यहां जो भी आया, वह भूखा नहीं रहा। जो लोग पहले कुम्भ या महाकुम्भ के बारे में नकारात्मक टिप्पणियां करते थे, उन्हें भी महाकुम्भ प्रयागराज में व्यवस्थाएं देखने को मिलीं। गंगा जल और त्रिवेणी संगम में सभी जगह फीकल कॉलिफॉर्म, बीओडी तथा डीओ की जांच में बेहतर परिणाम आए। यह भारतीय संस्कृति की ताकत है। पहले हमने अपनी संस्कृति को महत्व देने का प्रयास नहीं किया, जिसका परिणाम था कि विदेशी लेखकों ने जो भी लिख दिया, हमने उसे सत्य मान लिया। हमने अपनी ऋषि परम्परा, महात्मा ज्योतिबा फुले तथा सावित्री बाई फुले जी की शिक्षा के विचारों को महत्व नहीं दिया। हमने यह मान लिया कि मैकाले ने जो कहा है, वह ठीक है। परिणाम रहा कि हम हर क्षेत्र में पिछड़ गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व की अनुभूति हमें आगे बढ़ने को प्रेरित करती है। अपनी विरासत की परम्परा को आगे बढ़ाना अपने स्व की अनुभूति करना ही है। बाबा साहब ने देश के करोड़ों लोगों को इसी स्व की अनुभूति कराने के लिए अभियान चलाया था। विगत 10 वर्षों में देश में अनेक परिवर्तन हुए हैं। 10 वर्ष पूर्व यही भारत पहचान का मोहताज था, यहां अविश्वास का वातावरण था। दुनिया में भारत के लोगों का सम्मान नहीं होता था, नौजवानों के सामने रोजगार की समस्या थी। विगत 10 वर्षों में किए गए कार्यों से आज भारत दुनिया की आर्थिक ताकत बना है। भारत आज अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ दुनिया में उभर रहा है। देश में संचालित गरीब कल्याणकारी योजनाएं नई क्रान्ति का प्रतीक बनी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब दुनिया वैश्विक महामारी कोरोना की चपेट में थी, तब भारत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध था। सरकार को अपने प्रबन्धन पर विश्वास था। उस समय देश में निःशुल्क टेस्ट, ट्रीटमेण्ट, वैक्सीन उपलब्ध कराने के साथ ही 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन की सुविधा का लाभ दिया गया। आज भी लोगों को निःशुल्क राशन की सुविधा का लाभ मिल रहा है। यह कार्य दुनिया में किसी अन्य देश में नहीं हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के 50 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये का चिकित्सा बीमा कवर मिल रहा है। यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। विगत 10 वर्षों में 45 करोड़ लोगों के जनधन एकाउण्ट खोले गए हैं। 12 करोड़ गरीबों के घर में शौचालय बनाए गए हैं। 10 करोड़ गरीबों को उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस के निःशुल्क कनेक्शन दिए गए हैं। 4 करोड़ गरीबों को एक-एक आवास उपलब्ध कराया गया है। 3 करोड़ गरीबों के घर में विद्युत के निःशुल्क कनेक्शन दिए गए हैं। पीएम स्वामित्व योजना के अन्तर्गत लगभग 3 करोड़ परिवारों को, जहां पर उनका आवास है, उस जमीन का मालिकाना हक दिया गया है। पहले इन कार्यों के लिए लोगों को जूझना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकार का तंत्र वही है, चुनाव की प्रक्रिया से जुड़े लोग भी वही हैं, केवल नेतृत्व बदला है। नेतृत्व बदलने से कितना परिवर्तन हो सकता है, यह सभी देख रहे हैं। यह सभी योजनाएं किसी व्यक्ति, जाति, मत अथवा सम्प्रदाय को केन्द्रित करते हुए नहीं बनायी गयी हैं, बल्कि 'सबका साथ सबका विकास' के मंत्र से बिना भेदभाव के सभी योजनाओं का लाभ भारत के नागरिकों और पात्रता की श्रेणी में आने वाले लोगों को उपलब्ध कराया गया है। यही बाबा साहब का सपना भी था। यही हमारे महापुरुषों का भी सपना था कि सामाजिक न्याय प्रत्येक व्यक्ति को बिना भेदभाव के प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले देश में लोगों के घरों में शौचालय नहीं थे, जिससे अनेक बीमारियां होती थीं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के जनपदों में इन्सेफेलाइटिस से प्रतिवर्ष हजारों बच्चों की मृत्यु होती थी। 40 वर्षों में लगभग 50 हजार बच्चों की मृत्यु हुई। इसके अलावा, डेंगू व मलेरिया से भी मृत्यु होती थी। कभी भी बीमारी के मूल पर प्रहार करने का प्रयास नहीं किया गया। लोगों के घरों में शौचालय नहीं थे। आज हम स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्य को प्राप्त कर चुके हैं। शौचालय न केवल नारी गरिमा के प्रतीक बने हैं, बल्कि अनेक वेक्टर बॉर्न डिजीज से मुक्ति का माध्यम भी बने हैं। अकेले उत्तर प्रदेश में पौने तीन करोड़ शौचालय बनाए गए हैं। हर घर नल योजना कार्यरूप ले रही है। आज हम इन्सेफेलाइटिस से होने वाली मृत्यु को नियंत्रित कर चुके हैं। डेंगू तथा मलेरिया को भी काफी हद तक नियंत्रित करने में हमें सफलता प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले हमने अपने परम्परागत कारीगरों व हस्तशिल्पियों के हुनर को महत्व नहीं दिया था। वर्ष 2017 में प्रदेश की बेरोजगारी दर 19 प्रतिशत से अधिक थी। हमने अपने परम्परागत उद्यमों की मैपिंग करायी। 75 में से 57 जनपदों के कोई न कोई यूनीक प्रोडक्ट थे, जो प्रोत्साहन के अभाव में बन्दी के कगार पर थे। हमने प्रदेश के हर जनपद के यूनीक प्रोडक्ट की पहचान की। प्रदेश के परम्परागत उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 2018 में एक जनपद, एक उत्पाद योजना की शुरूआत की गई। आज यह देश की सबसे लोकप्रिय योजना बन गई है। यह योजना आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बन गई है और वोकल फॉर लोकल के प्रधानमंत्री जी के मंत्र को साकार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले पर्व और त्यौहारों के अवसर पर हमारे बाजार चीन निर्मित वस्तुओं से भरे रहते थे। आज लोग ओडीओपी उत्पादों को खरीद रहे हैं। लोग गिफ्ट में फिरोजाबाद की ग्लास की मूर्तियां, मुरादाबाद के ब्रास उत्पाद, मेरठ के खेल उत्पाद, खुर्जा की क्रॉकरी, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, लखनऊ की चिकनकारी, वाराणसी के सिल्क उत्पाद, भदोही के कारपेट, आगरा व कानपुर के लेदर उत्पाद तथा गोरखपुर के टेराकोटा जैसे ओडीओपी उत्पाद भेंट कर रहे हैं।

आगरा का पेठा, सिद्धार्थनगर का काला नमक चावल तथा जौनपुर की इमरती लोगों को प्रदेश के स्वाद से परिचित करा रहे हैं। उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से पहल की। जिसका परिणाम है कि आज प्रदेश के उत्पाद वैश्विक पटल पर छा रहे हैं। आज देश में उत्तर प्रदेश के 77 उत्पादों को जीआई टैग मिला है। इनमें पीलीभीत की बांसुरी, अमरोहा की ढोलक और काशी की शहनाई शामिल है। अब लखीमपुर के थारू समुदाय द्वारा बनाए गए उत्पादों को भी जीआई टैग प्राप्त हो चुका है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की ओडीओपी योजना और एमएसएमई इकाइयों ने कोरोना महामारी के दौरान प्रदेश में वापस आए लगभग 40 लाख कामगारों और श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय को अपने परिसर में ओडीओपी से जुड़े उत्पादों की शोकेसिंग की व्यवस्था करनी चाहिए। इससे विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी। विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इससे उन्हें नई स्किल सीखने को मिलेगी और एक प्लेटफॉर्म भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के पास विजन होता है। वह कार्य करना चाहते हैं, लेकिन उनके पास पूंजी नहीं होती। इसके दृष्टिगत प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की शुरुआत की है। इसके तहत प्रत्येक वर्ष 1 लाख युवाओं को नये उद्यमियों के रूप में तैयार किया जाना है। अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अति पिछड़ी जाति के युवाओं को इस अभियान में प्राथमिकता दी गई है। इसमें मार्जिन मनी में छूट का प्राविधान है। युवाओं को बिना गारण्टी तथा ब्याजमुक्त 5 लाख रुपये ऋण की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। यह अभियान 24 जनवरी, 2025 को लॉन्च किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

बिलग्राम में अफीम तस्करी पर पुलिस की कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

बिलग्राम /हरदोई, चसं। बिलग्राम थाना क्षेत्र में पुलिस ने हाल ही में एक विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की। गुप्त सूचना के आधार पर प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार यादव के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने 370 ग्राम अफीम के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस अफीम की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये है। पुलिस ने गिरफ्तार तस्करों के बारे में बताया कि इस संबंध में तीन लोगों को पकड़ा गया है जिसमें अवध बिहारी सांडी थाना क्षेत्र के कोईलाई गांव का निवासी है । वहीं रामजीवन- मल्लावां थाना क्षेत्र के हरिगंज गांव का रहने वाला है ।अनिल कुमार कन्नौज जिले के दूरजनापुर का निवासी। है पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल हो रही एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। इस कार्रवाई में वरिष्ठ उपनिरीक्षक रामलखन के साथ 11 पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस अधीक्षक हरदोई के निर्देश पर जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत यह ऑपरेशन किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तस्करों को धर दबोचा गया।गिरफ्तार तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस पूछताछ के जरिए तस्करों के नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश कर रही है। प्रारंभिक जांच से संकेत मिले हैं कि यह तस्करी का एक बड़ा रैकेट हो सकता है, और जल्द ही अन्य संलिप्त लोगों की गिरफ्तारी की संभावना है।

अंबेडकर जयंती पर बिलग्राम में उमड़ा जनसैलाब, निकली भव्य शोभायात्रा

बिलग्राम/हरदोई, चसं। महान समाज सुधारक, संविधान निर्माता और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर बिलग्राम नगर में एक भव्य और ऐतिहासिक शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस शोभायात्रा में हजारों की संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिसने पूरे नगर को एकता और समरसता के रंग में रंग दिया। क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों से सैकड़ों लोग सुबह-सुबह बिलग्राम के अजंता बुद्ध विहार स्थित बुद्ध अंबेडकर स्कूल में एकत्रित हुए, जहां से इस विशाल शोभायात्रा की शुरुआत हुई। शोभायात्रा का शुभारंभ सुबह 11 बजे डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। इसके बाद, नीले झंडों और बैनरों से सजा एक विशाल जनसमूह सड़कों पर उतरा। इस शोभायात्रा में बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी शामिल थे, जो अपने हाथों में नीले झंडे थामे और बाबासाहेब के नारे लगाते हुए पूरे जोश के साथ आगे बढ़ रहे थे। शोभायात्रा बिलग्राम के प्रमुख मार्गो और गलियों से होकर गुजरी, जिससे पूरा नगर नीले रंग की आभा से सराबोर हो गया। जहां-जहां से यह शोभायात्रा निकली, वहां का माहौल उत्साह और भक्ति से परिपूर्ण था। लोग अपने प्रेरणास्रोत और रोल मॉडल डॉ. भीमराव अंबेडकर का जयघोष करते हुए उनके आदर्शों और शिक्षाओं को याद कर रहे थे। ये शोभायात्रा नगर के विभिन्न मांगों से होकर फिर अजंता बुद्ध विहार में जाकर समाप्त हुस दौरान डाक्टर मिट्ठू लाल सुबोध, विमलेश गौतम, पुत्तीलाल, सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

उर्से जहूरी की तैयारियां मुकम्मल

बिलग्राम/ हरदोई, चसं। नगर के मोहल्ला मैदानपुरा स्थित खानकाहे जहूरिया के बुजुर्ग हजरत ज़हूरुद्दीन शाह अलमारूफ छोटे मियां नसीरी चिश्ती कादरी बिलग्रामी का सालाना उर्स जहूरी 15, 16,17, को मनाया जायेगा उर्स की जानकारी देते हुए मास्टर असगर जहूरी बिलग्रामी ने बताया कि 15 अप्रैल को बाद नमाज इशा मिलाद शरीफ का एहतमाम किया जायेगा 16 अप्रैल को छोटे दायरे में क़व्वाली का प्रोग्राम होगा 17 तारीख 4:00 बजे गागर का जुलूस निकाला जायेगा जिसके बाद रात में महफिले सिमा (कव्वाली) का प्रोग्राम होगा सुबह 3:00 बजे आखिरी कुल होगा जिसके बाद सज्जादा नशीन हजरत अनीस मियां ज़हूरी चिश्ती दुआ फरमायेगें और उर्स का समापन होगा

जिला पंचायत में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई आंबेडकर जयंती

हरदोई, चसं। सामाजिक समरसता, समानता एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रतिमूर्ति व विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के संविधान रचयिता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती जिला पंचायत हरदोई मे हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा ने भारतीय संविधान अंगीकरण की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम मे डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन समर्पित कर, राष्ट्र निर्माण मे उनके अमूल्य योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत परिसर मे उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों व् क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष प्रेमावती ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए अपना सर्वस्व जीवन समर्पित कर देने वाले बाबा साहब एक व्यक्ति नहीं थे वे एक महान संकल्प का दूसरा नाम थे, उनका व्यक्तित्व एवं उनके आदर्श विचार हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। बाबा साहेब ने हमें संविधान का रास्ता दिखाया, जो देश को प्रगति पथ पर अग्रसर करने का मजबूत माध्यम बना। डॉ0 भीमराव अम्बेडकर ने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज के वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्ग के उत्थान हेतु समर्पित कर दिया, उनके द्वारा किए गए सामाजिक समरसता के प्रयास सदैव याद किए जाएंगे। इसी क्रम मे अध्यक्ष प्रेमावती पीके वर्मा ने अम्बेडकर पार्क हरदोई, ग्राम पुरवा देवरिया सुरसा स्थित बुद्ध अम्बेडकर पार्क तथा ग्राम बौसरा सुरसा हरदोई स्थित बुद्ध विहार मे डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण सहित ग्राम ओदरा नेवलिया सुरसा हरदोई मे श्री ठकुरी प्रसाद समाज कल्याण समिति द्वारा आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर जन्मोत्सव समारोह मे सम्मिलित होकर, बाबा साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत प्रदीप कुमार गुप्ता,अभियंता लाल बहादुर सिंह, मंडल अध्यक्ष सुरसा श्याम जी मिश्रा, जसवंत कुमार नन्हे प्रधान, बूथ अध्यक्ष प्रमोद कुमार गुप्ता, यदुवीर कुमार सहित भाजपा पदाधिकारी व् क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कटियारी में धूमधाम से बनाई गई अंबेडकर जयंती

हरपालपुर/हरदोई, चसं। कस्बे के डॉ राम मनोहर बालिका इंटर कॉलेज में धूमधाम से मनाई गई। मुख्य अतिथि सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पदमराग सिंह यादव पम्मू ने कहा कि डॉक्टर अंबेडकर एक व्यक्ति नहीं विचारधारा है।अंबेडकर ज्ञान, समता , न्याय,मानवता%, मोहब्बत की प्रतिमूर्ति थे।डॉ अंबेडकर ने कड़ा संघर्ष व प्रतिरोध झेलकर समाज के दबे कुचले शोषित वंचित वर्ग के हक व अधिकारों की लड़ाई लड़ी।कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने डॉक्टर अंबेडकर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए प्रेरणादायक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्यालय के प्रधानाचार्य उदय प्रताप सिंह,उप प्रधानाचार्य विपिन यादव,अभिषेक मिश्रा, विश्वनाथ कुशवाहा, धर्मेंद्र यादव,प्रधान विजय बाबू जिला पंचायत सदस्य राजीव राजपूत आदि मौजूद रहे।

डॉ राम मनोहर बालिका इंटर कॉलेज में धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर की जयंती

हरदोई, चसं। आयोजन में कॉलेज की छात्र, छात्राओं अभिभावकों को वह स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद पदमराज सिंह यादव (पम्मू)पूर्व जिला अध्यक्ष सपा ने कहा कि डॉक्टर अंबेडकर एक व्यक्ति नहीं विचारधारा है, अंबेडकर यानी ज्ञान, अंबेडकर यानी समता, अंबेडकर यानी न्याय, अंबेडकर यानी मानवता, अंबेडकर यानी मोहब्बत अंबेडकर हमारा फक्र है। डॉ अंबेडकर ने कड़ा संघर्ष व प्रतिरोध झेलकर समाज के दबे कुचले शोषित वंचित वर्ग के हक के अधिकारों की लड़ाई लड़ी एवं सामाजिक न्याय दिलाने को सतत संघर्ष किया और सफल भी हुए यह वही डॉ आंबेडकर है जिन्होंने जीते जी सामाजिक तिरस्कार झेला और आज वर्तमान में उनकी विचारधारा इस तरह सर्व व्यापी हो रही की उन्हें सम्मान देने की सभी वर्गों जातीय समुदायों में होड सी मची हुई है। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने डॉक्टर अंबेडकर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए प्रेरणादायक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्यालय के प्रधानाचार्य उदय प्रताप सिंह, उप प्रधानाचार्य विपिन, अभिषेक, विश्वनाथ, धर्मेंद, विजय बाबू वाजपेई, राजीव राजपूत सदस्य जिला पंचायत, पुनीत, होरीलाल, सोनपाल, रामजीवन गौतम आदि बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक व अभिभावक गढ़ मौजूद रहे।

कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई 135वीं डॉ. बीआर अम्बेडकर जयंती

चर्चित राजनीति। संवाददाता

कछौना, हरदोई। भारत रत्न डॉ. बीआर अम्बेडकर की 135वीं जयंती कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र में धूम धाम से मनाई गई। केक काटकर प्रतिमा के सामने श्रद्धा सुमन अर्पित कर प्रभात फेरी निकाली गई। कस्बा में स्टेशन मार्ग पर इन्द्रा मॉर्केट में स्थित अम्बेडकर प्रतिमा पर नगर अध्यक्ष राधा रमण शुक्ला उर्फ पंकज व सभासद विनीत लाला व राष्ट्रीय प्रबुद्ध अम्बेडकर क्लब के पदाधिकारियों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। केक काटकर खुशियां मनाई।

नगर अध्यक्ष राधा रमण शुक्ला उर्फ पंकज ने कहा बाबा साहेब ने संविधान का निर्माण कर सभी लोगों को समानता के साथ जीने का अधिकार दिया। सेवानिवृत शिक्षक गया प्रसाद हंस ने बताया डॉक्टर भीमराव अंबेडकर साहब का जन्म दिवस समझाने के पीछे उनके जीवन पर प्रकाश डाला, उनके कार्यों की चर्चा कर उनके योगदान को याद कर उनके आदर्शों को आत्मसात करने का दिन है। भन्ते जी ने कहा बाबा साहब सामाजिक न्याय के प्रेरणा थे, जब हम सब जाति-पांति, पूंजीवाद, असमानता, अंधविश्वास, छुआछूत व पाखण्ड वाद से मुक्त हो, बाबा साहब के आदर्शों पर जीवन यापन करें। तभी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कस्बे के मोहल्ला सदर बाजार में अंबेडकर पार्क में स्थित प्रतिमा पर कस्बा सहित क्षेत्र के लोगों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम सभा समसपुर, नैरा, मोहाई, पतसेनी, अरसेनी, पकरियाऊसर, पुरवा, बर्राघूमन, बिलौनी, त्यौरी, हिंदू खेड़ा, गोठवा, पूरब खेड़ा, कोरिहाना, उनवा, रामपुर, दीननगर, गौसगंज, झब्बू खेड़ा, उसरहा, छनोइया आदि स्थानों पर लोगों ने बढ़ चढ़कर अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर गोष्ठी, भंडारा आदि सहित विभिन्न आयोजनों के माध्यम से सेलिब्रेट किया। एमएलसी अशोक अग्रवाल ने संविधान निर्माता 'भारत रत्न' डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जन्म-जयंती पर ग्राम गंभीरपुर, ग्राम गोहरइया, ग्राम छनोईया, में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें कोटि कोटि नमन किया। इस दौरान सांसद अशोक रावत, विधायक अल्का सिंह अर्कवंशी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने ग्राम बेरुआ में अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। ग्राम सभा गौसगंज में सामाजिक कार्यकर्ता रवीश कुमार सिंह ने अम्बेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला। समता भोज भी किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता बसंत, रामदीन, सुशील कुमार सहित पुरुष महिलाओं बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। संत श्री लक्ष्मण दास ज्ञान मंदिर पुरवा स्कूल में बाबा साहब की जयंती पर छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। समाज में जन जागरण पैदा की गई। प्रबंधक ने बताया शिक्षा ही एक माध्यम है जो सभी नागरिकों को सशक्त बनाता है। नेहरू युवा केंद्र हरदोई के तत्वाधान में नेहरू युवा मंडल व प्रबुद्ध ज्ञान विकास समिति बाबा साहब के जयंती अवसर पर विभिन्न आयोजनों के माध्यम से याद किया। अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वालों को पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक शाहीन फातिमा के द्वारा अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता डॉक्टर नरेंद्र वर्मा ने विभिन्न ग्राम सभाओं में प्रतिभाग कर बाबा साहब को याद किया, उन्होंने बताया बाबा साहब ने अपना जीवन अछूतों, महिलाओं, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य किया। ग्राम सभा बालामऊ में ग्राम प्रधान आलोक कुमार उर्फ विपिन ने अम्बेडकर प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर क्षेत्रीय विकास जन आंदोलन के अध्यक्ष रामखेलावन कनौजिया सहित प्रबुद्धजन मौजूद रहे। ग्राम त्यौरी में अपनी वाटिका में बाबा साहब के जन्म दिवस पर सम सरता भोज कराया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान असद शाहिद, अंशू गौतम, सचिन गौतम, डॉक्टर अखिलेश वर्मा ग्राम वासी मौजूद रहे। केनरा बैंक पर स्थित आशुतोष डिजिटल लाइब्रेरी में प्रतिभागी छात्रों ने बाबा साहब की जयंती को धूमधाम से मनाया।

इस अवसर पर डायरेक्टर शिक्षक आशुतोष प्रजापति, डॉक्टर प्रमोद यादव व प्रतिभागी छात्र मौजूद रहें। क्षेत्र के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं बी0डी0 कुरील, प्यारेलाल आदर्श, बृजेश कुमार हंस, पी0डी0 गौतम, भूपनारायण वर्मा, अमित गौतम, रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्य नवनीत कुमार, दुलारे लाल, हरपाल, रमेश कुमार, पुत्तीलाल कुरील, अपना दल के जिला अध्यक्ष राजेंद्र गौतम, बहुजन अधिकार मोर्चा के अध्यक्ष इंजीनियर सरोज गौतम ने अपनी पूरी टीम के साथ गांव-गांव जाकर बाबा साहब की जयंती को धूमधाम से मनाया।

संक्षिप्त समाचार

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के होटल में लगी आग, अंदर मौजूद थी टीम, मची अफरा-तफरी

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के बंजारा हिल्स इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक फाइव स्टार होटल में आग लगने की खबर सामने आई क् और हैरानी की बात ये थी कि उसी होटल में आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ठहरी हुई थी। जैसे ही आग लगने की सूचना मिली, मौके पर पुलिस और दमकल विभाग की टीमें फौरन पहुंचीं और तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घटना के समय सनराइजर्स हैदराबाद टीम के सदस्य होटल की छठी मंजिल पर थे लेकिन फौरन उन्होंने होटल खाली कर दिया और चले गए। होटल में रह रहे सभी मेहमानों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग पर भी कुछ ही देर में काबू पा लिया गया। घटना हैदराबाद के हाई-प्रोफाइल बंजारा हिल्स इलाके की है, जो शहर के सबसे व्यस्त और अमीर इलाकों में से एक माना जाता है। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी, हालांकि इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। जांच जारी है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम इस समय आईपीएल में सक्रिय है और अगले मुकाबले की तैयारी में जुटी है। आग की इस घटना ने फैंस को भी कुछ समय के लिए चिंता में डाल दिया, लेकिन राहत की बात ये रही कि सभी खिलाड़ी पूरी तरह सुरक्षित हैं।

भारतीय रेलवे ने 2024-25 में बेहतर प्रदर्शन के साथ अधिक आय की अर्जित

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष के लिए परिचालन अनुपात में सुधार दर्ज किया है, जो 98.32 प्रतिशत है। इसी के साथ आय में 2.65 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए, यात्री राजस्व में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि माल ढुलाई आय में 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारतीय रेलवे (आईआर) ने अपने परिचालन अनुपात में सुधार किया है, जो 98.32 प्रतिशत है। यह प्रदर्शन में दक्षता के स्तर को दर्शाता है। इसका मतलब है कि रेलवे ने 2024-25 के दौरान हर 100 रुपये कमाने के लिए 98.32 रुपये खर्च किए। वर्ष 2023-24 के दौरान परिचालन अनुपात 98.43 प्रतिशत रहा, क्योंकि रेलवे ने प्रत्येक 100 रुपये की कमाई पर 98.43 रुपये खर्च किए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रेलवे में लागत में कटौती के उपायों में जनशक्ति प्रबंधन और पटरियों का विद्युतीकरण शामिल है, जिससे भारी बचत हुई है, क्योंकि डीजल इंजनों से ट्रेन चलाना अधिक महंगा है। भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता में सुधार हुआ है, क्योंकि वर्तमान में 80,000 किलोमीटर तक विस्तारित ट्रेनों के लिए 110 किलोमीटर प्रति घंटे की गति क्षमता है, जो 2014 में केवल 31,000 किलोमीटर थी। इसके अलावा, 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति क्षमता के लिए 2014-15 से 2024-25 तक लगभग 23,000 किलोमीटर ट्रैक को अपग्रेड और सुधार किया गया है। आरक्षित श्रेणी में अधिक लोगों के यात्रा करने और माल ढुलाई में वृद्धि के साथ, भारतीय रेलवे ने वर्ष के दौरान आय में वृद्धि दर्ज की। 1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 के बीच भारतीय रेलवे से कुल 715 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की। डेटा से यह भी पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025 में कुल यात्रियों में से 81 करोड़ ने एसी और स्लीपर क्लास के यात्रियों सहित आरक्षित श्रेणी से यात्रा की और 634 करोड़ अनारक्षित श्रेणी के यात्री थे। इसमें उपनगरीय यात्रा भी शामिल है, जो भारतीय रेलवे के कुल यात्रियों का 55 प्रतिशत से अधिक है और इस पर भारी सब्सिडी दी जाती है। इसी तरह, भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2024 में हासिल 1,590.68 मीट्रिक टन की तुलना में 1,617 मिलियन टन (एमटी) से अधिक फ्रेट लोडिंग की। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 1.7 प्रतिशत या 26.70 मीट्रिक टन की वृद्धि है। भारतीय रेलवे के कुल माल लदान मिश्रण में कोयला 50 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025 में भारतीय रेलवे द्वारा लगभग 822 मीट्रिक टन कोयला, 89 मीट्रिक टन कंटेनर, 51 मीट्रिक टन पेट्रोलियम और लगभग 50 मीट्रिक टन खाद्यान्न का परिवहन किया गया। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि घरेलू कंटेनरों में हॉट रोल्ड कॉइल, सिरेमिक टाइलें, वॉल केयर पुट्टी और चावल प्रमुख वस्तुएं हैं। पिछले वर्ष की तुलना में, घरेलू कोयले की लोडिंग में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि घरेलू कंटेनरों की लोडिंग में 19.72 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी तरह, उर्वरकों की लोडिंग में सालाना आधार पर 1.25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारतीय रेलवे द्वारा कोयले की अधिक लोडिंग के कारण, बिजली घरों में स्टॉक 57 मीट्रिक टन रहा।

अल्ट्रावॉयलेट ने लखनऊ में अपने पूरे उत्पाद पोर्टफोलियो का प्रदर्शन किया

लखनऊ, चसं। 'भारत की सबसे तेज मोटरसाइकल' बनाने वाली कंपनी अल्ट्रावॉयलेट ने आज लखनऊ में अपने अत्याधुनिक उत्पादों की श्रंखला का भव्य प्रदर्शन किया। देश के तेरह शहरों में मौजूदगी के साथ, यह शोकेस कंपनी के विकास यात्रा की दिशा में एक और उपलब्धि है और भारतभर के ग्राहकों को सेवा देने की इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अब उत्तर प्रदेश के लोग भी अल्ट्रावॉयलेट की तकनीकी रूप से उन्नत और प्रदर्शन-प्रधान टू-व्हीलर्स का अनुभव कर पाएंगे। ये ऐसे टू-व्हीलर्स हैं जो पहले से ही देशभर में ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने के प्रयास में, कंपनी लखनऊ में इस साल एक अत्याधुनिक 3एस एक्सपीरियंस सेंटर खोलेगी, जो बिक्री, सेवा और स्पेयर पार्ट्स की सुविधा एक ही स्थान पर देगा। इस तरह लखनऊ और उत्तर प्रदेश के आस-पास के क्षेत्रों में ग्राहकों के लिए एक अद्वितीय अनुभव सुनिश्चित होगा। अल्ट्रावॉयलेट के सीईओ और को-फाउंडर नारायण सुब्रमण्यम ने कहा, हम आज यहां अपना पूरा उत्पाद पोर्टफोलियो पेश कर गर्व महसूस कर रहे हैं। लखनऊ, भारत के स्मार्ट सिटी कार्यक्रम का हिस्सा होने के नाते, सतत शहरी योजना, बेहतर सार्वजनिक सेवाओं और मजबूत आधारभूत संरचना की दिशा में अग्रसर है। इसका ऐतिहासिक और आधुनिकता का मिश्रण इसे शहरी विकास का बेहतरीन उदाहरण बनाता है। यही ऊर्जा और नवाचार के प्रति बढ़ती रुचि हमारे दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाती है दृ जिसमें उच्च प्रदर्शन, डिजाइन-आधारित और टिकाऊ मोबिलिटी समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता है। यह कदम उन उभरते बाजारों में हमारी सशक्त उपस्थिति को दर्शाता है, जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों की आकांक्षाओं को पूरा करता है। लखनऊ में हमारी मौजूदगी अल्ट्रावॉयलेट के उस मिशन को रेखांकित करती है, जिसके अंतर्गत हम भारत के हर कोने तक विश्व-स्तरीय नवाचार को पहुंचाना चाहते हैं। हम लखनऊ और उत्तर प्रदेश के ग्राहकों को एक सहज, उन्नत और प्रीमियम ओनरशिप अनुभव देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

कंपनी ने दो नए मुख्यधारा उत्पाद भी पेश किए दृ दुनिया का सबसे उन्नत इलेक्ट्रिक स्कूटर 'टेसरैक्ट और एक डिसरप्टिव इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल 'शॉकवेव। टेसरैक्ट में अपने सेगमेंट का पहला इंटीग्रेटेड रडार और डैशकैम है, जो ओम्नीसेंस मिरर्स के साथ मिलकर ब्लाइंडस्पॉट डिटेक्शन, लेन चेंज असिस्ट, ओवरटेकिंग असिस्ट और कोलिजन अलर्ट जैसी उन्नत सुरक्षा तकनीकें प्रदान करता है। इसमें ट्रैक्शन कंट्रोल और डायनामिक रीजेन भी है जो सुरक्षा और ऊर्जा कुशलता को बढ़ाता है। साथ ही, इसमें 7 का टचस्क्रीन टीएफ्टी डिस्प्ले और ओआरवीएम में मल्टी-कलर एलईडी डिस्प्ले हैं। शॅकवेव यह एक खास डिजाइन की गई और इंजीनियर्ड मोटरसाइकल है, जो राइडिंग का जोश वापस लाने और टू-स्ट्रोक मोटरसाइकल युग की याद दिलाने के लिए बनाई गई है दृ हल्की, मजेदार और आसान राइडिंग का अनुभव।

के सीटीओ और को-फाउंडर नीरज राजमोहन ने कहा, लखनऊ तेजी से प्रगति और आकांक्षाओं का केंद्र बनता जा रहा है, और हमें गर्व है कि हम अपनी अत्याधुनिक तकनीक को इस गतिशील शहर में ला रहे हैं। हम अपने नवाचारों को मुख्यधारा के बाजार तक अधिक सुलभ बनाते हुए भी, अपने फ्यूचरिस्टिक डिजाइन और उन्नत इंजीनियरिंग की पहचान को बनाए रखे हुए हैं। यह कदम हमारे नवाचार, अनुसंधान एवं विकास, और ग्राहकों को केंद्र में रखने के हमारे विजन को लेकर हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा फोकस लगातार ऐसी श्रेष्ठ तकनीकों के विकास पर है, जो न केवल हमारे उत्पादों को अपनी श्रेणी में सर्वोत्तम बनाती हैं, बल्कि हमारे बढ़ते ग्राहक समुदाय को एक अधिक कनेक्टेड, सहज और बिना किसी झंझट के ओनरशिप अनुभव भी प्रदान करती हैं। वित्त वर्ष 2026 तक, कंपनी का लक्ष्य भारत के पचास शहरों तक पहुंच बनाना है, साथ ही यूके, जर्मनी, स्पेन, पुर्तगाल और फ्रांस जैसे वैश्विक बाजारों में भी विस्तार करना है।

चेन्नई ने लखनऊ को रौंदा, 5 विकेट से जीता मैच

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लगातार पांच हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने अब जीत के रास्ते पर वापसी कर ली है। एमएस धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई ने सोमवार को लखनऊ सुपरजायंट्स को उसके घर इकाना स्टेडियम में पांच विकेट से हरा दिया। ये चेन्नई की इस सीजन दूसरी जीत है तो लखनऊ की तीसरी हार। टीम की जीत में फिनिशर धोनी का अहम रोल रहा।

> शंकर के बाद धोनी ने मैदान पर कदम रखा और हमेशा की तरह पूरा स्टेडियम माही के शोर से गूंज उठा। धोनी ने 15वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर आवेश खान पर दो चौके मार फैंस की उम्मीदें जिंदा रखीं। 17वें ओवर की आखिरी गेंद पर भी धोनी ने छक्का मार लखनऊ की चिंताओं को बढ़ा दिया।

कप्तान ऋषभ पंत के 63 रनों के दम पर लखनऊ ने संघर्ष करते हुए 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 166 रन बनाए। चेन्नई ने 167 रनों का टारगेट 19.3 ओवरों में हासिल कर लिया। धोनी ने 11 गेंदों पर नाबाद 26 रन बनाए जिसमें चार चौके और एक छक्का शामिल रहा। दुबे ने 35 गेंदों पर दो चौके और इतने ही छक्कों की मदद से नाबाद 38 रन बनाए। इस मैच में धोनी ने 20 साल के युवा बल्लेबाज शेख रशीद को मौका दिया और उन्होंने रचिन रवींद्र के साथ मिलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी। इस युवा बल्लेबाज ने शानदार बल्लेबाजी की और अपने खूबसूरत शॉट्स से सभी को प्रभावित किया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 52 रन जोड़े। पाचवें ओवर की पांचवीं गेंद पर रशीद को आवेश खान ने निकोलस पूरन के हाथों कैच करा उनकी पारी का अंत

कर दिया। रशीद ने 19 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 27 रन बनाए। लखनऊ को विकेट नहीं मिल रहे थे। ऐसे में पंत ने एडेन मार्करम को बुलाया और उन्होंने रचिन रवीद्र को एलबीडब्ल्यू कर दिया। राहुल त्रिपाठी एक बार फिर फेल हुए। 10 गेंद खेलने के बाद वह नौ रन ही बना सके। उन्हों रवि बिश्नोई ने पवेलियन की रहा दिखाई। राहुल का विकेट 76 रनों पर गिरा था। इसके बाद शिवम दुबे और रवींद्र जडेजा ने मोर्चा संभाला। टीम को दोनों से काफी उम्मीदें थी, लेकिन बिश्नोई ने जडेजा को अपने जाल में फंसा लिया। 13वें ओवर की दूसरी गेंद पर वह सात रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद आए विजय शंकर भी रनों की गति को बढ़ा नहीं पा रहे थे जिसके दबाव में बड़ा शॉट खेलते हुए 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर दिग्वेश राठी का शिकार हो गए। शंकर के बाद धोनी ने मैदान पर कदम रखा और हमेशा की तरह पूरा स्टेडियम माही के शोर से गूंज उठा। धोनी ने 15वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर आवेश खान पर दो चौके मार फैंस की उम्मीदें जिंदा रखीं। 17वें ओवर की आखिरी गेंद पर भी धोनी ने छक्का मार लखनऊ की चिंताओं को बढ़ा दिया। आखिरी दो ओवरों में चेन्नई को जीत के लिए 24 रनों की जरूरत थी। दुबे और धोनी के दम पर चेन्नई ने ये रन बना लिए और जीत हासिल की। घरेलू मैदान अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में सोमवार को लगातार तीसरी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरे लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन मध्यक्रम में कप्तान की अर्धशतकीय पारी की मदद से मेजबान टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को 167 रनों का लक्ष्य दिया। पिछले मुकाबलों में एलएसजी की जीत की गारंटी बने एडम मार्करम (06) और निकोलस पूरन (08) सीएसके के खिलाफ कोई कमाल नहीं कर सके। मिचेल मार्श (30) आक्रामक शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में विफल रहे।

चेन्नई के कप्तान धोनी ने पिच के मिजाज को समझते हुए टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। खलील अहमद ने अपने कप्तान के निर्णय को सही साबित किया। खलील ने पहले ओवर की आखिरी गेंद पर मार्करम को आउट कर चेन्नई को बड़ी सफलता दिलाई। 23 रन के कुल स्कोर पर एलएसजी को निकोलस पूरन के रूप में दूसरा तगड़ा झटका लगा। अंशुल काम्?बोज ने मैच के चौथे ओवर की आखिरी गेंद पर कैरेबियाई बल्लेबाज को एलबीडब्ल्यू कर चेन्नई को सबसे बड़ा विकेट दिलाया। हालांकि, इसके लिए धोनी को रिव्यू का सहारा लेना पड़ा, जिसमें पूरन विकेट के सामने पाए गए। उन्होंने नौ गेंदों की पारी में दो चौके लगाए। लखनऊ ने चार ओवरों में 23 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। अब टीम की नैया पार लगाने की जिम्मेदारी खराब फॉर्म से जूझ रहे पंत के कंधों पर थी। उन्होंने टीम प्रबंधन की उम्मीद को बरकरार रखा और क्रीज पर पहुंचते ही शानदार चौका जड़कर अच्छा संकेत दिया। हालांकि, इसी बीच मार्श को जडेजा ने बोल्ड कर दिया। पंत ने मिचेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान ने आयुष बडोनी (22) के साथ धीरे-धीरे पारी को आगे बढ़ाया। इस दौरान बडोनी को दो बार जीवनदान मिले, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। जडेजा की शानदार गेंद पर धोनी ने उन्हें स्टंप आउट कर लखनऊ को करारा झटका दिया। पिछले छह मैचों की पांच पारियों में सिर्फ 40 रन बनाने वाले पंत इस अहम मुकाबले में बिल्कुल अलग अंदाज में दिख रहे थे। कई अच्छे शॉट लगाने के बाद उनका आत्मविश्वास भी मजबूत हो रहा था। लगातार विकेट गिरने की वजह से वह अपनी शैली के अनुरूप तो बल्लेबाजी नहीं कर पाए, लेकिन आउट होने से पहले टीम को चुनौतीपूर्ण लक्ष्य तक जरूर पहुंचाया। पंत ने 42 गेंदों पर तीन चौके और तीन छक्कों की मदद से सीजन का पहला अर्धशतक लगाकर आईपीएल में जोरदार वापसी की। कप्तान के फॉर्म में लौटने से लखनऊ को जरूर राहत मिली होगी।

ऋषभ पन्त ने लगायी फिफ्टी : लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने आखिरकार अपनी फॉर्म हासिल कर ली है। उन्होंने सोमवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ अर्धशतक ठोका है। ये उनका इस सीजन का पहला अर्धशतक है। पंत की फॉर्म लखनऊ के लिए चिंता का विषय थी जो अब दूर होती दिख रही है। पंत चेन्नई के कप्तान एमएस धोनी को अपना गुरु मानते हैं और उन्हीं के सामने बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने फॉर्म में वापसी करते हुए अपनी टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकालते हुए सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा दिया है। पंत के अर्धशतक के दम पर लखनऊ ने 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 166 रन बनाए हैं। पंत ने 19 पारियों बाद टी20 में अर्धशतक जमाया है। ये बताता है कि वह कितने दिनों से रनों और बड़ी पारी के लिए संघर्ष कर रहे थे। उनकी ये पारी तब आई जब टीम को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। इस सीजन एडेन मार्करम, निकोलस पूरन और मिचेल मार्श लखनऊ की बल्लेबाजी की धुरी रहे

■ **चेन्नई सुपरकिंग्स को पांच मैचों बाद मिली जीत**

हैं। लेकिन चेन्नई के खिलाफ ये तीनों फेल हो गए। यहां पंत पर कप्तानी पारी खेलने की जिम्मेदारी थी। पंत ने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और टीम को एक अच्छे स्कोर तक ले गए। आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर पंत मथीसा पथीराना की गेंद पर धोनी के हाथों ही लपके गए। उन्होंने 49 गेंदों का सामना किया और चार चौकों के अलावा इतने ही छक्के मारते हुए 63 रन बनाए। लखनऊ की टीम इस सीजन अपने तीन विदेशी बल्लेबाजों पर निर्भर है। निकोलस पूरन, मिचेल मार्श और एडेन मार्करम ने अभी तक लखनऊ की बल्लेबाजी को संभाल रखा है, लेकिन चेन्नई के खिलाफ ये तीनों बल्लेबाज फेल रहे। मार्करम को खलील अहमद ने पहले ही ओवर की आखिरी गेंद पर आउट किया। इसमें राहुल त्रिपाठी के शानदार कैच का अहम रोल रहा। वह छह रन ही बना सके। पूरन को अंशुल कम्बोज ने आठ रनों से आगे नहीं जाने दिया। मार्श 25 गेंदो पर तीन रन ही बना सके। इनके अलावा आयुश बडोनी ने 17 गेंदों पर 22, अब्दुल समद ने 11 गेंदों पर 20 रन बनाए।

शेख रशीज को दो साल बाद आईपीएल डेब्यू का मौका मिला : चेन्नई सुपरकिंग्स के नवनियुक्त कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने सोमवार को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ प्लेइंग-11 में दो बदलाव किए हैं। उन्होंने दो दिग्गज खिलाड़ियों को बाहर किया है जिसमें रविचंद्रन अश्विन और डेवन कॉन्वे के नाम शामिल हैं। अश्विन की जगह जेमी ओवरटन टीम में आए हैं तो डेवन की जगह शेख रशीद को मौका मिला है। शेख रशीद अपना आईपीएल डेब्यू कर रहे हैं। कॉन्वे की जगह उनको मौका मिलना बताता है कि धोनी इस युवा बल्लेबाज पर भरोसा करते हैं और इसलिए मुश्किल समय में उनको डेब्यू का मौका दिया है। धोनी ने जैसे ही शेख रशीद का नाम लिया तब से सभी के मन में सवाल है कि ये युवा बल्लेबाज कौन है? इस युवा बल्लेबाज के बारे में हम आपको बताते हैं। 20 साल के रशीद आंध्र प्रदेश के गुंटूर के रहने वाले हैं। 24 सितंबर 2004 को जन्मे रशीद भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक उभरते हुए सितारे के तौर पर गिने जा रहे हैं। वह साल 2022 अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारती टीम के उप-कप्तान थे। इस टूर्नामेंट में उन्होंने चार मैचों खेले जिसमें 201 रन बनाए। इस वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 94 रनों की पारी ने रशीद को ख्याति दिलाई। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में भी उन्होंने अर्धशतक जमाया था। वह टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में तीसरे स्थान पर रहे। ये युवा बल्लेबाज साल 2023 से चेन्नई की टीम का हिस्सा लेकिन, एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में फ्रेंचाइजी ने उन्हें 30 लाख रुपये खरीदा और दोबारा अपनी टीम में ले लिया। आंध्र के लिए घरेलू क्रिकेट में दाएं हाथ के इस युवा बल्लेबाज ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 19 मैचों में 46.04 की औसत से 1204 रन बनाए हैं जिसमें 2024-25 रणजी ट्रॉफी में दोहरा शतक भी शामिल है। टी20 में उन्होंने 17 मैचों में 127.07 की स्ट्राइक रेट से 352 रन बनाए हैं। आंध्र प्रीमियर लीग में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें चेन्नई की प्लेइंग इलेवन में जगह दिलाई।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11 इस प्रकार है- लखनऊ सुपर जायंट्स में ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), एडेन मार्करम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, डेविड मिलर, अब्दुल समद, शार्दुल ठाकुर, अवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश सिंह राठी। और चेन्नई सुपर किंग्स में एमएस धोनी (कप्तान/विकेटकीपर) शेख रशीद, रचिन रवींद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, रवींद्र जड़ेजा, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, खलील अहमद, मथीशा पथिराना को शामिल किया गया।

राहुल त्रिपाठी का शानदार कैच : राहुल त्रिपाठी ने सोमवार को आईपीएल 2025 के 30वें मैच में एक हैरतअंगेज कैच पकड़कर फैंस को अपना दीवाना बना लिया है। सीएसके के खिलाड़ी राहुल त्रिपाठी ने इकाना स्?टेडियम पर लखनऊ के ओपनर एडेन मार्करम का जानदार कैच लपका। दरअसल, खलील अहमद पारी का पहला ओवर कर रहे थे। उन्होंने आखिरी गेंद पर मार्करम को अपना शिकार बनाया, जिसका प्रमुख श्रेय राहुल को गया क्योंकि उन्होंने टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ में से एक कैच लपका। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने लेग स्टंप पर सीधी लेंथ गेंद डाली, जिस पर मार्करम मिडविकेट की दिशा में शॉट खेलने गए। गेंद मार्करम के बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर कवर्स के ऊपर से गई, जहां त्रिपाठी पीछे दौड़ते हुए गए और कैच पकड़कर आगे की तरफ डाइव लगाकर खुद को रोका। राहुल इस कैच के कारण आकर्षण का केंद्र बने। त्रिपाठी ने 29.6 मीटर की दूरी तय करते हुए यह कैच लपका। राहुल त्रिपाठी के अद्भुत कैच का वीडियो वायरल हो गया है। यूजर्स ने त्रिपाठी को नया नाम भी दे डाला है।

कई यूजर्स ने राहुल को फ्लाइंग त्रिपाठी का नाम दिया है। राहुल त्रिपाठी के कैच ने सीएसके टीम और फैंस में जान फूंक दी। सीएसके को एमएस धोनी की कप्तानी में जीत की उम्मीद है। सीएसके मौजूदा सीजन में बेहद खराब दौर से गुजर ही है। येलो आर्मी ने आईपीएल 2025 में अब तक 6 मैच खेले, जिसमें से उसे केवल 1 मैच में जीत मिली जबकि लगातार पांच मैचों में शिकस्त झेलनी पड़ी। आईपीएल इतिहास में यह पहला मौका है जब सीएसके ने एक सीजन में लगातार पांच मैच गंवाए। एमएस धोनी के नेतृत्व वाली चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम इस समय प्वाइंट्स टेबल में आखिरी यानी 10वें स्थान पर काबिज है। सीएसके की टीम जीत की तलाश में जुटी हुई है।

कौशल किशोर ने किया केएम ऑटो सेल्स एंड सर्विस का उद्घाटन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। दुबग्गा में इलेक्ट्रिक स्कूटर की मशहूर कंपनी (बीगॉस) के आज एक और नए शोरूम की शुरुआत हो चुकी है। (बीगॉस) के नए डीलर के. एम. ऑटो सेल्स एंड सर्विस के इस भव्य शोरूम का उद्घाटन 14 अप्रैल 2025 को मुख्य अतिथि कौशल किशोर (आवास एवं शहरी पूर्व राज्य मंत्री, भारत सरकार) द्वारा फीता काटकर किया गया।

इस दौरान पूर्व मंत्री ने के. एम. ऑटो सेल्स एंड सर्विस को बधाई देते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक स्कूटर के उपयोग की वृद्धि वातावरण को प्रदूषणमुक्त करेगी। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में मलिहाबाद से विधायक जय देवी, संजय गुप्ता (प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापर मंडल) और ठळ।ै (बीगॉस) ऑटो प्राइवेट लिमिटेड से(हेड विक्टर) सिरोही जी, दीपक मक्कड़ जी, (नेटवर्किंग हेड)नितिन ठाकुर जी उपस्थित रहे के. एम. ऑटो सेल्स एंड सर्विस से श्री निलेश गुप्ता जी ने बताया कि उद्घाटन के दौरान छोटी पूंजी वाले ग्राहकों के लिए के. एम. ऑटो सेल्स एंड सर्विस ने विशेष ऑफर निकाला है स इस दौरान इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने वाले ग्राहकों को फ्री बीमा और रजिस्ट्रेशन के साथ एक्सटेंडेड वारंटी को भी पूरी तरह से फ्री कर दिया गया है। जिससे स्कूटर खरीदने वाले ग्राहक हजारों रूपए का लाभ पाकर उत्साहित दिखे। उद्घाटन के दौरान विशेष ऑफर देते हुए के. एम. ऑटो सेल्स एंड सर्विस ने स्कूटर का भुगतान छोटी किस्तों में करने वाले लोगों के लिए 100 परसेंट फाइनेंस तक की स्कीम भी ओपन कर दी। इस दौरान मात्र 10 मिनट में लोन अप्रूवल के साथ कई ग्राहकों ने इसका लाभ प्राप्त किया। ग्राहकों को यह सुविधा फाइनेंस सेक्टर के रेप्युटेटेड ब्रांड्स एचडी एफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एसोफी फाइनेंस और माम्बा फाइनेंस के माध्यम से प्राप्त हो रही है। उद्घाटन के दौरान उपस्थित रहे ठळ।ै (बीगॉस) ऑटो प्राइवेट लिमिटेड के हेड श्री विक्टर सिरोही जी ने बताया कि इलेक्ट्रिक स्कूटर में (बीगॉस) की ल्ुट 350 और ब्12प ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है। ठळ।ै (बीगॉस) की ल्ुट 350 सोलह इंच के एलाय टायर के साथ अपनी मेटल बॉडी से मजबूती की ओर ग्राहकों को आकर्षित कर रही है। प्रत्येक चार्जिंग पर 143 किलोमीटर की कैपेसिटी के साथ ठळ।ै (बीगॉस) 5 साल और 1 लाख किमी. तक की वारंटी प्रदान कर रही है। इसके साथ अपने वाटर प्रूफ फीचर और टीएफ्टी मॉनिटर के साथ इसकी ब्लूटूथ कनेक्टिविटी युवा ग्राहकों को आकर्षित कर रही है। और (बीगॉस) का ब्12प एक फैमिली स्कूटर के रूप में लोगों की पसंद बना हुआ है। जिसमें 23 लीटर और 4 लीटर के दो स्टोरेज दिए गए हैं। ठळ।ै (बीगॉस) इस स्कूटर पर 5 साल के साथ 75000 किमी. तक की वारंटी प्रदान कर रहा है। इस मॉडल में डिजिटल मेटर के साथ एलईडी लाइट्स इसके खास फीचर्स हैं। इनकी किफायती कीमतों को सुनकर ग्राहक भी चौक जाते हैं। हाई टेक्नोलॉजी फीचर्स के साथ इनकी शुरुआत एक्स शोरूम प्राइस में मात्र 95999 रूपए से है।

डेयरी में दूध की आवक घटने से देशी घी के भाव में भारी उछाल

चर्चित राजनीति। एजेंसी

जयपुर। उत्तर भारत की डेयरियों में दूध की उपलब्धता में कमी आने के कारण इन दिनों देशी घी की कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है। होली के बाद से अब तक ब्रांडेड देशी घी के भाव लगभग 500 रुपये प्रति टिन तक बढ़ गए हैं।

कारोबारियों का कहना है कि गर्मियों के मौसम में दूध उत्पादन में कमी और मांग स्थिर रहने के कारण घी की कीमतों में यह वृद्धि हुई है। गर्मी के दिनों में पशुओं द्वारा दूध का उत्पादन कम होने से सभी डेयरी उत्पादों की कीमतें बढ़ रही हैं। हालांकि, जैसे ही कंपनियों ने अपने ब्रांडेड देशी घी के भाव बढ़ाए हैं, बाजार में इसकी बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट आई है। खुदरा विक्रेताओं, जिनकी प्रतिदिन लगभग 10 टिन घी की बिक्री होती थी, अब मुश्किल से दो टिन भी बेच पा रहे हैं। बाजार में और भी तेजी की आशंकाओं के चलते खरीदार फिलहाल खरीदारी से पीछे हट रहे हैं। इस बीच, वैश्विक स्तर पर देशी घी की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत से घी खरीदने वाले देशों में मिस्त्र सबसे बड़ा आयातक है। बता दें कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा घी उत्पादक देश है, जबकि पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है। भारत सरकार भी घी के उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से रुचि ले रही है। डेयरी विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में दूध का वार्षिक उत्पादन 23 करोड़ टन तक पहुंच गया है। स्थानीय डेयरी उत्पाद बाजार में कृष्णा घी की कीमत लगभग 8745 रुपये प्रति 15 किलो टिन और महान घी की कीमत लगभग 9000 रुपये प्रति 15 किलो टिन तक पहुंच गई है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि यदि दूध की आवक में सुधार नहीं होता है, तो आने वाले दिनों में देशी घी की कीमतों में और भी वृद्धि देखने को मिल सकती है।

ईस्पोर्ट्स विश्व कप में भाग लेंगे भारतीय ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन और अरविंद चितांबरम

मुंबई, एजेंसी। भारत के दो मशहूर शतरंज खिलाड़ी निहाल सरीन और अरविंद चितांबरम ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप (ईडब्ल्यूसी) 2025 में हिस्सा लेंगे। इन्हें एस8यूएल की शतरंज टीम में शामिल किया गया है। इस साल पहली बार ईडब्ल्यूसी में शतरंज को शामिल किया गया है। इस खेल के लिए कुल इनाम राशि 1.5 मिलियन डॉलर (लगभग 12.9 करोड़ रुपये) रखी गई है। विश्व प्रसिद्ध ग्रैंडमास्टर मैग्नस कार्लसन को इसका 'ग्लोबल एम्बेसडर' बनाया गया है। प्रतियोगिता का प्रारूप 'रैपिड' होगा, जिसमें हर खिलाड़ी को 10 मिनट का समय मिलेगा और चाल के बाद कोई अतिरिक्त समय (इन्क्रीमेंट) नहीं मिलेगा। खिलाड़ी चौम्पियंस चेस टूर के फरवरी और मई में होने वाले टूर्नामेंट से क्वालीफाई करेंगे, जबकि अंतिम चार खिलाड़ियों का चयन रियाद में होने वाले लास्ट चांस क्वालिफायर से होगा। 20 साल के निहाल सरीन केरल के त्रिशूर से हैं। उन्हें दुनिया के सबसे होनहार युवा शतरंज खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने 6 साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू किया और 10 साल की उम्र में वर्ल्ड यूथ चेस चौंपियनशिप जीतकर पहचान बनाई। 2022 में उन्होंने ष्चेस डॉट कॉम ग्लोबल चौंपियनशिपष् में उपविजेता बनकर शानदार प्रदर्शन किया। हाल ही में उन्होंने प्रेसिडेंट्स कप 2024 जीता और ताशकंद ओपन में 10 में से 8 अंक लेकर अपराजेय रहते हुए खिताब अपने नाम किया। फिलहाल वह भारत में 8वें और दुनिया में 40वें स्थान पर हैं। उनकी एफआईडीई रेटिंग 2687 है। निहाल ने इस मौके पर कहा, ष्ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप का हिस्सा बनना मेरे लिए एक नया और रोमांचक अनुभव है। शतरंज हमेशा एक पारंपरिक खेल रहा है, लेकिन अब इसे ईस्पोर्ट्स में शामिल किया जाना खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए एक नया अवसर खोल रहा है।

भारत और एस8यूएल का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है। वहीं, 25 वर्षीय अरविंद चितांबरम तमिलनाडु के मदुरै शहर के तिरुनगर इलाके से हैं। उन्होंने 7 साल की उम्र में अपने दादाजी से शतरंज सीखना शुरू किया और 12 साल की उम्र में ही भारतीय अंडर-19 चौम्पियनशिप जीत ली। 2013 में उन्होंने चेन्नई ग्रैंडमास्टर ओपन जीतकर सुर्खियां बटोरीं और अगले दो सालों में इंटरनेशनल मास्टर और फिर ग्रैंडमास्टर बन गए। उन्होंने 2018 और 2019 में दो बार नेशनल प्रीमियर शतरंज चौम्पियनशिप जीती। 2019 में उन्होंने क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज तीनों फॉर्मेट में जीत हासिल कर इतिहास रच दिया। हाल ही में उन्होंने 2025 प्राग चेस फेस्टिवल मास्टर्स जीता। इस समय वह भारत में चौथे और दुनिया में 11वें स्थान पर हैं। उनकी एफआईडीई रेटिंग 2749 है। अरविंद ने कहा, यह पल सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि पूरे भारतीय शतरंज के लिए खास है। एस8यूएल जैसी ईस्पोर्ट्स टीम का हिस्सा बनना इस बात का संकेत है कि शतरंज लगातार विकसित हो रहा है। जब एक बड़ी ईस्पोर्ट्स संस्था शतरंज के खिलाड़ियों में पैसा लगा रही है, तो पता चलता है कि डिजिटल दुनिया में शतरंज को एक प्रतिस्पर्धी और देखने लायक खेल के तौर पर कितनी पहचान मिल रही है।

गोपीचंद मलिनेनी संग हार्ट ऑफ जाट लैंड पहुंचे एक्टर रणदीप हुड्डा

अभिनेता रणदीप हुड्डा की हालिया रिलीज फिल्म 40 करोड़ से ज्यादा कमाई करने में सफल रही और दर्शकों को पसंद आ रही है। फिल्म के प्रचार में जुटे हुड्डा, निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी के साथ रोहतक स्थित अपने पैतृक गांव पहुंचे, जिसे उन्होंने हार्ट ऑफजाट लैंड बताया। हुड्डा चंडीगढ़ के एक स्थानीय थिएटर में भी अचानक से पहुंचे और प्रशंसकों को चौंका दिया। बैसाखी के अवसर पर गांव पहुंचे रणदीप ने मलिनेनी संग घर में पके व्यंजनों का भी लुत्फउठाया। इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, अंतरराष्ट्रीय जाट दिवस पर मैं अपने रोहतक स्थित पैतृक गांव हार्ट ऑफजाट लैण्ड पहुंचा। मेरे साथ मेरे भाई, निर्देशक गोपीचंद भी इस सफर में शामिल हुए। हमने अपने काका के घर पर बना स्वादिष्ट हरियाणवी भोजन और चूरमा खाया। अभिनेता ने थिएटर में दर्शकों की भीड़ को लेकर आगे कहा, यहां थिएटर में जाट देखने के लिए भरे सिनेमाघरों को देखने से बेहतर और क्या हो सकता है! जहां दर्शक सीटी और ताली के साथ ढेर सारा प्यार बरसा रहे हों। अभिनेता के एक करीबी सूत्र ने कहा कि रणदीप ने हमेशा अपनी पहचान को गर्व के साथ धारण किया है। सूत्र ने कहा यह यात्रा व्यक्तिगत और प्रतीकात्मक थी-जाट की सफलता ने उन्हें वापस वहीं ला दिया जहां से यह सब शुरू हुआ था। अपने लोगों के साथ इस जीत को साझा करना उनके लिए एक भावनात्मक, गौरवपूर्ण क्षण था। अपने परिवार का साथ वास्तव में उनके लिए संसार बराबर था। रोहतक पहुंचे अभिनेता मीडिया से भी मुखातिब हुए और बातचीत के दौरान कहा कि 'जाट' में दक्षिण का मसाला, तो जाटों वाला लठ है। रणदीप ने कहा, ÷रोहतक के भाई लोग जाट नाम की फिल्म रिलीज हुई है, जिसमें मैं खलनायक रणतुंगा की भूमिका में हूं। भाई गोपीचंद मलिनेनी ने यह फिल्म बनाई है। तो आप लोग देखो, एंजॉय करो और देखकर बताओ कि फिल्म कैसी है और आपको कितनी पसंद आई। अभिनेता ने आगे बताया, मेरी पहली फिल्म रिलीज हुई थी तो मैं भानगढ़ थिएटर में आया था और मुझे वहां पर दर्शकों से खूब प्यार मिला था और इस फिल्म को जाट भाई ही नहीं देखेंगे तो नाक कट जाएगी। हमारा उद्देश्य आपको मनोरंजन देने का है। सनी देओल की फिल्म में मनोरंजन के साथ ही देशभक्ति की भी भावना है और किसानों की बात है। इसके साथ ही अभिनेता ने हरियाणवी भाषा पर भी बात की। उन्होंने आगे कहा, अब हरियाणवी ऊपर उठ रही है। एक समय था जब पंजाबी थी, मगर अब हरियाणवी है। दंगल समेत कई फिल्में हैं, गाने हैं, जिनसे नाम रोशन हो रहा है। फिल्म को आप लोग देखो, क्योंकि इसमें दक्षिण के मसाले के साथ जाटों वाला लठ भी है। :: एजेंसी

शादी करने के लिए बेताब हैं क्रिस्टल डिसूजा, बच्चों का भी बना चुकी हैं प्लान

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा ने साझा किया है कि वह वास्तव में शादी करना चाहती हैं और बच्चे चाहती हैं, लेकिन अभी नहीं। क्रिस्टल भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में एक अतिथि के रूप में शामिल हुई जहां उन्होंने अपनी दूसरी शादी के प्लान को लेकर खुलकर बात की। क्रिस्टल डिसूजा ने कहा- मेरी अभी शादी करने की कोई योजना नहीं है। जब होगी, तो ऐसे होगी (उंगली चटकाते हुए)। हां, मैं शादी करना चाहती हूं... मैं वास्तव में बच्चे चाहती हूं। मुझे पता है कि हम शादी किए बिना भी बच्चे पैदा कर सकते हैं, लेकिन मैं पारंपरिक तरीके से चलना चाहती हूं... मैं शादी करना चाहती हूं, लेकिन अभी नहीं,। उन्होंने आगे कहा-मुझे जगहों पर जाना बहुत पसंद है... मैं एयर होस्टेस बनना चाहती थी क्योंकि मैं जगहों की यात्रा करना चाहती थी, और मुझे लगता है कि मैंने इतना काम कर लिया है कि अब मुझे इसका थोड़ा आनंद लेना चाहिए। मैं बुढ़ापे में ट्रेकिंग नहीं करूंगी... मेरे पासपोर्ट के पन्ने खत्म हो गए हैं। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह आगरा नहीं गई हैं और वह ताजमहल देखना चाहती हैं। यह पूछे जाने पर कि वह किस तरह के आदमी की तलाश में हैं, क्रिस्टल ने कहा-मुझे ऐसा आदमी नहीं चाहिए जो बहुत यात्रा करता हो क्योंकि मैं अकेले या अपनी लड़कियों के साथ यात्रा करना चाहती हूं। मुझे ऐसा लड़का चाहिए जो काम करता हो, मीठा हो, विनम्र हो और मजाकिया हो लेकिन उसे बहुत यात्रा करना पसंद न हो ताकि मुझे भी अपना समय मिल सके। इसके बाद क्रिस्टल ने अपनी अभिनेत्री-सबसे अच्छी दोस्त निया शर्मा के बारे में बात की और बताया कि वह उनसे बहुत प्यार करती हैं। :: एजेंसी

सामंथा ने फिल्म इंडस्ट्री में वेतन को लेकर उठाए सवाल

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने सिनेमा की दुनिया में वेतन को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अभिनेत्री ने फिल्म इंडस्ट्री में हो रही इस तरह की असमानता पर सवाल उठाए हैं। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में फूडफार्मर से एक इंटरव्यू के दौरान सिनेमा उद्योग के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वो कई फिल्मों कर चुकी हैं, जिसमें उन्हें उसी समान किरदार के लिए अलग-अलग वेतन दिए गए। यह चीज उनके समझ से परे है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि कुछ बड़ी फिल्में होती है, जिसमें फिल्म के नायक ही सबकुछ होते हैं क्योंकि वही दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने का काम करते हैं।

अभिनेत्री ने कहा कि वह इसे समझती हैं, लेकिन ऐसी भी फिल्में हैं जिसमें अभिनेत्रियों ने समान तरीके के किरदार किए फिर भी उनमें डिमांड में काफी अंतर रहा। आगे बातचीत में अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें भी इंडस्ट्री में 15 साल का अनुभव हो चुका है। उन्होंने कहा कि वह अब अपने करियर में चाह रही हैं कि उन गलतियों को ना दोहराएं, जो उन्हें पहले से दिख रही हैं। आगे बातचीत में उन्होंने कहा कि वह अपनी परिस्थिति को तो नहीं बदल सकती हैं, लेकिन अपने भविष्य के बारे में कुछ कर सकती हैं। सामंथा के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री आखिरी बार वरुण धवन के साथ अमेजन प्राइम की सीरीज 'सिटाडेल : हनी बनी' में नजर आई थीं। अब अभिनेत्री बतौर फिल्म निर्माता के रूप में भी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं, फिल्म का नाम है 'शुभम'। वहीं दूसरी ओर साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में अपनी हेल्थ को लेकर बात की। सामंथा पहले भी कई बार अपनी लाइलाज बीमारी मायोसिटिस का जिक्र कर चुकी हैं। इसी बीच उन्होंने बताया कि वह इस बीमारी का इलाज किस तरह से कर रही हैं। सामंथा रुथ प्रभु ने फूडफार्मर को इंटरव्यू दिया। इस दौरान एक्ट्रेस से उनकी हेल्थ के बारे में पूछा गया। इसके जवाब में सामंथा ने कहा, 'जब मुझे अपनी ऑटोइम्यून बीमारी का पता चला, तो मैं अपनी हेल्थ के साथ बहुत लापरवाह थी और बिल्कुल अकेली थी। मुझे नहीं पता था कि कहां से शुरुआत करनी है। जब आप बीमार होते हैं तो आपको एक हफ्ते के लिए दवाई मिल जाती है और आपको लगता है कि बस अब आप ठीक हो जाएंगे। क्योंकि पूरी लाइफ में हम ऐसे ही देखते हैं कि बीमारी चाहे जो भी हो, बस एक हफ्ते के लिए दवाई लेते हैं। हालांकि, अब मेरे साथ ऐसा नहीं

है। यह पुरानी बीमारी है, और साथ ही यह लाइलाज है। जब मुझे बताया जाता था कि यह पूरी लाइफ ऐसे ही रहेगी, या इससे भी खराब हालत हो जाएगी। तो यह मेरे लिए ऐसा समय था जब मुझे बहुत गुस्सा आता था, मेरे सामने मेरी पूरी लाइफ थी। सब कुछ थम सा जाता है। मैं अपने आप को इस सिचुएशन में हेल्पलेस फील करती थी।' सामंथा ने बताया कि जब लोगों को उनकी बीमारी के बारे में पता चला तो उनका रिएक्शन कैसा था। एक्ट्रेस ने कहा, 'जैसे ही लोगों को मेरी बीमारी के बारे में पता चला तो सभी ने सिर्फ मुझसे यही सवाल पूछा कि अब एक्टिंग का क्या होगा। तुम्हारे पास प्लान बी क्या है। मुझे लोगों के इस सवाल पर बहुत गुस्सा आता था। मैं कहती थी, मेरे पास कोई प्लान बी नहीं है, मुझे सिर्फ एक्टिंग ही करनी है। मैं यही चाहती हूं कि यह बीमारी किसी दुश्मन को भी न हो। बता दें कि साउथ फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अपने विचारों के लिए फैंस के बीच काफी पसंद की जाती हैं। वह महिलाओं से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से उठाती हैं और उन्हें ऐसे मुद्दों को उठाने में एक सुकून महसूस होता है। हाल में उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि उनके लिए सफलता का असली मतलब क्या है? हाल ही में सिडनी के भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफएस) के 11वें संस्करण के उद्घाटन समारोह में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री ने कहा कि महिलाओं के लिए सफलता का मतलब सिर्फ उपलब्धियां हासिल करना नहीं है, बल्कि रूढ़िवादिता और सामाजिक बंधनों से मुक्त होना है। सामंथा ने स्वतंत्रता को अपनाने, कई भूमिकाएं निभाने और महिलाओं को क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए, इस बारे में पुरानी धारणाओं को चुनौती देने के महत्व पर प्रकाश डाला। अभिनेत्री ने साझा किया, मैंने पहले भी कहा है - मेरे लिए सफलता का मतलब दायरों को तोड़ आगे बढ़ना है। मैं दूसरों के यह कहने का इंतजार नहीं करती कि मैं सफल हूं।

सफलता का मतलब है अपने जुनून को खुले मन से हासिल करना। यह किसी बॉक्स में नहीं रखा जाना चाहिए और यह नहीं बताया जाना चाहिए कि महिलाएं क्या कर सकती हैं या क्या नहीं? सिडनी के पॉवरहाउस म्यूजियम में फेस्टिवल डायरेक्टर के नेतृत्व में आयोजित एक सत्र के दौरान, सामंथा ने अपनी निजी और पेशेवर यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे उन्होंने बाधाओं का सामना किया और दृढ़ संकल्प के साथ अपने करियर को आकार दिया। सामंथा ने अपने निर्माता की भूमिका में आने के बारे में भी बात की। उन्होंने इसे एक सशक्त कदम बताया। उनके मुताबिक, यह उन्हें विविधतापूर्ण और सार्थक कहानियों को आगे बढ़ाने का अवसर देता है।

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में फूडफार्मर से एक इंटरव्यू के दौरान सिनेमा उद्योग के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वो कई फिल्मों कर चुकी हैं, जिसमें उन्हें उसी समान किरदार के लिए अलग-अलग वेतन दिए गए। यह चीज उनके समझ से परे है। कुछ बड़ी फिल्मों होती है, जिसमें फिल्म के नायक ही सबकुछ होते हैं।

फेस्टिवल डायरेक्टर मितु भौमिक लागे ने कहा, सामंथा की यात्रा सिडनी के भारतीय फिल्म महोत्सव के सार से जुड़ी है। यह फेस्टिवल भी प्रमाणिकता, दृढ़ता और विभिन्न मतों का जश्न मनाता है।

हमें गर्व है कि इस साल सामंथा इसका नेतृत्व कर रही हैं। वहीं दूसरी ओर स्किनकेयर घरेलू ब्रांड नीविया इंडिया ने अपने नये ल्यूमिनस इवन ग्लो कलेक्शन के पेशकश के साथ दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु को ब्रांड एंबेसडर बनाया है। नीविया ने आधुनिक त्वचा की जरूरतों के हिसाब से सोच-समझकर तैयार की गई इस स्किनकेयर रेंज को एक आकर्षक टीवी विज्ञापन के जरिए पेश किया है, जिसमें सामंथा रूथ प्रभु नजर आ रही हैं। इस विज्ञापन में सामंथा की आत्मविश्वास भरी स्किनकेयर यात्रा को प्रामाणिकता के साथ दिखाया गया है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, वह सहजता से अपनी त्वचा की देखभाल करती दिखती है और उसकी बेदाग, चमकदार चमक का एक शानदार दृश्य सामने आता है, जो इस बात को पुख्ता करता है कि नीविया, त्वचा देखभाल की श्रेणी में सबसे आगे है। इस अवसर पर अपना उत्साह साझा करते हुए सामंथा रूथ प्रभु ने कहा मेरे और मेरे परिवार के लिए नीविया वर्षों से एक विश्वसनीय नाम रहा है, जिसके कारण यह साझेदारी अविश्वसनीय रूप से विशेष बन जाती है। मेरे लिए स्किनकेयर, त्वचा देखभाल के लिए निरंतर ऐसे उत्पादों को चुनना है जो त्वचा के लिए प्रभावी और कोमल हों। ल्यूमिनस इवन ग्लो रेंज इसलिए विशेष है, क्योंकि यह न केवल काले धब्बे कम करती है; बल्कि विज्ञान-आधारित नवाचार के साथ त्वचा की प्राकृतिक चमक को भी बढ़ाती है। नीविया की त्वचा देखभाल का गहरा दर्शन, जो सुंदरता के प्रति मेरे अपने दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाता है, इस साझेदारी को और भी खास बना देता है। इस परिवर्तनकारी रेंज के उपयोग की मदद से मैं सभी लोगो द्वारा आत्मविश्वास के साथ अपनी चमक हासिल करने के लिए उत्साहित हूं। वहीं दूसरी ओर सामंथा रुथ प्रभु की आखिरी बार विग्नेश शिवन की तमिल फिल्म काथुवाकुला रेंदु काधल में देखा गया था। इसके बाद वह बॉलीवुड वेब सीरीज सिटाडेल हनी बनी में नजर आई। लेकिन सामंथा को जाने क्या हो गया है कि वह अब साउथ की फिल्में नहीं करना चाहती हैं। हालांकि, उनकी फिल्म रक्त ब्रह्मांड चर्चा में जरूर है।

सामंथा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रक्त ब्रह्मांड को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। सामंथा रूथ प्रभु की पिछले साल सिटाडेल हनी बनी आई थी। इस सीरीज में सामंथा बॉलीवुड अभिनेता वरुध धवन के साथ जमकर एक्शन करती नजर आई। :: एजेंसी

मरियम बूटी एक चमत्कारी पौधा है, महिलाओं की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद

मरियम बूटी एक चमत्कारी पौधा है, जिसे विशेष रूप से महिलाओं की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह पौधा मुख्य रूप से रेगिस्तानी इलाकों में पाया जाता है और इसके औषधीय गुणों के कारण इसे एक प्राकृतिक इलाज के रूप में माना जाता है। इसे वैज्ञानिक रूप से अनास्ताटिका हिरोचंटिका कहा जाता है, जबकि आम भाषा में इसे काफ मरियम या चजरत मरियम (मैरी का पौधा) भी कहा जाता है। यह पौधा सहारा, मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के शुष्क इलाकों में उगता है, जहां यह बिना किसी विशेष देखभाल के भी अपने औषधीय गुणों को बनाए रखता है। मरियम बूटी की पत्तियां, तने और जड़ें कई महत्वपूर्ण खनिजों और औषधीय तत्वों से भरपूर होती हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट गुणों से समृद्ध है और पारंपरिक चिकित्सा में इसका उपयोग विभिन्न प्रकार के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है।

विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए यह पौधा बहुत फायदेमंद है। शोध में पाया गया है कि यह पौधा गर्भाशय को मजबूत करने, गर्भधारण में मदद करने और प्रसव को सरल बनाने में मदद करता है। इसके अलावा, यह मासिक धर्म की ऐंठन, बांझपन, थकान, सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, अवसाद, और अस्थमा जैसी समस्याओं में भी राहत देने में सहायक होता है। मरियम बूटी में कई खनिज जैसे मैग्नीशियम, कैल्शियम, मैंगनीज, आयरन, कॉपर और जिंक पाए जाते हैं। इसके साथ ही इसमें फेनोलिक यौगिक और एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं, जो शरीर को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाते हैं और स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। अगर महिलाएं गर्भधारण में समस्या का सामना कर रही हैं या प्रसव के समय कठिनाई महसूस कर रही हैं, तो मरियम बूटी का पानी पीना लाभकारी हो सकता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, इसे सही तरीके से सेवन करना जरूरी है। सेवन का तरीका बहुत सरल है।

आपको मरियम फूल को पानी में भिगोकर कुछ घंटे के लिए छोड़ देना है। जब फूल पूरी तरह से खुल जाए, तो उस पानी को छानकर पिएं। अगर इसे लगातार 7 दिन तक सुबह-शाम पिया जाए, तो यह गर्भधारण में मदद कर सकता है और प्रसव को भी सरल बना सकता है। यह पौधा मदीना (सऊदी अरब) के उहुद पर्वत के पास के बाजारों में आसानी से मिल जाता है। आधुनिक शोधों के साथ-साथ यह पारंपरिक चिकित्सा में भी कारगर पाया गया है, और महिलाएं इसे गर्भधारण और प्रसव की समस्याओं को हल करने के लिए प्राकृतिक उपाय के रूप में प्रयोग कर सकती हैं। इस प्रकार, मरियम बूटी महिलाओं के लिए एक बहुत बड़ा वरदान साबित हो सकता है, खासकर अगर वे गर्भधारण में कठिनाई का सामना कर रही हैं। :: एजेंसी

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

8 साल में

उत्तर प्रदेश में अराजकता, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के कारण लोग अपनी पहचान छिपाने को मजबूर थे। उन्होंने महाकुंभ के उदाहरण से समझाया कि 2017 से पहले कुंभ में गंदगी और अव्यवस्था थी, लेकिन इस बार स्वच्छता और सुव्यवस्था ने सबका ध्यान खींचा। आज पूरे राज्य में कानून का शासन (रूल ऑफ लॉ) स्थापित है। अनावश्यक लाउडस्पीकरों को हटाया गया, सड़कों पर धार्मिक आयोजन को नियंत्रित किया गया और बेटियों व व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। पुलिस भर्तियों में पारदर्शिता लाई गई और 60 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देकर नियुक्त किया गया। इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी में आई क्रांति ÷ मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर जोर देते हुए कहा कि पहले राज्य की पहचान खराब सड़कों और अंधेरे से थी, लेकिन आज उत्तर प्रदेश के पास देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे नेटवर्क, मेट्रो रेल, रेल नेटवर्क और जलमार्ग है। राज्य में चार लाख किलोमीटर का नेशनल हाईवे नेटवर्क, 16 कार्यशील हवाई अड्डे (चार अंतरराष्ट्रीय और 12 घरेलू) हैं और एशिया का सबसे बड़ा जेवर हवाई अड्डा निर्माणाधीन है। इसके अलावा लॉजिस्टिक हब और ड्राईपोर्ट जैसे कदमों ने उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने किसानों के लिए कई कदम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश में 122 चीनी मिलें संचालित हो रही हैं और गन्ना किसानों का बकाया अब तीन से सात दिनों में भुगतान किया जा रहा है। पिछले आठ वर्षों में डीबीटी के माध्यम से गन्ना मूल्य का भुगतान सीधे किसानों के खातों में किया गया है। उद्योगों के लिए भी सरकार ने निवेश माहौल को बेहतर बनाया। 2017 में जब सैमसंग और टीसीएस जैसी कंपनियां उत्तर प्रदेश छोड़ने को तैयार थीं तब सरकार ने उन्हें विश्वास दिलाया।

योगी और केन्द्रीय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ट्रिब्यूनल समयबद्ध तरीके से संबंधित पक्षों को मेरिट के स्तर पर न्याय प्रदान कर सके, यह सरकार की प्राथमिकता में है। कैट की भूमिका भी ऐसी ही है। केंद्रीय सरकार से जु? हुए विभिन्न सरकारी उपक्रम और शासकीय व्यवस्था से जु? हुए अधिकारियों और कार्मिकों को किसी स्तर पर न्याय नहीं मिल पाया, उनके लिए प्लेटफॉर्म देने और समय पर न्याय देने में कैट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि फुल बेंच हो या सर्किट बेंच अगर उनके पास कोई भी संसाधन नहीं है तो वहां दूसरों को न्याय प्रदान करने के लिए कितने एग्रेसिव तरीके से अपने कार्य को आगे ब?ा पाएंगे, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है। आज यहां पर 16 जनपदों के केंद्रीय कार्मिकों के लिए कैट की व्यवस्था की गई है। यहां शानदार भवन बना करके तैयार हो गया है। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप किसी मजबूरी में कार्मिकों यहां आना प?ा तो उन्हे न्याय उपलब्ध कराने में कैट महत्वपूर्ण भूमिका का निर्माण करेगा। सीएम ने कहा कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप लखनऊ पीठ ने 10 वर्षों में कुल 6,700 मामलों में से 6,000 से अधिक मामलों का निस्तारण किया है, इसको अभी और तेज किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे मामलों में दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठा कर सुना जाए तो ऐसे ही बहुत सारे मामलों का निस्तारण हो सकता है। प्रदेश में वर्ष 2017 में राजस्व के 33 लाख मामले लंबित थे। इन बहुत सारे छोटे मामले थे। इस पर सरकार ने इन मामलों को मेरिट के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिये। इन मामलों को लेकर टाइम बाउंड किया गया। इसकी जवाबदेही के साथ ऑनलाइन मॉनीटरिंग की जाने लगी। पिछले आठ वर्षों में 34 लाख मामलों को निस्तारण किया गया।

भगोड़ा मेहुल चौकसी

वह वहीं था। भारत छोड़ने के बाद से वह 2018 से एंटीगुआ में रह रहा था। चोकसी और उनके भांजे नीरव मोदी पर सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक से करीब 13,500 करोड़ रुपये के गबन का आरोप है। इस मामले में नीरव मोदी के अलावा उसकी पत्नी ऐमी, उसका भाई निशाल भी आरोपी है। 65 वर्षीय चोकसी अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ बेल्जियम के एंटवर्प में श्निवास कार्डश् प्राप्त करने के बाद रह रहा है। चोकसी की पत्नी बेल्जियम की नागरिक हैं। अपनी पत्नी की मदद से चोकसी ने 15 नवंबर 2023 को बेल्जियम में रहने का वीजा हासिल कर लिया।

हमने स्वदेशी तकनीकों

है। गृहमंत्री शाह ने कहा कि न तो आरोपी के साथ और न ही शिकायतकर्ता के साथ अन्याय होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''अगर हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं, तो हमें फोरेंसिक विज्ञान को आपराधिक न्याय प्रणाली का हिस्सा बनाना होगा। शाह ने कहा कि 2009 और 2020 में फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना की दो पहल मोदी के नेतृत्व में की गई, पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में। उन्होंने कहा कि इसने न केवल देश को प्रशिक्षित जनशक्ति प्रदान की है, बल्कि ''कई क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए हमारे दरवाजे भी खोले हैं। गृहमंत्री ने कहा कि नये आपराधिक कानूनों के अनुसार, सात साल तक की सजा वाले मामलों में फोरेंसिक दल का दौरा अनिवार्य है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी एक दृष्टि के साथ काम करते हैं। नये आपराधिक कानून 2024 में आए लेकिन राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना 2020 में ही हो गई। देश के विभिन्न राज्यों में इसके सात परिसर हैं और अगले छह महीनों में नौ नये परिसर स्थापित किए जाएंगे। बाबासाहेब भीम राव आंबेडकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए शाह ने कहा कि बाबासाहेब ने देश की परंपराओं और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए संविधान लिखा था ''ताकि संविधान अगले 1000 वर्षों तक प्रासंगिक रहे और अप्रचलित न हो जाए।

लखनऊ के लोकबंधु

पहुंच गई थी। देर रात तक राहत कार्य जारी रहा। हादसे की सूचना मिलते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक अस्पताल पहुंच गये। वहां राहत कार्य व मरीजों की स्थिति के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दे रहे थे। वहीं मरीजों को केजीएमयू, बलरामपुर, आरएलबी और सिविल अस्पताल में भेजा गया है। लोकबंधु राजनारायण अस्पताल की दूसरी मंजिल पर बने एनआईसीयू और महिला वार्ड से रात करीब 10 बजे धुआं निकलते देख, अफरा-तफरी मच गई। कर्मचारियों ने जैसे ही धुआं निकलता देखा तो मरीजों को बाहर निकालना शुरू कर दिया था। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि जिस समय वार्ड में आग लगी उस समय वार्ड में कुल 40 मरीज थे। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके साथ ही अन्य वार्डों में भी अलर्ट जारी कर सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दूसरे मंजिल पर बच्चों का एनआईसीयू वार्ड भी था। सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अस्पताल में मौजूद लोगों ने बताया कि आग दूसरी मंजिल के एनआईसीयू में लगी थी। इसके बाद देखते-देखते तीसरी और पहली मंजिल को भी अपने जद में ले लिया। हर तरफ धुआं भर गया था। कुछ दिखाई नहीं पड़ा रहा था। सिर्फ कर्मचारियों और मरीजों के चीखपुकार ही सुनाई दे रहे थे। किसी तरह मॉस्क लगाकर कर्मचारियों और तीमारदारों ने मरीजों को बाहर निकाला। इस दौरान कई मरीजों और कर्मचारियों को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। सभी आनन-फानन खुले में दूर पहुंचाया गया। भूतल पर धुआं देखा गया। अस्पताल के चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ ने तुरंत मरीजों को वहां से शिफ्ट करना शुरू किया। करीब 200 मरीजों को वहां से शिफ्ट किया गया है, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। दमकल विभाग के कर्मचारी और अधिकारी आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। कोई मरीज हताहत नहीं हुआ है। दो-तीन गंभीर मरीजों को केजीएमयू के आईसीयू वार्ड में शिफ्ट किया गया है- ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री। आग लगते ही वार्ड से मरीजों को बाहर निकालकर परिसर व सड़क पर बेड और स्ट्रेचर पर लिटाया गया। कुछ मरीजों को तीमारदार व कर्मचारी गोद में लेकर भागे। नीचे पहुंचने के बाद डॉक्टरों व कुछ कर्मचारियों ने मरीजों की जांच शुरू की। खुले में ही इलाज शुरू कर दिया। इसके बाद मरीजों को एम्बुलेंस की मदद से केजीएमयू, सिविल और बलरामपुर अस्पताल में शिफ्ट कराया गया।

प्रयागराज में दलित

लोग गेहूं काटने के लिए लेकर गए थे। जब उसने गेहूं काटने से मना किया, आरोपियों ने दलित युवक को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया गया। जिंदा ही दफनाने की तैयारी की, गड्ढा भी खोद लिया था। लेकिन, फिर हमलावरों ने प्लान बदल दिया। देवी शंकर को जलाने के लिए पुआल इकट्ठा करके आग लगा दी। यह वाकया 13 अप्रैल की सुबह 6 बजे का है। तभी खेतों की तरफ गांव के लोगों को आता हुआ देखकर आरोपी भाग निकले।

डॉ. बाबा साहब

समाज का काम है पूरे समाज को यह काम करना चाहिए। अपने स्वयं के लिए अपने देश के लिए। समाज के एक-एक व्यक्ति और परिवार के लिये। दुनिया में कहीं भी किसी भी देश में समाज जब इस काम को करता है तब उसका प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक परिवार सुखी होता है। समाज के नाते समाज सुखी प्रतिष्ठित सुरक्षित होता है और उस समाज के कारण विश्व भी लाभान्वित होता है। अपने समाज में पिछले 2000 वर्षों से जो आत्मविस्मृति आई उसके कारण हम आपसी स्वार्थों में उलझ गए। अधिकाधिक भेदों की खाइयाँ चौड़ी होती चली गयीं, और हम अपने कर्तव्य से विमुख हो गए जिसका लाभ विदेशी आक्रांताओं ने लिया। हमको पीटा-लूटा और यह बात चलती चली आई। इसलिए यह काम पूर्णतरू तरीके से बंद हो गया। जो काम पूर्णतरू बंद हो गया, वह काम समाज फिर करे। इसके लिये पहले प्रारम्भ करना पड़ता है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति प्रत्येक परिवार सुखी सुरक्षित निरामय बने। अपना कर्तव्य करे और पूरा समाज सुखी-सुरक्षित प्रतीत हो, जिससे विश्व की आवश्यकताओं को पूरा करने का उसका सामर्थ्य बने और वह वैसा करे। इसलिए यह काम शुरू हुआ। यह काम है हिंदू संगठन का काम। भारतवर्ष अपना परम्परा से हिन्दू समाज का घर है और इसलिए हिन्दू समाज उसके लिए उत्तरदायी है जो अपने आपको हिंदू कहता है। कार्यालय एक भवन नहीं होता। कार्यालय केवल कुछ कागज-पत्रों के रखने की या कुछ लोगों के रहने की जगह नहीं होती। वहां पर संघ का घनीभूत अनुभव मिलता है।

पश्चिम बंगाल के

फंसे हैं। केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, मोथाबारी में स्थिति अब शांतिपूर्ण है, लेकिन जिस तरह से दुकानों में तोड़फोड़ की गई, मुझे आने से रोका गया, अब भी लोग मुझे बता रहे हैं कि उनकी दुकानें लूट ली गईज्ये गरीब लोग हैं, और सरकार ने उन्हें 5,000 रुपये की सहायता दी है। 5000 से क्या होगा? प्रशासन को नुकसान का आकलन करना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

राज्यपाल ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर माल्यार्पण और श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया

सच्चे अर्थों में भारत रत्न और लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला थे डॉ अम्बेडकर : योगी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आज यहां राजभवन में संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा राजभवन में विशेष रूप से मंगवायी गयी भारतीय संविधान की मूल प्रति पर भी पुष्प अर्पित कर संविधान के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की गयी।

इस अवसर पर अपर प्रमुख सचिव राज्यपाल डॉ सुधीर महादेव बोबडे, विधि परामर्शी राज्यपाल, प्रशान्त मिश्र, विशेष कार्याधिकारी राज्यपाल, अशोक देसाई, विशेष कार्याधिकारी (शिक्षा) डॉ पंकज एल जानी, विशेष सचिव श्रीप्रकाश गुप्ता सहित राजभवन के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर को नमन कर भारतीय संविधान की मूल प्रति पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कैबिनेट के साथ डॉ.अम्बेडकर को दी श्रद्धांजलि : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा, 140 करोड़ लोग उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक एकता के सूत्र में बंधकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में धाक जमा रहे हैं। ये भारत के संविधान के कारण सम्भव हो पाया है।

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का जो सपना था उसे आजाद भारत में अटलजी ने साकार करने का प्रयास किया और उसको एक नई गति देने का काम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। हम लोग पहले चरण में ऐसे 14 से 15 लाख परिवारों को जोड़ने जा रहे है,जिन्हें सुविधाएं नहीं मिलीं, उन्हें डबल इंजन की सरकार उपलब्धकरायेगी। यह योजना उत्तर प्रदेश में बाबा साहब के नाम पर जानी जाएगी।समाजवादी पार्टी कहती थी कि बाबा साहब का स्मारक कहीं भी बनेगा तो हम उसे तोड़ेंगे लेकिन आज बाबा साहब को सम्मान मिल रहा है, उनके मूल्यों और आदर्शों के प्रति पूरा भारत कृतज्ञता ज्ञापित कर रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हजरतगंज में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया। इस मौके पर उनके साथ उनकी कैबिनेट के सहयोगी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने डॉ. आंबेडकर के योगदान को याद करते हुए एक्स पर कहा कि सर्वसमावेशी, सर्वहितग्राही, उत्कृष्ट लोकतांत्रिक मूल्यों से दीप्त, एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को समृद्ध करतेभारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें कोटि कोटि नमन ! वे सच्चे अर्थों में भारत रत्न एवं लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला थे। समतामूलक एवं न्यायप्रिय समाज की स्थापना के लिए उनका संघर्ष हम सभी को अनंत काल तक प्रेरणा प्रदान करता रहेगा।

अम्बेडकर जयंती पर योगी का जीरो पावर्टी योजना का ऐलान, 15 लाख परिवार होंगे लाभान्वित : योगी आदित्यनाथ सरकार ने अंबेडकर जयंती के मौके पर प्रदेशवासियों के लिए एक बड़ी योजना जीरो पावर्टी योजना का ऐलान किया है। लखनऊ में अंबेडकर महासभा के एक कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने खुद महत्वाकांक्षी योजना की जानकारी दी। सीएम योगी ने बताया कि जीरो पावर्टी योजना के पहले चरण में 14 से 15 लाख जरूरतमंद परिवारों को शामिल किया जाएगा, जिन्हें अब तक सरकारी सुविधाओं का समुचित लाभ नहीं मिला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह योजना बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को समर्पित की जाएगी और उत्तर प्रदेश में यह उन्हीं के नाम से जानी जाएगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि योजना का उद्देश्य प्रदेश के हर गांव में उन परिवारों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, जो अभी तक वंचित रहे हैं।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा हम लोग पहले चरण में ऐसे 14 से 15 लाख परिवारों को जोड़ने जा रहे हैं, जिन्हें आज तक बहुत सारी सुविधाएं नहीं मिली हैं। अब डबल इंजन की सरकार उनके लिए एकमुश्त सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा आप मान के चलिए कि हर ग्राम पंचायत में 20 से 25 ऐसे परिवार होंगे जिन्हें आज भी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिली हैं, उन तक सरकार खुद पहुंचेगी।योगी आदित्यनाथ ने बाबा साहब कोश्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह योजना पूरी तरह से उन्हीं को समर्पित है। उन्होंने कहा कि देश में शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से

- **राजभवन के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की**

वंचित वर्गों को आगे लाने का जो दर्शन बाबा साहब ने दिया, वही दर्शन इस योजना की प्रेरणा है।यूपी देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य है, अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीरो पावर्टी लक्ष्य की दिशा में पहला कदम बढ़ा रहा है।

अम्बेडकर जयंती पर मायावती ने दिया संदेश कहा, शासक बनने पर जुल्म, ज्यादती व अन्याय से मिलेगी मुक्ति : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर को उनकी जयंती पर याद करते हुए श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। बसपा ने 'एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, ''संविधान निर्माता भारतरत्न बोधिसत्व परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को आज उनकी जयंती पर आंबेडकरवादी पार्टी बसपा के तत्वावधान में पूरे देश भर में उन्हें शत-शत नमन, माल्यार्पण व अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित किये गये। इसके लिए सभी लोगों का तहेदिल से आभार व धन्यवाद। उन्होंने कहा कि देश के समस्त दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों व अन्य उपेक्षितों को भी वास्तव में आंबेडकरवादी बनना होगा, जिसमें जुल्म, ज्यादती व अन्याय आदि से मुक्ति पाकर शासक वर्ग बनने की शक्ति, उनकी आपसी एकता व सत्ता की मास्टर चाबी की प्राप्ति में ही है। ने कहा, ''देश में बहुजनों के सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक हालात, कांग्रेस की तरह भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) शासनकाल में भी अति-दयनीय हैं। इनके आरक्षण के संवैधानिक अधिकार पर भी सुनियोजित कुठाराघात होने से अब इनकी स्थिति कुछ 'अच्छे दिन के बजाय बुरे दिन वाली ही बन रही है, जो अति दुःखद व चिंतनीय है।

जद यू कार्यालय में मनाई गई अम्बेडकर जयंती : जनता दल यूनाइटेड उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यालय में समाजिक समानता और समरसता के प्रणेता, विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर बाबासाहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित किया गया। एक बिचार गोष्ठी के माध्यम से बाबा साहेब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। पार्टी के पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के बताए हुए रास्ते पर चलते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में पार्टी संगठन के माध्यम से शोषितों एवं वंचितों के उत्थान और समरस समाज के निर्माण हेतु मजबूत, शिक्षित शक्तिशाली और आत्मनिर्भर समाज बनाने का संकल्प लिया।

69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने मनाई अम्बेडकर जयंती : 69 हजार शिक्षक भर्ती के अंतर्गत नौकरी की मांग कर रहे आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने इको गार्डन धरना स्थल पर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी जयंती मनाई। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का धरना इको गार्डन में जारी है।आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने कहा कि अभ्यर्थी आंबेडकर की प्रेरणा से लोकतांत्रिक तरीके से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारी मांग है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता भेज कर हमारे पक्ष में मामले की सुनवाई कराकर जल्द निस्तारित कराये क्योंकि हम आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी हाईकोर्ट से जीत चुके हैं। सरकार की लापरवाही से मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया।

धरना स्थल पर भोला नाथ अम्बेडकर, मनोज यादव, आनंद, अजय कुमार और वरुण आदि लोग मौजूद रहे। सभी ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। 69000 शिक्षक भर्ती मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रहीं हैं। इन अभ्यर्थियों की मांग है कि सरकार उनके पक्ष में सुनवाई कराते हुए मामले का जल्द निस्तारण कराये।

लोक निर्माण विभाग में बाबा साहब को दी गई श्रद्धांजलि : लखनऊ लोक निर्माण विभाग मुख्यालय में डॉ.भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विभाग के प्रमुख अभियंता ए.के. द्विवेदी ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान बाबा साहब के द्वारा किए गए कार्यों को याद किया गया। संविधान निर्माण में उनकी भूमिका को सबसे महत्वपूर्ण बताया। ए. के. द्विवेदी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष और त्याग से भरा हुआ है । यह बात बिल्कुल स्पष्ट है कि जिन परिस्थितियों का सामना करके संविधान पीठ के अध्यक्ष बने आसान नहीं था। बाबा साहब ने कदम-कदम पर चुनौतियों का सामना किया। संघर्ष को सफलता में बदलते हुए निरंतर आगे बढ़ते रहे। बाबा साहेब ने समता, स्वतंत्रता, बंधुता और न्याय के मूल्यों की नींव रखी वही आज के भारत की पहचान हैं। महामंत्री मनीष कुमार शुक्ला ने कहा कि संविधान को मानने वाला हर व्यक्ति बाबा साहब को श्रद्धांजलि दे रहा है।

आजादी के बाद भारत निर्माण और भारत के विकास में मुख्य भूमिका रही। संविधान के माध्यम से प्रत्येक धर्म जाति के लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा। अशिक्षित समाज को शिक्षा की शक्ति से रूबरू करवाया।

अंबेडकर जयंती पर स्थानीय नेताओं ने दी श्रद्धांजलि : तेलीबाग स्थित खरिका द्वितीय वार्ड के पंचायत भवन में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में पार्षद पति संजीव अवस्थी ने नेतृत्व किया। सेक्टर संयोजक संतोष रावत, बूथ अध्यक्ष गोकर्ण रावत, अमित सैनी, लिली प्रधान, सतीश रावत और धीरेंद्र पाल समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने डॉ. अंबेडकर के योगदान को याद किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

लोकदल के महासचिव ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया : राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की 134 वीं जयंती के अवसर पर आज हजरतगंज लखनऊ स्थित उनकी प्रतिमा पर राष्ट्रीय लोकदल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ श्रद्धा-सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर अनिल दुबे ने कहा कि बाबा साहब ने अपना सम्पूर्ण जीवन शोषितों वंचितों, दलितों और कोटि-कोटि मानवों को उनका अधिकार दिलाने के लिए समर्पित कर दिया था। वे साधारण मनुष्य नहीं, बल्कि एक महामानव थे। बाबा साहब के संकल्पों को पूर्ण करने हेतु राष्ट्रीय लोकदल पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव रजनी कांत मिश्रा कोषाध्यक्ष बी एल प्रेमी रमावती तिवारी, प्रीती श्रीवास्तव, अफ्सर अली, राघवेन्द्र कुमार यादव, प्रमोद कुमार शुक्ला, महेश पाल धनगर, रमेश कश्यप, विनोद सोनकर, सचिन सोनकर,मनोहर मौर्य विश्वनाथ यादव और मयंक त्रिवेदी सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

वहीं दूसरी ओर राजधानी लखनऊ में सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर भव्य भीम यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा सुशांत गोल्फसिटी स्थित एचसीएल से शुरू हुई। यह गोसाईगंज और गंगागंज होते हुए कोड़रा गांव तक गई, जहां इसका समापन हुआ।

देश-विदेश डायरी

दक्षिण कोरिया : यून की पेशी, अदालत के बाहर जमा हुए पूर्व राष्ट्रपति के समर्थक और विरोधी

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल के समर्थक और विरोधी सोमवार को सोल की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के बाहर जमा हुए। यून यहां एक आपराधिक मामले की पहली सुनवाई में शामिल होने आए थे। यह मामला पिछले साल उनके मार्शल लॉ लागू करने की घोषणा से जुड़ा है। करीब 20 लोग जो यून के समर्थक थे, सुबह 9 बजे से ही कोर्ट के सामने इकट्ठा हो गए। उन्होंने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के झंडे लहराए और यून फिर से जैसे नारे लगाए। कुछ लोगों ने जोर-जोर से कहा, राष्ट्रपति दोषी नहीं हैं। योनहाप समाचार एजेंसी के मुताबिक, कोर्ट के गेट के सामने वाली सड़क पर एक बैनर लगा था, जिसमें यून के केस के मुख्य जज की तारीफकी गई थी। सुबह 9.50 बजे यून को लेकर एक कार कोर्ट में पहुंची। उन्हें देखकर उनके समर्थक काफी जोश में आ गए। इसी दौरान, यून के विरोधियों का एक समूह कोर्ट के पास इकट्ठा हुआ। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूर्व राष्ट्रपति को फिर से गिरफ्तार करने और उन्हें सख्त सजा देने की मांग की। सोल की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में यून के खिलाफबगावत के आरोपों पर सोमवार को सुनवाई होनी है। योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यून को इस केस में आरोपी के तौर पर कोर्ट में मौजूद रहना जरूरी है। यून ऐसे पांचवें पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक मामले का सामना करना पड़ रहा है।

जनवरी में यून को गिरफ्तार किया गया और उन पर आपराधिक विद्रोह का आरोप लगाया गया। लेकिन, पिछले महीने सोल कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को रद्द कर दिया और उन्हें बिना जेल में रखे मुकदमा चलाने की अनुमति दी, जिसके बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। बता दें राष्ट्रपति यून ने 03 दिसंबर की रात को दक्षिण कोरिया में आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा की, लेकिन संसद द्वारा इसके खिलाफमतदान किए जाने के बाद इसे निरस्त कर दिया गया। मार्शल लॉ कुछ घंटों के लिए ही लागू रहा लेकिन इसने देश की राजनीति को हिला कर रख दिया। नेशनल असेंबली ने राष्ट्रपति यून सुक-योल के खिलाफमहाभियोग प्रस्ताव पारित किया। संवैधानिक न्यायालय ने पिछले दिनों उनके खिलाफ महाभियोग को जारी रखा जिसके बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा।

कराची से क्वेटा जाने वाली ट्रेन को बलूचिस्तान में नहीं मिला प्रवेश, यात्रियों को स्टेशन पर उतारा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के आर्थिक केंद्र कराची से बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा जाने वाली एक यात्री ट्रेन को रास्ते में रोक दिया गया और बलूचिस्तान प्रांत में प्रवेश की अनुमति भी नहीं दी गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 150 यात्रियों को ले जा रही बोलन मेल ट्रेन को सिंध प्रांत के जैकोबाबाद शहर में रोक दिया गया। यहां यात्रियों को उतार दिया गया और ट्रेन को सोमवार तड़के बलूचिस्तान में प्रवेश देने से मना कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, यात्री ट्रेन कराची से रवाना हुई और आधी रात के बाद जैकोबाबाद पहुंची। ट्रेन को रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। रेलवे अधिकारियों को सूचित किया गया कि सुरक्षा मंजूरी मिलने तक आगे की आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी। ट्रेन में कई सरकारी अधिकारी, सुरक्षाकर्मी और उनके परिवार सवार थे। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि खुफिया एजेंसियों ने ट्रेन पर योजनाबद्ध तरीके से अपहरण और हमले की चेतावनी दी थी ठीक वैसे ही जैसा 11 मार्च को जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का अपहरण किया गया था। अधिकांश यात्रियों को सिब्बी ले जाया गया, जहां से उन्होंने कराची लौटने के लिए स्थानीय परिवहन सेवाओं का इस्तेमाल किया। पाकिस्तान रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से कराची से जैकोबाबाद तक का किराया वसूला और क्वेटा तक की यात्रा के लिए ली गई अतिरिक्त राशि वापस कर दी। जैकबाबाद में यात्रियों को अचानक उतारने की वजह से कई यात्री रेलवे स्टेशन पर फंसे रहे, क्योंकि उन्हें न तो पानी मिला और न ही बिजली। बताया जा रहा है कि भीषण गर्मी और स्टेशन पर पानी की अनुपलब्धता के कारण कुछ बच्चे बेहोश भी हो गए। पाकिस्तान रेलवे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आमिर अली बलूच ने कहा, क्वेटा जाने वाली बोलन मेल को घंटों तक रक्षा कारणों से रोका गया क्योंकि बलूचिस्तान में रात के समय ट्रेन परिचालन की अनुमति नहीं थी। ट्रेन में करीब 150 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा, ट्रेन की आगे की यात्रा स्थगित कर दी गई और यात्रियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के तहत बसों के माध्यम से क्वेटा और अन्य स्थानों पर भेज दिया गया। प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के आतंकवादियों ने बलूचिस्तान के बोलन दर्रे पर जाफर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन पर हमला किया और उसे हाईजैक कर लिया, जिसमें करीब 400 यात्री बंधक बन गए।

अग्निशमन सुरक्षा दिवस पर निकाली रैली राज्यपाल ने हरी झंडी दिखा रवाना किया

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को अग्निशमन दिवस मनाया गया। डीजी फायर सर्विसेज आदित्य मिश्र ने हजरतगंज फायर स्टेशन पर वीरों को पुष्पांजलि अर्पित की। दूसरी तरफराज्यपाल ने हरी झंडी दिखाकर अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह रैली को रवाना किया। डीजी फायर ने मुख्यमंत्री को फ्लैग लगा कर अग्निशमन सुरक्षा दिवस के विषय में जानकारी दी। डीजी फायर आदित्य मिश्र ने हजरतगंज स्थित फायर स्टेशन में परेड की सलामी लेते हुए मुश्किल हालात में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले फायर कर्मियों को सरहाना की। साथ ही उन्हें इसी जज्बे से काम करने को कहा। उन्होंने बताया कि सोमवार से अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह 75 जिलों में मनाया जाएगा। जिसमें स्कूल, कॉलेज, मॉल और प्रमुख बाजारों में जागरूकता अभियान चला कर आग से बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। जिससे आग लगने की नौबत न आए और यदि आग लग जाए तो उस आपात स्थित से आसानी से निपटा जा सके।

राज्यपाल ने दोपहर में अग्नि सुरक्षा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली राजभवन से चलकर बंदरिया बाग,फन सिनेमा गोमती नगर, पॉलिटेक्निक चौराहा इंदिरा नगर, एच ए ऐल महानगर, सहारा कपूरथला, आईटी चौराहा, डालीगंज, बांसमंडी, सिटी स्टेशन, गोलागंज, कैसरबाग, नूर मंजिल, बर्लिंगटन चौराहा से होते हुए विधानसभा पर समाप्त हुई। सीएफओ मंगेश कुमार ने बताया कि अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह के दौरान शिक्षा संस्थानों में अग्नि सुरक्षा विषय पर निबंध, चित्रकला और व्याख्यान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही बाजार, मॉल, अपार्टमेंट और फैक्ट्री में अग्नि सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान और मॉक ड्रिल अभियान चलाया गया। मुंबई बंदरगाह पर 14 अप्रैल 1944 में मालवाहक जहाज फोर्ट स्टीकेन में आग लग गई थी। आग पर काबू पाने के दौरान 66 दमकलकर्मी शहीद हो गए थे। उन्हीं की याद में हर साल 14 अप्रैल को अग्निशमन सेवा दिवस मनाया जाता है।

लखनऊ विकास प्राधिकरण में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब की 134वीं जयंती

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के गोमतीनगर स्थित मुख्यालय में भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती बहुत धूमधाम से मनाई गई। दोपहर 12 बजे से शुरू हुए जयंती समारोह में एलडीए सचिव, उपसचिव सहित एलडीए कर्मियों के परिवारजनों ने भी भाग लिया। बाबा साहेब को नमन करते हुए वक्ताओं ने सम्विधान रचियता के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के बाद सभी के लिए भोजन की शानदार व्यवस्था की गई थी। इसके पश्चात शाम को भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया।

अम्बेडकर शोभायात्रा एलडीए परिसर से निकल कर अम्बेडकर पार्क तक गई और वहां बाबा साहेब को नमन करने के बाद वापस एलडीए मुख्यालय पर सम्पन्न हुई।घ् एलडीए एससी एसटी अधिकारी कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष निर्मल कुमार ने अम्बेडकर जयंती पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बाबा साहेब ने अंग्रेजों के समय पढ़ने का साहस दिखाया जब दलितों पिछड़ों को पढ़ने लिखने नहीं दिया जाता था। समाज को पढ़ाई लिखाई करने पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि आज बाबा साहेब की वजह से ही दलित समाज निरंतर तरक्की कर रहा है। समिति के महामंत्री पुत्ती लाल सिंह ने कहा कि एलडीए सचिव, उपसचिव सहित पूरा एलडीए परिवार जयंती समारोह में शामिल हुआ जिसके लिए हम सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से अम्बेडकर जयंती मनाई गई है और पूरे समाज को बहुत बहुत शुभकामनाएं व बधाई देते हैं।

विश्वविद्यालय में भीमोत्सव का हुआ आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा संविधान निर्माता भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 6वां भीमोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से की गई। उद्घाटन सत्र में योगा संकाय के डीन प्रो. (डॉ.) ए.के. सोनकर ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए डॉ. अंबेडकर के विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत पीएचडी शोधार्थी परांतक यादव ने न्याय के नियमों को लेकर शीर्षक पुस्तक की विषयवस्तु एवं मुख्य बिंदुओं का परिचय दिया। जिसमें डॉ. अंबेडकर के दृष्टिकोण को समकालीन सामाजिक-आर्थिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया गया है। इसके पश्चात पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति शमीम अहमद (उच्च न्यायालय, इलाहाबाद) एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया गया।